हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

9 मार्च, 2002

खण्ड–1, अंक 10

अधिकृत विवरण

विशय सूची

मंगलवार, मार्च 19, 2002

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(10)1
नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(10)15
स्थगन प्रस्ताव की सूचना/वाक आउटस	(10)23
वर्श 2002–2003 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(10)36
वैयक्ति स्पश्टीकरण	(10)45
श्री बंसीलाल एम.एल.ए. द्वारा	
वर्श 2002–2003 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)	(10)46
वर्श 2002–2003 के बजट की अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान	(10)59
बैठक का समय बढ़ाना	(10)72
वर्श 2002–2003 के बजट की अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(10)73

बैठक का समय बढ़ाना	(10)76
वर्श 2002–2003 के बजट की अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(10)76
विधान कार्य	(10)82
(i) दि हरियाणा म्यूनिसिपल (अमेंइमैंट) बिल, 2002	
(ii) दि पंजाब पैसेजर्ज एंड गूड्स टैसे ान (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 2002	
बैठक का समय बढ़ाना	(10)85
विधान कार्य (पुनरारम्भ)	(10)86
(i) दि पंजाब पैसेंजर्ज एंड गुड्ज टैक्से ान (हरियाणा अमैंडमैंट) बिल, 2002	
(iii) दि ईस्ट पंजाब बार अवार्डज (हरियाणा अमैंडमेंट) बिल, 2002	

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार 19 मार्च, 2002

विधान सभा की बैठक विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बने हुई, अध्यक्ष (श्री सतबीर सिंह कादियान ने अध्यक्षता की।)

तारांकित प्र न एवं उतर

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैमबर्ज, अब प्र न होंगे।

Building of Civil Hospital, Ambala Cantt.

929. Sh.Anil Vij : Will the Minister of State for Health be pleased to state –

(a) Whether it is a fact that the building of Civil Hospital,Ambala Cantt.is in dilapidated condition;and

(b) if so, Whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a new building for the said Hospital ?

स्वास्थ्य राज्य मंत्री (डॉ, एम, एल, रंगा):

(क) जी, नहीं।

(ख) प्र न ही उत्पत्र नहीं होता। लेकिन फिर भी दूसरी प्र न के जवाब में में माननीय सदस्य को कहना चाहूँगा कि अस्पतान के कुछ भाग का निर्माण कार्य विचाराधीन है।

श्री अनिल विल : अध्यक्ष महोदय, आज बहुत ही अच्छा दिन हैं और मुझे इस बात की खु ाी है कि मंत्री जी ने अपने लिखित जवाब से हटकर एफरमेटिव जवाब दिया हैं। लिखित में तो जवाब न में आया था लेकिन मंत्री जी ने उससे हटकर एफरमेटिव जवाब दिया है। अध्यक्ष महोदय, यह अस्पतरल 1959–60 में बना था और तब इसको खरैती अस्पताल के नाम से जाना जाता था। वहां डॉक्टर अच्छे होने के बावजूद बिल्डिग की हालत हीर्ण– ार्णअवस्था में होने के कारण यह अस्पताल अपने खरैती अस्पताल की पोजी ान से ऊपर नहीं उठ रहा है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता है। कि यह बिल्डिंग कब तक बन जाएगी और ाूसरे इसके एि क्या वहां पर किसी पैसे का प्रावधान किया गया है।

(डॉ, एम, एल, रंगा): अध्यक्ष महोदय, अम्बाला कन्टोनमैंट के अस्पताल को 1959 में कन्टोनमैंट बोर्ड के द्वारा बनाया गया था। हमारे हरियाणा के स्वास्थ्य विभाग ने इसको 1973 में टेक ओवर किया था। इस अस्पताल का कुछ पार्ट जीर्ण– ार्ण अवस्था में है। हमारे ब्लाक में यूरोपियन कमि ान के तहत 20 लाख रूपया पी.पी.सैन्टर के लिए इयर मार्क किया गया है। हमारे सम्मानित सदस्य उसके मैम्बर है। जब वहां पर मीटिंग होगी तो ये वहां पर इस बारे में बात उठाये तो ज्यादा पैसा एलोकेट करवाया जा सकता है। अध्यक्ष महोदय, वहां पर स्वास्थ्य विभाग ने एक्सरे ब्लाक, एमरजैसी ब्लाक में पिछले दसवे मास में

मुरम्मत के लिए 54 हजार रूपये मंजूर करवाये है। वहां पर धोबी घाट के लिए सन् 2001 मे 74 हजार रूपये की मंजूरी दी गई है। इसके लिए टैन्डर हो चुके है और एक दों सप्ताह में इसका भी काम भुरू हो जाएगा। इसी के साथ वहां पर टी.बी. ब्लाक में ट्वायल्ट की रिपेयर की आव कता थी तो उसके लिए हमने एक लाख मंजूरी के लिए सरकार को लिख कर भेजा हुआ है। वह मंजूरी भी जल्दी आ जाएगी तो उसकी रिपेयर भी हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, हमने पी.डब्ल्यू.डी. से पुछा कि उस हस्पताल के बारे में लोग कहते है। कि यह जीर्ण– ीर्ण अवस्था में है। तो इस बारे में आप अपनी रिपोर्ट हमे दों। उनकी रिपोर्ट हमारे पास आई तो उन्होने उस में लिखा है। कि एक तो वहां पर जो कार्यलय है। और दुसरा स्वास्थ्य का स्टौर है उसकी हालत जीर्ण– ीर्ण है। हमने उनको फिर से कहां है कि इनकी रिपेयर के बारे में फोरन एस्टीमेट भेजें। जब एस्टीमेंट आ जाएगा तो हम उसको सरकार की मंजुरी के लिए भेज दें गे। इसके अलावा यूरोपियन कमी ान ने इस बात के लिए यह जिला छाटा है। यूरोपियन कमी ान से पी.पी सैन्टर के लिए 20 लाख रूपये आए हुए है और यह निर्माण कार्य के लिए है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक स्टाफ की बात है तो वहां पर 93 कर्मचारियों का स्टाफ स्वीकृत हैं और आज की डेट में वहां पर 92 कर्मचारियों का स्टाफ काम कर रहां है एक खाली पोस्ट है वह भी जल्दी भर दी जाएगी।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, यह बहुत अच्छा दिन है कि मंत्री जी ने एक और बिल्डिंग का निर्माण करने के बारे में बताया है। मुझे यह भी उम्मीद है कि जो बिल्डिंग जीर्ण– ार्ण अवस्था मे है उसको भी मंत्री जी जल्दी ठीक करवा देगें क्योंकि उसके प्रोसैस आरम्भ कर दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं आप के माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि यह जो निर्माण कार्य समय–समय पर अम्बाला कैन्ट के सिवल अस्पताल में हो रहे है वहां पर कही पर ब्लड बैंक बना दिया जाता है और कही पर कोई ऐमरजेनसी वार्ड बना दिया जाता है। अध्यक्ष महोदय, अम्बाला कैन्ट के बीच में यह अस्पताल है और बहुत ही सैन्ट्रल प्लेस पर लोकेटिड है उस अस्पताल की जो भूमि है वह बहुत ही सीमित है। मैं इनसे जानना चाहूगां कि आने वाले समय की जरूरत को मद्दे नजर रखते हुए,20 या 30 सालो जी जरूरतो को देखते हुए वहां के अस्पताल के लिए क्या कोई मास्टर प्लान बनाया गया है और क्या इस तरह के किसी मास्टर प्लान पर विचार करने का उनका इरादा है ? अध्यक्ष महोदय, वहां पर आईन्दा से जो भी निर्माण हो चाहे वह किसी भी हैड से हो, वह उसी मास्टर प्लान के तहत होने चाहिए ताकि जो लैण्ड की मैनेजमैटं है वह वहां पर ठीक तरह से की जा सके। होता यह है कि अब भी वहां पर कही पर एक चीज बना दी जाती है, कही पर दूसरी चीज बना दी जाती है और कही पर तीसरी चीज बना दी जाती है और अगर कल को उस अस्पताल में कोई एक्सपैं ान करना पड़े तो उसका वहां पर कोई स्कोप नहीं रह जाएगां।इसी

तरह से अध्यक्ष महोदय, उस अस्पताल में तीन साल से अल्ट्रासाउड की म ाीन लगी हुई है लेकिन उसके लिए वहां पर कोई डॉक्टर नहीं है इसलिए वह म ाीन काम में नहीं आ रही है। मंत्री जी ने बताया है कि 93 पोस्ट उन्होने वहा की भर दी है और अब केवल एक पोस्ट खाली है मैं जानना चाहूगां कि क्या यह वहीं पोस्ट खाली है जिसका मै जिक्र कर रहा हूं ? अगर यह वही पोस्ट है तों मंत्री जी बताए की इनको कब तक भर दिया जाएगा ? अगर वहा पर यह डॉक्टर की पोस्ट भर दी जाती है तो जो वहां पर अल्ट्रासाउड म ाीन लगी है उसका अम्बाला के मरीज फायदा उठा सकेगे। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, अम्बाला जिले में जो यूरोपियन कमी ान स्वास्थ्य सेवाओं के लिए कार्य कर रहा है और सरकार ने वहां पर स्वास्थ्य सेवाओं की हालत सुधारने के लिए जो कदम उठाए है वह एक बहुत ही अच्छी बात है। अब हर जिले में लगभग 50 करोड़ खर्च किये जाएगे। लेकिन मैं समझता हूं कि इस काम मे डिले हो रहा है जब्कि यह टाईम बाउन्ड प्रोग्राम था। मैं मंत्री जी से जानना चाहूगा कि यह प्रोग्राम कब तक पूरा हो जाएगा और कब तक अस्पतालो मे बिल्डिंग का या दूसरे अन्य कामो को दूसरे कामो भाुरू कर दिया जाएगा?

डॉ. एम.एल. रंगा : अध्यक्ष महोदय,सम्मानित सदस्य ने तीन प्र न किये है। इनका पहला प्र न यह है कि क्या जरसख्या वृद्धि को देखते हुए अम्बाला के सिवल अस्पताल के लिए कोई मास्टर प्लान रखा गया है या नहीं। अध्यक्ष महोदय, जब भी

सरकार इस तरह के मास्टर प्लान पर विचार करती है तो इन सभी मुद्दो पर ध्यान रखा जाता है। जब भी प्लान साईड की मीटिंग होगी इस बात का वि ोश ध्यान रखा जाएगा और अम्बाला कैन्ट के अस्पताल के बारे में विचार किया जाएगा। इसके अलावा इन्होने यह भी कहा कि अल्ट्रासाउड की म ाीन के लिए वहां पर डॉक्टर नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं पहले ही बता चुका हूं कि वहां पर 93 पोस्टस सैंक ान है और इनमें से 92 पोस्टस पर लोग काम कर रहे है जबकि एक पोस्ट वहां अभी खाली है लेकिन इसका भी हमने समाधान निकाल रखा है। वहां पर यमुनानगर से एक डॉक्टर भेजा जाता है फिर भी सरकार वहां की एक पोस्ट को यथा ाीघ्र भर देगी। तीसरा जो इनका प्र न यूरोपियन कमी ान के बारे में है। मैं सम्मानित सदस्य को बताना चाहूगा कि मेरी तरह से इनको भी इस बारे ज्ञान होना चाहिए क्योकि ये भी उस यूरोपियन कमी ान सोसायटी के सम्मानित सदस्य है और हर मीटिंग में ये भी वहां पर विराजमान रहते है इसलिए जैसा ये चाहेगे उसी हिसाब से काम होगें। इस सोसायटी में जिला परिशद् के सदस्य, जिला पंचायत के सदस्य, नगर परिशद् के सदस्य और ब्लाक समिती के चेयरमैन सब को सम्मिलित करके सबसे विचार करके काम किया जाता है। इसके अलावा भाहर के जो बुद्धिजीवी वर्ग के लोग है उनको भी इस सोसायटी में भाामिल किया गया है जबभी इस सोसायटी की मीटिंग हो तो माननीय सदस्य उस मीटिंग के बारे में जानकारी ले और उसमें अपने विचार रखे । इनको ज्ञान

देने का और ज्ञान देने का अधिकार है इसलिए वहां पर जैसे कामो की जरूरत है ये वैसा ही काम करवाएं।

श्री सूरजमल : स्पीकर साहब, हमारे मुरथल गांव के अंदर एक बीस बेडज का अस्पताल चौधरी देवीला जी के वक्त में मंजूर हुआथा और हमारी पंचायत ने भी 70 हजार रूपये इसके लिए भर दिए थे। जब मुख्य मंत्री जी वहां गए थे तो इन्होंने भी इसके लिए इजाजत दे दी थी। पंचायत ने जमीन के बारे में रैजोल्यू ान बगैरा पास करके दे दिया था। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या इसको 20 बैडल का अस्पताल बनाने का विचार है और अगर है तो यह कब तक इसके काम पूरा है जाएगा ?

डॉ. एम.एल.रंगा : स्पीकर सर, वैसे तो यह प्र न अम्बाला छावनी के अस्पताल के बारे में चल रहा था लेकिन मुरथल भी जी.टी. रोड पर है इसलिए मैं सम्मानित सदस्श को बताना चाहूॅगा कि पिछली बार विधान सभा में भी यह बात आयी थी हमने इसका ऐस्टीमेट बनवा लिया था, डिजाइन बगैरा बनाने का काम चल रहा है और मैं चाहूॅगा कि जब चौधरी देवी लाल जी ने उसका ि ालान्यास किया हूआ है तो उसको हम यथा ीघ्र पूरा करवाने की कोि ा ा करेंगे।

श्री रमें ा राणा : आदरणीय अध्यक्ष महोदय,मै आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना वाहता हूं कि घरौण्डा जी.टी. रोड

पर स्थित है और वहां पर एक अस्पताल की जरूरत को समझते हूए 1991 में जब चौधरी भजन लाल जी की सरकार आई थी उस वक्त वहां पर चारदीवारी गई थी। तत्कालीन मंत्री कंबर राम परल सिंह चौधरी भजन लाल जी को नेकर वहां आए थे और वहां नींव पत्थर रखा गया था। वह नीव पत्थर 10–11 साल से वहां मौजूद है लेकिन आज तक वहां पर एक भी कमरे का निर्माण नहीं किया गया है। अभंी पिछले दिनों आदरणीय मुंख्यमंत्री जी ने घरौण्डामें 'सरकार आपके द्वार' कार्यकम रखा था, उस कार्यकम में 30बिस्तरों का अस्पतपल वहो पर मंजूर किया था। मैं पूछना चाहॅूगा कि कब तक इस का काम भाुरू किया जाएगा और कब तक इस काम को पूरा करने की सरकार की योजना है ?

डॉ. एम.एल.रंगा : अध्यक्ष महोदय, मै माननीय सदस्य को बताना चाहॅूगा कि 1995–1996 और 1997 या इससे पहले जो भी ि ानान्यास किए गए थे उस समयश के 33 भवन हमारी सरेार ने पूरे करवाएं हैं। इसके अलावा 3 बड़े अस्पताल, 4 सी.एच.सी. और 9 पी.एच.सीज. का निर्माण कार्य जारी है क्योंकि मुंख्यमंत्री जी घरौण्डा में हां भर चुके थे और वहां पर 31 कनाल, 11 मरले भूमि 1995 में सरकार को दी हूई है। 1995, 1996, 1997 एवं1998 के चार साल तक के समय में न नक ो परस हूए न ऐस्टीमेट्स पास हूए । सन् 2000 में हमारी सरकार ने आते ही ऐस्टीमेट्स बनाकर डिजाइन बनवाए। जनसरी 2001में। करोड़ 15 लाख रूपये के ऐस्टीमेट्स आकर मंतूरी के लिए गए हूए हैं जब मंजूर होकर आ

जाएंगे जाक इनका निर्माण कार्य भाुरू कर दिया जाएगा। फिलहाल वहां पर पी.एच.सी. काम कर रही है, पूरा स्टाफ है और काम बिल्कुल ठीक ठाक चल रहा है।

श्री जसबीर मलौर : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि मेरे हल्के में चौड़मस्तपुर में काफी पुरानी सी.एच.सी. बनी हूई है और बरसात के दिनों में जब ज्यादा बरसात हो जाती है तो 2–2 फुट पानी वहां खड़ा हो जाता है और वहां पर फ्लड जैसी स्थिति हो जाती है। बरसात के सीजन में दो महीने तक यह सी.एच. लगभग बंद रहती है और जो डॉक्टर कालोनी में रहते है उनको भी पानी भरा होने की वजह से काफी दिक्कन होती है। क्या मंत्री जी डिपार्टमैंट की तरफ से वहां पर मिट्टी डलवाने की कोई व्यवस्था करेंगे ताकि वहां पानी खड़ा न हो। वैसे मेरे हल्के में माजरी गांव में अभी मुख्य मंत्री जी व मंत्री जी 67 लाख रूपये की लागत से बनने वाली पी.एच.सी. का ि ालान्यास करके आए थे। मेरा अनुरोध है कि सी.एच.सी. चौड़मस्तपुर में मिट्टी डलवानं की कोई व्यवस्था करें।

डॉ एम.एल.रंगा : अध्यक्ष महोदय, मैं माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूँ कि चौड़मस्तपुर प्राकामिक स्वास्थ्य केन्द्र में मैं स्वयं गया था वह वास्तव में काफी नीचे बनी हूई है और वहां बरसात के दिनो में पानी खड़ा हो जाता है। इस बारे में पंचायत से बात हुई थी और कहा था कि मिट्टी पंचायत डलवा दे

और उस पर जो फ र्ा वगैरह बनवाना होगा वह हम बनवा देंगे। पंचायत इस पर विचार कर रही हैं उसके बाद फ र्ा का काम हम विभाग के द्वारा करवा देंगे इसके अलावा वहां पर रिपेयर का भी मुछ काम था असके लिए हमने सिविल सर्जन को कहां है कि प्रस्ताव भेज दें, पैसा हम मंजूर कर देंगे।

श्री रामबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूॅ कि गुड़गांव एक महानगर है और आए दिनों वहां आगजनी की घटनाएं होती रहती हैं इसके लिए वहां जनरल होस्पीटल में कब तक आई.सी.यू और बर्न्ट वार्ड की व्यवस्था हो जाएगी।

डॉ. एम.एल. रंगाः अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार का होई प्रस्ताव अभी सरकार के पास नहीं आया है। मैं सम्मानित सदस्य को बताना चाहूॅगा कि वे अस बारे में लिखकर दे दें ताकि इस पर विचार किया जा सके और आगे आने वाले समय में इस बाने प्रयास किया जा सके।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से तानननीय मंत्री से जानना चाहता हूॅ कि मैंने बिल्डिंग की मास्टर प्लान वाली बात कही थी मैंने बिल्डिंग बनाने की बात नहीं कही थी। मेरा क्वै ाचन यह था कि जो 'सरकार आपके द्वार' कार्यकम के तहत अम्बाला सदर में तोपखाना बाजार में एक डिस्पैंसरी बनाने के बारे में माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने आ वासन दिया

था और जो 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत घोशणाएं की जाती हैं वे पूरी की जाती है। इसलिए इसमें कोई संदेह नहीं कि वहां पर डिस्पैंसरी तो बनेगी। मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूॅ कि क्या वे विभाग को आदे ा देकर इस काम को एक्सपेडाइट करवायेंगे क्योंकि वहां कन्टोमैंट एरिया है इसलिए डिस्पैंसरी की बड़ी असव यकता है।

श्री अध्यक्ष : विज साहब आप बैठिये।

डॉ.एम.एल.रंगा : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो बिल्डिंग की मास्टर प्लान की बात की है वे मुझे बता दें ताकि उस पर विचार किया जा सके। दूसरा जैसा कि माननीय सदस्य ने 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम का जिक्र किया है। अध्यक्ष महोदय,'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम में माननीय मुख्य मंत्री द्वारा जो घोशणायें की जाती है वे हमारे पास आती है उसके बाद उनके नॉर्म्ज को देखा जाता है और जो भी घोशणा नॉर्म्ज पूरे करती है उस पर जल्दी कार्यवाही भाुरू हो जाती है। सम्मानित सदस्य उस घोशणा के बारे में हमें बता दें हम उसको दिखवा लेंगे और अगर नौर्म्ज पूरे करती होगी तो उस पर जल्दी कार्यवाही की जायेगी।

चौ. नफे सिंह राठी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहता हूॅ कि कौनासी गाांव की सी.एच.सी. की बिल्डिंग बनकर तैयार हो गई है लेकिन अभी

तक वहां पर स्टाफ नही बैठता है कृपया मंत्री जी बतायें कि वहां पर स्टाफ कब से बैठना भाुरू करेगा। अध्यक्ष महोदय, पल्स पोलियो अभियानके दौरान माननीय मंत्री जी बहादूरगढ़ गये थे तब भी मैंने इनको सिविल होस्पिटल बहादूरगढ़ की एक 50–60गज की लम्बी दीवार दिखाई थी जोकि बननी बाकी है उसको मंत्री जी कब तक बनवा देंगे ताकि होस्पिटल में प ाु वगैरा न घुस सकें।

डॉ. एम.एल.रंगा : अध्यक्ष महोदय, सिविल होस्पिटल बहादूरगढ़ की दीवार बनाने के बारे में एस्टिमेट हमारे पास आ चुका है और इस बार मरम्मत के काम के लिए हमने स्वास्थ्य विाग के बजट में साढ़े पांच करोड़ रूपयों का प्रावधान किया हुआ है उसकेतहत इस दीवार को बनवा दिया जायेगा। दूसरे जो सी.एच.सी.की बात माननीय सदस्य ने की है उसके बरे में ये मेरे से अलग से बात कर लें, उसको देखकर उस बारे में क्या किया जा सकता है इनको बता दिया जायेगा।

Construction of Roads

851. Shri Sher Singh : Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the folowing roads in Julana constituency :-

(1) Igrah to Vuradehr via Buana;

(2) Kharianty to Buana; and

(b) of so, the time by which the said roads are likely to be constructed ?

मुंख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) :

(क) (1) हां, श्रीमान जी।

(क) (11) नहीं, श्रीमान् जी।

(ख) इस सढ़क के पूर्ण होने का समय नहीं बतसया जा सकता क्योकि यह एक दोहरी लिंक है था वरीयता मूं नीचे है।

आई.जी. (रिटायर्ड) श्री भोर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि मेरे हल्केजुलाना में मण्डी है उस मण्डी को रोहतक रोड़ से एक सड़क आती है। वहां पर पहले कमेटी होती थी तब तो यह सड़क बनी हूई थी। अध्यक्ष महोदय, यह सड़क लगभग 500 गज की है। आज इस सड़क की खस्ता हालत हैऔर जब वहां पर बारि ा आती है तो लोगों को मण्डी में और बाजार में आने के लिए बड़ी दिक्कत पे ा आती है। क्या सरकार इस 500 गज की सड़क को बनवाने का कार्य करेगी। क्योंकि अच्छा नहीं लगता कि 500 गज के टुकड़े के कारण लोगो को बाजार में आने के लिए तकलीफ हों। मेरा आपके माध्यम से मंत्री जी से निवेदन है कि इस सड़क को जल्दी बनाया जाये।

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा) : स्पीकर सर, जिस प्रकार से माननीय सदस्य भोंर सिंह जी ने केवल 500

गज की सड़क जी बात की है यह ज्याया लम्बी सड़क की बात नहीं है इसको हम लोगों की सूकवधा के लिए जल्दी बनवाने का कार्य करेंगे। इसी प्रकार स्पीकर सर, माननीय सदस्य ने लिखित प्र न में जिस सड़क की बात इन्होंने कही है वह 9.88 किलोमीटर की है उस पर 14.48 लाख रूपये का कार्य को चुका है और उस पर 90लाख रूपये और चाहिंए। इसी प्रकार एक और सड़क 4.65 किलोमीटी की है स्पीकर सर, यह ठीक है इन दोनों सड़कों को तो जब धन उपलब्ध होगा तभी बनाया जायेगा परन्तु 500 गज वाली सड़क को प्राथमिकता के आधार पर बनाया जायेगा। स्पीकर सर, इतना ही नहीं माननीय सदस्य अच्छे ओहदे पर रहे है मेरी इनसे बात भी हुई है और 3 नई सड़के मार्किटिंग बोर्ड इनके क्षेत्र में बना रहा है। भोरसिंह जी बहुत अच्छे आदमी हैं, बैठे–बैठे हां भी भर रहे है कि विकास के कार्य वास्तव में हो रहे है। मैंजो ऐसे सीनियर मैम्बर को यह कहूंगा किव यह भी मानें कि आपके क्षेत्र में और भी बहुत काम पी.डब्ल्यू.डी. की तरफ से हुए हैं और इसी प्रकार से जहां सड़को को बनाने के काम किए गए हैं वहीं उनकी रिपेयर के भी बहुत काम किए गए है, उनको चौड़ा और मजबूत बनाने और उनके रख रखाव के भी काम किए गए हैं। इसी प्रकार से वर्श 2001–2002 में इनके क्षेंत्र में 2 करोड़ 4 लाख रूपये खर्च किए गए हैं। बरवाला जींद रोड पर भी काम किया गया है। अध्यक्ष महोदय, मेरे पास हरियाणा में हूए विकासों से सम्बन्धित किताब है इसके लिए आत मैं आदरणीय चौणरी ओम प्रका ा चौटाला को बधाई दंना चाहूॅगा, इनके साथ ही मैं कृशि मंत्री

जसविन्द्र सिंह सन्धू और मार्किटिंग बोर्ड के चेयरमैन श्री बलवन्त हसंह मायना को भी बधाई देना चाहता हूॅ जिन्होंने कि आज इतने विकास के काम करवाकर इस किताब को बनवाया हैं। ये किसी भी क्षेत्र के बरे में पूछेंगे तो मैं इनको इस बुक में से पढ़कर बताऊंगा।(ाोर एवं व्यवधान) अगर ये हरियाणा के विकास की किताब को गौर से पढ़ेंगे तो इनको विकास के कार्य होते हुए दिखाई देंगे।

केप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय,रिवाड़ी जिले में कोई सड़क नहीं बनाई गई है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : केप्टन साहब, जो पिछड़े हूए क्षेत्र होते है वहां विकास के ज्याउा कार्य होते हैं चाहे तो आप भजन लाल जी से पूछ लें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री कृश्ण लाल : अध्यक्ष महोदय,मैं आपके माध्यम से सी. पी.एस. से कहना चाहूॅगा कि मेरा सवाल पर्टीमुलर जुलाना विधानसभा क्षेत्र से सम्बन्धित नहीं है बल्कि मैं चाहूगा कि वे अन्य विधानसभा क्षेत्रों के बारे मे भी1999 से अपटू डेट जो नई सड़के बनाई गई हैं या सड़को की रिपेयर की गई है उनका पूरा ब्यौरा दें। वि ोशकर आमदपुर विधानसभा क्षेत्र, रोहतक में किलोई, किसार में बरवाला और रिवाड़ी, कालका और यमुनानगर में कितनी नई सड़के बनाई गई हैं और कितनी सड़को की रिपेयर की गई है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री राम परल माजरा : अध्यक्ष महोदय, मेरे साथी ने बहुत ही अच्छा सवाल किया है। मेरे साथी केप्टन अजय सिंह यादव, जय प्रका ा बरवरला और कृश्ण परल जी, जो इस समय बैठे नहीं हैं, चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी में छात्र रहे हैं, हमारी आपस में अंडरस्टैण्डिग है, ये जानबूझकर मुझे टोकते है। मै इनको बताना चाहूॅगा कि सड़को की रिपेयर के बहुत ज्याउा काम किए गए हैं। रिवाड़ी में 10 करोड़ रूपये के सड़कोकी रिपेयर के काम किए गये है।

केप्टन अजय सिंह यादव :********

श्री अध्यक्ष :कैप्टन साहब जो रहे है वह रिकॉर्ड न किया जाएफ बेवजह बोलने वाले का कोई रिकॉर्ड न किया जाए।(ाोर एवं व्यवधान)

श्री राम परल माजरा : अध्यक्ष महोदय, आदमपुर में 22 किलोमीटर की सड़क बनाई गई है।(ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, रिवाड़ी में 10 करोड़ रूपये की नागत से सड़को की रिपेयर की गईहै।(ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : Please sit down,जय प्रका ा जी प्लाज आप बैठ जायें। (ाोर एवं व्यवधान)

केप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, आप जिस चेयर पर बैठें हैं यह बड़ी पाक चेयर है। आपको ऐसे नहीं करना

चाहिए किहम जो मुछ कहें वह रिकॉर्ड न किया जाये और सता पक्ष के भाई कुछ भी कहते रहें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मिनिस्टर अपनी रिप्लाई दे रहे हैं प्लीज आप बैठ जायें और रिप्लाई ध्यान से सुनें।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, आदमपुर में 22.83 कि.मी. नई सड़के बनवाई गई हैं और बरवाला में 35 कि.मी. नई सड़के 2.65 करोड़ रूपये की लागत से बनवाई गई हैं।(ाोर एवं व्यवधान)

चौ. जय पका ा : स्पीकर सर, **********

श्री अध्यक्ष : जय प्रका ा जी जो कुछ कह रहे हैं वह रिकॉर्ड न किया जाये।

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, बेरी में12.70कि.मी. नई सड़के बनाई गई हैं।(ाोर एवं व्यवधान)किलोई में 43 कि.मी. नई सड़के बनाई गईहैंजिन पर 2.47 करोड़ रूपये खर्च हुए है। पलवल में 30 कि.मी. की सड़के 1.44 करोड़ रूपये की लागत से बनवाई हैं।(ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब प्लाज बाप बैठें। मंत्री जी रिप्लाई दे रहे हैं उसके बाद आप अपनी बात कहना।

श्री रामपरल माजरा : स्पीकर सर, इसी ताह से तो ाम में 17 कि.मी. की सड़के एक करोड़ रूपये की लागत से बनवाई गई हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, माजरा साहब सारी लिस्ट पढ़कर क्यों सुना रहे हैं ?

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, मै लिस्ट नहीं पढ़ रहा बल्कि जो प्र न पूछा गया है उसी के बारे में बता रहा हूै।(ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : जय प्रका ा जी, प्लीज आप बैठें।

डॉ.बि ान लाल सैनी : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि आपको मालूम है कि आज के दिन हरियाणा प्रदे ा में हर गांव को किसी न किसी सड़क से नहीं जोड़ा गया है। माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने 'सरकार आपके द्वार' के दूसरे फेस के तहत इस सड़क को बनाने की मंजूरी दी थी लेकिन अब सरकार ने एक भार्त यह लगा दी है कि जहां पर रोड बनना है गांव वाले वहां मिट्टी डाल दें और उसको पक्का सरकार करवा देगी। इस बारे में मैं कहना चाहूॅगा कि उस गांव में 100 के करीब घर हैं और सभी हरिजन मजदूर हैं। वे लोग मिट्टी डलवाने की हालत में नहीं हैं इस बारे में मैं सी.पी.सी. साहब से जानना चाहूॅगा कि क्या उस गांव में मिट्टी डलवाने और उस पर सड़क बनाने का काम सरकार करवायेगी ?

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, लोगों की जरूरत को देखते हुए 'सरकार आपके द्वार'के दूसरे फेस में यह प्रावधान किया गया था कि बैनीफियरिज अगर मिट्टी डाल देंगे तो उस सड़क को पक्का करने को सरकार प्राथमिकता देगी। मै मेरे माननीय साथी को बताना चाहूॅगा कि स्व–रोजगार योतना के तहत ज्यों ही पैसा आयंगा हम जहां भी इस तरह की सड़क नहीं होगी वहां मिट्टीभी पंचायती राज डिपार्टमैंट से डलवायेंगे और सड़क पक्की करवायेंगे ।

श्री रमे ा कुमार खटक : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सी.पी.एस. साहब से जानना चाहूॅगा कि पहले मार्किटिंग बोर्ड से बनवानी मंजूर की थी लेकिन मंख्य मंत्री जी ने जब दोबारा दरबार लगाया तो इस सड़क को बतायेंगे कि यह सड़क कब तक बना दी जायेगी ?

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय,इस बरे मे ंमेरे माननीय साथी अलग से नोटिस दे दें, इनको बता दिया जायेगा।

श्री धर्मबीर सिंह : स्पीकर सर, नाबार्ड, हुडको और कई तगहों से लोन लेकर के सड़को का काम चल रहा है इसमें कोई दो राय नहीं है। मै मंत्री जी की जानकारी के लिए बताना चाहूॅगा कि भिवानी से चण्डीगढ़ आते वक्त रास्ते में भिवान से जींद का रास्ता बहुत ही खराब हैं। यह 65 किलोमीटर का फांसला है और इस फांसले को सड़क खराब होने की वजह से अढ़ाई घण्टे से

पहले तय नहीं किया जा सकता। मैं मंत्री जी से जानना चाहूॅगा कि भिवान से जींद तक जो सड़क आमी है असको कब तक, ठीक करवा किया जायेगा। इसी प्रकार से तो ाम से भिवानी तक की जो सड़क है वह भी बहुत ही खराब है। इस सड़क से गाड़ी द्वारा एक किलोमीटर का फांसला भी तय नहीं किया जा सकता। मैं बताना चाहूॅगा कि इस सड़क की इतनी बुरी हालत है कि इस पर पैदल चलना भी मु कल है। इसी प्रकार से एक सड़क सुंगरपुर से देवराला है वह भी बहुत खराब है। स्पीकर साहब, मैं बापके माध्यम से जानना चाहता हूॅ कि इन सड़को कब क बना दिया जायेगा ?

श्री राम पाल माजरा : सर, भिवानी से जींद वानी जो सड़क भाई धर्मवीर जी बता रहे हैं, इसको हमने वर्श 2002–03 के कार्यक्रम में लिया हुआ है। इस सड़क पर 1 करोड़ 90 लाख रूपये खर्च होंगे। मै माननीय साथी को बताना चाहूॅगा कि इसको 2003 तक ठीक कर दिा जायेगा। यह इनकी बात ठीक है कि भिवानी से जींद तक तो आने में वाकई दिक्कत है लेकिन जींद से चण्छीगढ़ आने में कोई दिक्कत नहींहै, असके लिएतो अनको सरकार का धन्यवाद करना चाहिए।(विध्न)

श्री भगवान सहाय रावत : माननीय अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि मार्किटिंग बोर्ड और पी.डब्ल्यू.डी. अर्थात् दोनों द्वारा सड़के बनायीजा रही हैं इसके निए सरकार बधाई की पात्रहैं मै सी.पी.एस. साहब की जानकारी के लिए बताना चाहूॅगा किपहले

जब चौधरी देवी लाल जी की सरकार 1987–91 के दौरान थी उस वक्त मेरे हल्के के अन्दर नांगल जाट से अन्धोप और बहिन से सेवली, सेवली जो मेरा अपना पैतृक गांव भीहै, तक वहां पर उस वक्त कार्किटिंग बोर्ड द्वारा 2 सड़के बनाई गई थी। इन सड़कोको बने हूए आज 12 वर्श हो चूके है। इन 12 वर्शो के दौरान इन दोनो सड़को की ाभी मरम्मत नहीं हुई है। मैं आपके माध्यम से सी.पी.एस.साहब से जानना चाहता हूॅ कि क्या वे सड़को की मरम्मत करवायेंगे ?

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, जब प्रदे ा की सता चौधरी बोम प्रका ा चौटाला जी ने संभाली थी उस वक्त तक सड़को का ताना–बाना लगभग पूरी तरह से टूट चुका था। मैं अपने ऑनरेबल साथियों को जो यहां पर बैठे हुए है, ाी जानकारी के लिए बताना चाहूॅगा कि मौजदा सरकार ने सता में आने के बाद नयी सड़के भी बनवाई हैं और पुरानी सड़को की रिपेयर आदि भी की गई है। इस बात को हमारे कई साथियों ने भी जिनमें भाई जगबीर सिंह जी, भाई भोर सिंह जी व धर्मपाल जी आदि ने भी माना है कि सड़को पर काम हूआ है कुछ लोगों ने तो सरकार की मुखालफत करने वास्ते केवल मुखालफत ही करनी है चाहू काम हूए हो या नहीं हूए हों केवल मुखालफत ही करनी है। स्पीकर साहब, हमारी सरकार ने सभी सड़को की रिपेयर का ाड्यूल बनाया हुआ है। मैं तो चाहता हूॅ कि सारा सदन सरंकार को बधाई दे कि सड़कों की रिपेयर के लिए हमारी स्पीड यूं की यूं

बनी रहें। अध्यक्ष महोदय,एग्रीकल्चर मिनिस्टर भाई जसविन्द्र सिंह संधु जी बैठे हैं, इन्होंने कार्किटिंग बोर्ड के माध्यम से न जाने कितनी सड़कों को रिपेयर करवाया है और न जरने कितनी नयी बनायी गई है। (विध्न) बाप लोग कह ही नहीं रहे कि सड़कों का काम हुआ है।(विध्न) कैप्टन साहब भी मेरी तरफ घूर–घूर कर देख रहे हैं। जो सच्चाई है उसको आपको मानना चाहिए।(विध्न)जब दूसरे साथी मान रहें है तो आपको भी मानने में क्या दिक्कत हैं। भगवान सहाय रावत जी ने पूछा है कि जो सड़क इनकी मार्किटिंग बोर्ड द्वारा बनायी गई थी उसको रिपेयर करवाा जायेगाया नहीं तो मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूॅगा कि ये दो सड़को की एक दो किलोमीटर की रिपेयर की बात कर रहे हैं, हम तो सारे हरियाणा की सड़को को रिपेयर कर रहे हैं तो फिर यह एक–दो किलोमीटर सड़क की तो बात ही क्या है।

श्री देवराज दीवान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सी.पी.एस. साहब से जानना चहता हूॅ कि मेरे जिला सोनीपत में और सोनीपत भाहर में मार्किटिग बोर्ड द्वारा कितनी सड़कें बनाई गई है।

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, इतनी लम्बी चौड़ी लिस्ट है इसमे से ढूंढ़ने मे समय तो लगता ही है अन्हें थोड़ा इत्मीनान और सब्र तो रखना चाहिए (विध्न) स्पीकर सर, अगर ये कहेंगे तो मैं इनके यहां पर जो–2 काम हूए हैं उनके बारे मे भी सारी बात खोल कर बता दूंगा (विध्न) पिछली सरकार के टाइम

की जौ सड़के टूटी हुई थी वे भी सारी इनको भूल गई हैं इनके वक्त कोई सड़क तो बनी ही नहीं थी और सारे हरियाणा को यह मार कर गए थे।(विध्न)

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब और जय प्रका ा जी, आप बीच में अस प्रकार से न बोलें, आप बैठे–बैठे बीच में बोल'रहें हैं यह ठीक नहीं है। आप इस प्रकार से रनिंग कमैंट्री न करें।(विध्न)मैं कल से आप लोगों के लिए पान का प्रबन्ध कर दूंगा(हॅसी) मंत्री जी, दीवान साहब के सवाल का जवाब दें।

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, बरोदा की 3 सड़के रिपेयर की गई हैं। इसी प्रकार से गोहाना की 6 सड़के, कैलाना की 14 सड़कें, राई की 14 सड़कें और रोहट की 5 सड़कें रिपेयर की गई हैं। अध्यक्ष महोदय, यह मैं सोनीपत जिले की सड़को की रिपेयर की बात बता रहां था और जो सड़के मार्किटिंग बोर्ड बनाता है उनमें भाहन की सड़कें नहीं आती हैं।

श्री देवराज दीवान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सी.पी.एस. महोदय से यह जानना चाहूॅगा कि जो गांवों वाले लोग भाहरों में आएंगे वेकहां से आएंगे (विध्न)

श्री राम पाल माजरा : स्पीकर सर, माननीय सदस्य जो सोनीपत की अन्य सड़कों के बारेमें बात कर रहे हैं बरोदा की 3 सड़कें, गोहाना की 6 सड़कें, हसनमुर की 2 सड़कें,कैलानाकी 14 सड़कें, महम की एक सड़क, राई की 14 सड़कें और रोहट की 4

सड़कें सोनीपत की 9 किलोमीटर की सड़कें हैं जिन पर 74 लसख रूपयें की रा ि ा खर्च की गई है।

Girls College,Hisar

875. Sh. Puran Singh Dabra : Will the Minister of State for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open a Government Girls College at Hisar, if so, the timr by which it is likely to be opened ?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चौ. बहादुर सिंह) : हॉ, श्रीमान् जी। भवन का निर्माण होते ही महाविद्यालय में ि ाक्षण कार्य आरमी हो जायेंगा।

श्री पूर्ण सिंह डाबड़ा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय ि ाक्षा मंत्री महोदय से यह ानना चाहता हूॅ कि इस महाविद्यालय की बिल्डिंग कब तक बन जाएगी क्या इसके लिए कोई टाइम लिमिट रखी गई है कि इसमें क्लासें कब तक चालू कर दी जाएंगी ?

चौ.बहादुर सिंह : अध्यक्ष महोदय,किसार में राजकीय कन्या महाविद्यालय खोलने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है। राजकीय महाविद्यालय, हिसार में पढ़ने वाले छात्रों की मंल संख्या 2824 है जिसमें से 1201 लड़कियां ह छात्रों की इतनी बड़ी संख्या

को ध्यान में रखते हुए हिसार में कन्या महा विद्यालय खोलने का निर्णय लिया गया है जिसके लिए 1996 में प ाुपालन विभाग द्वारा 29 एकड़,7 कनाल, 15 मरले भूमि ि ाक्षा विभाग को स्ाानान्तरित कर दी गई हैं। इस कन्या महाविद्यालय का ि ालान्यास भी किया जा चुका है। भवन निर्माण उपायूक्त, हिसार द्वारा इस बारे गठित कमेटी द्वारा किया जाना हैं। राजकीय मन्या महाविद्यालय,हिसार के भवन के 3 विंगज के लिए भवन योजना उप वास्नुकार हरियाणा द्वारा तैयार किए गए हैं क्योंकि भवन निर्माण के लिए सरकार की काफी ज्यादा धनराि ा खर्च होगी इसलिए केवल एक कवंग के निर्माण विभाग द्वारा दो करोड़, 47लाख,48 हजार रूपये का अनुमान दिया गया है। अध्यक्ष महोदय उपायुक्त हिसार ने यह भी सूचित किया है कि राजकीय कन्या महाविद्यालय,हिसार के एक विंग के लिए जनता द्वारा 52 लाख रूपये की राि ा एकत्रित की गई है और निर्माण कार्य आरम्भ करने के निए सरकार से 105 लाख रूपये की राि निर्धारित करवाई जा रही है। भवन का निर्माण कार्य पूर्ण होते ही राजकीय कन्या महाविद्यालय में ि ाक्षण कार्य आरम्भ हो जाएगा।

श्री पूर्ण सिंह डाबड़ा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह तानना चाहूॅगा कि कया इन्होंने इसके निए कोईसमय नि ि चत किया है, इस बारे में मंत्री जी ने जवाब में नहीं बतया है।

चौ.बहादुर सिंह : समय तो यही नि चत है कि बिल्डिंग जैसे ही पूरी हो जाएगी उसी दिन कन्या महाविद्यालय चालू हो जाएगा।

राव इन्द्रजीत सिंह : श्री पूर्ण सिंह डाबड़ा : स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी ने प्र न संख्या 875 के जवाब में हिसार के अदर कॉलेज खोलों की मं ाा जारि की हैं। इस बारे में इन्होंने कहा है कि जब बिल्डिंग बन जरएगी उस दिन से कॉलेज भाुरू हो जाएगा। मै मंत्री जी से जानना चाहूँगा कि जहां पर बिल्डिंग अभी नहीं बनी है वहां पर तो ये कॉलेज भाुरू करने की मं ाजारि कर रहे हैं लेकिन कनीना के अंदर गांव वालों ने पने पैसे खर्च करके 18–20 कमरे बनादिए हैं तो क्या ये वहां पर कॉलेज भाुरू करने के निए एन.ओ.सीग देने का कश्ट करेंगे ?

चौ.बहादुर सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार की और हमारी सभी की यही मं ाा है कि लड़कियों की ि ाक्षा की तरफ खास ध्यान दिया जाए और हिसार के अन्दर लड़कियों का कॉलेज खोलने की बात है। (ाोर एवं व्यवधान)हिसार के अन्दर 1200 लड़कियां है जोकि महाविद्यालय के अन्दर पढ़ रही हैं उनका अलग कॉलेज खोलना बहुत जरूरी है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक कनीना की बात है, तो वहां से हमारे परस कोई प्रस्ताव नहीं आया हैं। अगर वहां से कोई प्रस्ताव आएगा तो उस बारे में भी एग्जामिन करके विचार कर लिया जाएगा।

Construction of Roads

1003. Shri Daryao Singh Rajoura : Will the Minister of State for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the roads from Jhajjar to Gudyani and from Bus Stand,Kulana to Lohari in District Jhajjar ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) : श्री मान् जी,झत्तर से गुडयानी तथा बस–अड्डा कुलाना से लोहारी पक्की सड़कें पहले ही निर्मित है।

श्री दरियाव सिंह राजौरा : अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मंत्री जी से कहना चाहूँगा कि जिन सड़कों का मैने जिक्र किया है ये चौधरी देवी लालन जी के समय की बनी हूई है और उनके बाद चौधरी भजन लाल जी और चौधरी बंसी लाल जी की सरकार आई थी। उनके वक्त में उस सड़क पर रिपेयर का कोई काम नहीं करवाया गया था। आज वह सड़क खंडहर हो गई हैं। यह जो सड़कें बनाने के लिए केन्द्र की स्कीम आई है मया उसके तहत उस सड़क को रिपेयर करवा दिया जाएगा।

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा) : अध्यक्ष महोदय, वास्तव में ही उन सड़कों की रिपेयर नहीं करवाई गई थी और वह खंडहर बन चुकी है। इनको बताना चाहूँगा कि जिन सड़को के बारे में इन्होंने कहा है केन्द्रीय सड़क कोर्स की स्कीम

के तहत दोनों सड़कों की मरम्मत करवाने का प्रस्ताव है और दोनों की रिपेयर करवा दी जाएगी।

श्री राजे ा सिंह बिसला : अध्यक्ष महोदय, इस सरेार के आने के बाद यह बात ठीक है हरियाणा में सड़कों के निर्माण और रखरखाव के कार्य को प्राथमिकता दी गई है। इसके लिए नि चत रूप से यह सरकार बधाई की पात्र है। लेकिन मैं दापके माध्यम से माजरा साहब का ओर सारे सदन का ध्यान आकर्शित करना चाहूॅगा कि हिन्दुस्तान में हरियाणा प्रदे ा ही एक ऐसा प्रथम प्रदें ा है जहां पर हर भाहर आ।र हर गांव एक लम्बी चौड़ी सड़कों के जाल से जुड़ा हुआ है। मंत्री जी, आज सड़कों को बनो के निए जो लेटस्ट टैक्नोलोजी है क्या उस टेकनोलोजी को सड़क के निर्माण करने में आडप्ट किया गया है। पिछली सरकारों के वक्त मेरी बल्लबगढ़ कांस्टीचुएंस में ही बना है। उसको बनाने के लिए जो म ाीनरी आती थी वह 20—20,25—25 पहयों वाले बहुत लम्बे चौड़े ट्रालों से आती थी। इसके अलावा मोहना जो यमुना का ब्रिज बनाया जा रहा है। वहां पर जो पुरानी सड़कें है उनकी चौड़ाई कम है और जो वहांपर सड़क बनाने के निए मैटीरियल डालते है वह कम डाला जाता है। मैं माजरा साहब से वि ोश आग्रह करना चाहूॅगा कि क्या मेरे क्षेत्र की सभी सड़कोंकी आज जो लेटस्ट पोजी ान है वह मंगवाकर स्पे ाली रिपेयर करवाएंगे। इसके अलावा हाई—वे पर जो मैठीरियल डाला जाता है उसकी लेयर पतली डलती हैं और जब वहां पर भारी वाहन आने

जाते है जो वह सड़क जल्दी टूअ जाती है अब जैसे चंदावली से मुखायपुर मजेंड़ी जाएं तो वह जो भी वाहन वहां पर 5 किलोमीटर की स्पीड से भीनहीं चल पाता है। क्या मंत्री जी आश्वासन देंगे कि अति ाीघ्र वहो पर भी बढ़िया मैटीरियल का प्रयोग करके सड़क बनवाएंगे।

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि इन्होंने कहा है कि क्या सड़कों को बनाते वक्त माडर्न टैक्नोलोजी आडप्ट की गई है। स्पीकर सर, यह ठीक है कि सड़क बनाने के लिए बैन्स्टी आफ वहीकल्ज देखी जाती है। नै ानल हाई–वे, स्टेट हाई–वे और जो भी ऊूसाी सड़कें होती है अनको अलग–अलग टैक्नोलोजी से बनाया जाता है। जहां पर ज्यादा व्हीकल्ज का आनाजाना है वहां पर सड़क अलग टैक्नोलोजी से बनाई जाती है। जहां पर नै ानल हाई–वे है, स्टेट हाई–वे है, डिस्ट्रिक्ट हाई–वे हैं और ऊूसरी सड़कें हैं उन सब को अलग–अलग टैक्नोलोजी से बनाया जाता है और जिस प्रकार इन्होंने स्पैसिफिक तरीके से कहा है कि यं सड़के बनायी गयी थी लंकिन फिर से वे टूट गयी। स्पीकर सर, इसके लिए हम नये सिरे से ऐग्जामिन करवा लेंगे और इस बात का ध्यान रखेंगे कि जहां–जहां पर ज्यादा व्हीकल्ज का आना जाना है वहां पर सड़कों को और मजबूत करें और हमने ऐसा किया भी है। बिसला जी इस बात के च मदीद गवाह भी है क्योंकि जितनी सड़कें इनके इलाके की रिपेयर की गयी है एवं बनायी गयी है वह भाायद एक रिकॉर्ड है। अगर मैं अनके बारे में

एक–एक करके बताऊॅगा तो यह कहेंगे कि मैंरे समय ले लिया, ठाइम खर्च कर दिया। यह ठीक नहीं रहेगा।(विध्न)

श्री मती सरिता नारायण : स्पीकर सर, मेरे हल्के के अंदर कुछ सड़कें मार्किट कमेटी बना रही है लेकिन वह आज भी अधूरी पड़ी हुई है उन पर कहीं पर तो केवल रोड़ी ही पड़ी है और कहीं पर केवल मिट्टी पड़ी है। मैं इस बारे में कई बार गुहार लगा चुकी हूॅ लेकिन फिर भी वे सारी सड़कें अधूरी है। मेरा इस बारे में एक क्वै चन भी था जो लगा नहीं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके से माननीय मंत्री जी से जानना चाहती हूॅ कि कलानौर से पिलानातक की जो सड़क टूटी हुई है वह कब तक बन जाएगी ? इसी प्रकार से कलानौर बस स्टैंड के पास वाली जो सड़क है वह बार–बार तारकोल से बनायी जाती हैलेकिन वह बार–बार ही टूट जाती है। इसलिए मैं माननीय मुख्य मंत्री महोदय से रिक्वैस्ट करना चाहूॅगी कि इस सड़क के वहां के थोड़े से टुकड़े को तारकोल के बजाए सीमेंट से बनवा दें। अगर ऐसा हो जाएगा तो यह सड़क टूटेगी नहीं। स्पीकर सर, यह मेरी उनसे पर्सनल रिक्सैस्ट है। इसी तरह से मार्किट कमंटी द्वारा बनने वाली सारी सड़के अधूरी हैं उनको भी बनवाया जाए।

श्री रामपाल माजरा : स्पीकर सर, बहन जी ने जो प्र न किया है और कहा है कि सड़कें अधूरी हैं यह ठीक है। हम बहुत–सी सड़क कई–कई किलोमीटर की बनाने जा रहे है इसलिए वे सारी सड़के एकदम से नहीं बनायी जा सकेंगी। हजारों

किलोमीटर की सड़कें बन रही हैं। पहले इन सड़कों पर मिट्टी डालते है। अगर एक रैनी सीजन इनके ऊपर से निकल जाए तो इनकी बेहतरीन माना जाता है उसके बाद मैटल वर्क होता है और उसके बाद पहली और दूसरी लेंयर पड़ती है इस तरह के एक सड़क के बनाने में एक या डेढ़ साल जरूर लग जाते है। स्पीकर सर, पहले फेज में जितनी भी सड़कें बनाने की धोशणा की गयी थी वह सब इस वित वर्श में पूरी कर ली जाएगी और उनको चमका दिया जाएगा। हम हरियाणा प्रदे ा की सड़कें इसी प्रकार से बनाते रहेंगे।

Repair of Roads

1056.Smt.Anita Yadav : Will the Chief Minister be pleased to state whether it is a fact that water is accumulated on the road from Kosli station to Dahina passing between Nahrugarh in Salhawas constituency; if so, the time by which the said road is likely to be re-constructed and repaired ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) : गांव नेहरूगढ़ में वर्शा के दौरान और वर्शा के बाद तथा साथ लगते मकानों के गंदे पानी के बहाव के कारण सढ़क पर पानी एकत्रित हो जाता है। इस सड़क के इस भाग की मरम्मत पहले ही प्रगति पर है। मरम्मत का कार्य 31–3–2003 तक पूर्ण होने की संभावना है।

श्री मती अनीता यादव : स्पीकर सर, मंत्री जी द्वारा हाउस को इस तरह से गुकराह करना अच्छी बात नहीं है। ******

श्री अध्यक्ष : इनकी यह झूठ बोलने वाली बात रिकॉर्ड न करें। अनीता जी, आप सवाल पूछेंगी या बैठना चाहेंगी। आप भाशण मत दें बल्किआप सवाल पूछें।

श्री मती अनीता यादव : स्पीकर सर, इन्होंने अपने रूल्ज बना लिए और अधिकारियों ने अपने रूल्ज बना लिए। होता यह है कि जब मुख्य मंत्री जी कही पर जाते है ो केवल वहां–वहां की सड़कों के गड्ढों को मिट्टी से भर दिया जाता है और आंखों में धूल झोंक दी जाती है।

श्री अध्यक्ष : आप सवाल पूछें।

श्री मती अनीता यादव : स्पीकर सर, जब मुख्य मंत्री जी को झड़ौदा साल्हावास रूट से जाना था तो अधिकारियों ने उनका वह रूट चेंज कर दिया और उनको वाया नादड़ निकालकर ले गए क्योंकि झड़ौदा–साल्हावास रूट की सड़क टूटी हुई थी। दूसरे रूट के भी गड्ढें मिट्टी से भर दिए गए। इस तरह से वहॉ पर अधिकारियों का यह हाल है औरयहां पर मंत्रियों का यह हाल है जोकि ठीक नहीं है।

श्री अध्यक्ष : अनीता जी,रूट बदलना या न बदलना प्र ाासन का काम है यह काम आपका नहीं हैं। आप केवल सवाल पूछें।

श्री मती अनीता यादव : स्पीकर सर, मंत्री जी द्वारा हाउस में जो बता दिया जाता है कि सड़कें बन रही हैं लेकिन ऐसा होता नहीं है। (ाोर एवं व्यवधान) मंत्री जी ने मेरे सवाल के जवाब में एक बात कही है कि 31–3–2002 तक काम पूरा होने की संभावना है।

चै. भजन लाल : अनीता जी, आप सड़क का नाम लें।

श्री मती अनीता यादव : सड़क का नाम है ढहीना, कौंसली वाया नेहरूगढ़ उस रोड से खुद मुख्य मंत्री जी गए हैं और उस पर ढाई–ढाई फुट के गड्ढे पड़े हुए है।

श्री अध्यक्ष : अरन ापरज पूछिए। मुख्य मंत्री जी कहां से जाते हैं यह प्र ाासनिक मामला है। आप बैठ जाइए।(ाोर एवं व्यवधान)

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा) : स्पीकर सर, बहन जी का ध्यान न तो सड़क ही तरफ है, न बिजनी की तरफ है इनका ध्यान आलोचना करने पर है। ये मुखर आलोचक बनना चाहती हैं जब मैंने अपने जवाब मं बता दिया कि उस सड़क पर काम भाुरू करने जा रहे हैं और उस पर 19 लाख रूपये खर्च होंगे और समय भी बता दिया इसके अलावा आप औ क्या चाहता है। आपके हल्के की इतनी सड़के बनाई हैं उनके लिए आपको धन्यवाद करना चाहिए था बजाय इसके आप आलोचना किए जा रही है। मातनहेल, साल्हावास, कौंसली, अम्बोली,बिदला,जटवाड़,

मातनहेल निमली सड़कें 7 लाख 58 हजार रूपये की लागत से बनाई हैं। मातनहेल बहूझोलरी सड़क पर 37.73 लाख रूपये खर्च हुए हैं इसके अलावा 73 लाख रूपये खर्च करके भाामनगर सड़क एवं साल्हावास खानपुर सड़क बनाई हैं। इसके अलावा बहुत सी सड़कें बनाई गई हैं बहुत सी सड़कों की रिपेयर की गई हैं उसके एि इन्होंने कुछ नहीं कहना है कहना उन्होंने उनके लिए ही है जो प्वाइंट रा गए। सड़कें इतनी अच्छी बनी हुई हैं कि में ममकंगे राम जी को देख रहा था वे कैथल से चंडीगढ़ तो सोते हुए आ रहे थें। जो गड्ढे रह गए हैं उनको भी मूंद देंगे वे गड्ढे आप ही के खोदे हुए हैं।

श्री मती अनीता यादव : अध्यक्ष महोदय, ढहीना से कौंसली वाया नेहरूगढ़ इस सड़क को हम यदि कौंसली से सुबाना झज्जर तक अगर मिला देते हैं जो काफी समस्या हल हो जाएगी।

श्री आम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के सभी सम्मानित सदस्यों से, कहना चाहता हूॅ कि सरकार ने नयी सड़कों को बनाने के और सड़को ंकी मरम्मत के ही संभव प्रयास किए है अगर कहीं काई कमी रह गई है तो उस को देख लेंगे और मैं इनको बताना चाहूॅगा कि सरकार अपनी परिस्थितियों के अनुकूल सड़कें बनाती है। ऐसी कोई गारन्टी नहीं दी जा सकती कि जहां आप कहेंगे वहीं सड़कें बनायी जाती हैं। सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत जब सड़कें बनने का प्र न आया था तो आपकी पार्टी के द्वारा व्हिप इ ू कर दिए जाते हैं

और यहां आकर के सस्ता भौहरत हासिल करने के निए प्रैस की लौबी की तरफ देखते हुए बाप यहां पर सड़कें बनाने की बात करते हो। हम काम अपने बजट के हिसाब से करेंगे, हम प्रयास करंगे कि अच्छी से अच्छी सड़कें बनाने की बात करते हो। हम काम अपने बजट के हिसाब से करेंगे, हम प्रयास करेंगे कि अच्छी से अच्छी सड़कें बनें।

Up-gradation of Sub-station Israna

840.Shri Krishan Lal : Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under Considerarion of the Government to upgrade the Sub-station, Israna (Panipat) from 33 K.V. to 132 K.V. ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) : सिवाल–इसराना लाइन के साथ वर्तमान 33 के.वी. इसराना (पानीपत) का दर्जा 132 के.वी. बढ़ाने की स्वीकृति दी जा चुकी है, जिसकी अनुकानित लागत 5.83 करोड़ रूपए हैं। धन की व्यवस्था कर ली गई है। कार्य अगले वितीय वर्श में पूर्ण किया जाना सम्भावित है।

श्री कृश्ण लाल : स्पीकर सर, सबसे पहले तो मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करता हूॅ कि इन्होंने पांच करोड़ की रा ि ा 33 के.वी. के सब– स्टे ान को 132 के.वी. का पावर हाउस बनाने पर खर्च की हैं इसके साथ ही मेरा दूसरा

सवाल माननीय सी.पी.एस. महोदय से यह है कि जिला पानीपत में इसके अलावा भी अन्य काई पावर हाउस अपग्रेड करने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है अगर हौं तो कब तक कर लिया जायेंगा।

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा) : स्पीकर सर, वैसे तो बिजली के मामले में काफी डिस्क ान हो चुकी है। मेरे माननीय साथी ने अपने क्षेत्र की बात रखते हुए पानीपत जिले के बारे में पूछा है इसके बारे में मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूॅगा कि इसराना में 132 के.वी.ए. का सब–स्टे ान बनने वाले हैं दूसरा 132 के.वी.ए. का सब–स्टे ान मतलौडा में जो माननीय सदस्य का अपलना गांव है में बनाने का कार्यक्रम है। इसी प्रकार से 132 के.वी.ए. का जलमाणा, 33 के.वी.ए. का जी.टी रोड पानीपत, 33 के.वी.ए. का, सिवाह दीवाना में बनाने का कार्यक्रम है। स्पीकर सर, पानीपत जिले में बिजली के सुधार के लिए अनेकों सब–स्टे ान बनने वाले हैं 33 के.वी.ए. का कोहंड में बनेगा जिस पर 87 लाख रूपये की लागत आयंगी, उपलाना में 87 लाख रूपये की लागत से 33 के.वी.ए. का सब–स्टे ान बनाया जायेगा। बड़सत में 75 लाख रूपये से 33 के.वी.ए. का, काबड़ी में 41 लाख रूपये से 33 के.वी.ए. का, 33 के.वी.ए. का धर्मगढ़ में 25 लाख रूाये की लागत से, इसराना में 33 के.वी.ए. का 35 लाख रूपये से तथा 132 के.वी.ए. का समालखा में 1.80 लाख रूपये का और 132 के.वी.ए. का 175 लाख रूपये में बनाने का कार्यक्रम है। इसी प्रकार से संचार लाइनें बनाई जायेंगी। 132 के.वी.ए. की असंध में

क्षमता बढ़ाई जाएगी। स्पीकर सर, पानीपत जिले में अनेकों सब–स्टे ान बनाने की योजना है जिसमे मैं समझता हूँ कि माननीय सदस्य कृश्ण लाल जी सहमत होगे कि गुणवता और फ्रिक्वैंसी के सुधार के लिए अनेकों कदम सरकार द्वारा उठाये जा रहे है जिसकी वजह से पूरे प्रदें ा के किसान, मजदूर, व्यापारी और कर्मचारी माननीय मुख्य मंत्री का गुणगान करते हैं केवल विपक्ष के भाई ही नुक्ताचीनी करने के लिए बैठे है।

Completion of Roads

1024. Prof. Ram Bhagat : Will the Chief Minister be pleased to state the time by which the construction works of roads of villages Kuba, Tharan, Patwad,Vata, Badla, Bardchhapper, Maula, Jamni Khera, Saigara and Dharam Kheri to Khandti and Khanda to Narnaund Majra, Thaurana to Badla, Dang to Murana are likely to be completed ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) : प्र नाधीन सड़कों को पूर्ण करने के लिए नि चत समय अवधि बताना सम्भव नहीं है।

प्रो.राम भगत : स्पीकर सर, ये जो मेरे हल्के की सड़कें हैं इनका निर्माण बहुत जल्द करवाना जरूरी है क्योंकि 1995 में बड़ी खतरनाक बाढ़ आई थी उसकी वजह से सड़कें बिल्कुल जर्जर हो गई थी। बास, बड़ाला, बड़छपपर और मौला की सड़कें काफी टूटी हुई हैं जिससे किसानों को भूगर मिल तक अपना गत्रा पहुँचाने में बडी तकलीफ होती है। मेरा आपके माध्यम से मंत्री जी

से निवेदन है कि मंत्री जी पहले तो जो मेरे प्र न में गांवों के नाम दिये गये हैं वे सारे गलत दिये गये हैं उनको ठीक किया जाये उसके बाद इन सड़कों की मरम्मत का बाम तत्काल रूप से भ्रारू किया जाये ताकि वहां रहने वाले लोगों को तकलीफ न हो, किसान आसानी से अपना गन्ना ले जा सके। पुठी गांव में 15 हजार की आवादी है, पिछले साल यह विशय उठाया गया था कि उस गांव में जाने के लिए कोई बस सुविधा नहीं है और सड़क टूटी हुई है इसलिए इस पर जल्दी विचार किया जाए।

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा) : अध्यक्ष महोदय, जिस तरह का प्र न किया होगा वैसा ही जवाब दिया गया होगा। मेर`माननीय साथी ने एक गांवच0 का नाम लिया है, इन्होंने ठौराना से बाडला सड़क के बारे में कहा है तो मैं इनको बताना चाहूॅगा कि उस सड़क को 31–12–2002 तक ककपूरा कर लिया जाएगा, धर्मखेड़ी से गुराना तक की सड़क को 31–12–2002 तक पूरा कर दिा जाएगा और डाहट से गुराना तक की सड़क के कार्य को भी 31–12–2002 तक पूरा हो जाने की सम्भावना हैं जामनी खेड़ा सड़क का काम पूरा हो चुका है।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब प्र नकाल समाप्त होता है।

————————————————

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उतर

Improvement in Power Avilability

*886.**Diwan Pawan Kumar:**Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any improvement in the availability of Power in state,if so,the details there of together with the details of Power supplied during the year 1996 to 2002 separately; and

(b) the steps being taken to augment the power in the state ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) : एक विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

(क) पिछले तीन वर्शों के दौरान राज्य की विद्युत उपलब्धता में उल्लेखनीय सुधार है। पिछले 2–1/2 वर्श के दौरान हरियाणा के लिए 621 मैगावाट अतिरिक्त उत्पादन क्षमता की उपलब्धि प्राप्त की गई है। वर्श 1996–97 से वर्शानुसार विद्युत उपलब्धता निम्नानुासर है :–

Table Missing

(ख) विद्युत उपलब्धि में वृद्धि करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा रहें है –

1. **राज्य में नयी उत्पादन परियोजनाए बनाई।**

10वीं तथा 12वीं पंच वर्शीय योजना समय के दौरान तीन हजार मैगावाट अतिरिक्त उत्पादन क्षमता जोड़ने का प्रस्ताव किया गया हैं। भविश्य में चालू होनी प्रस्तावित परियोजनाओ में से कुछ निम्नलिखित है –

2. **केन्द्रीय विद्युत इकाईयो तथा अन्य स्त्रोतो से विद्युत क्रय**

इसके अतिरिक्त हरियाणा, विद्युत निगम के माध्यम से लम्बी अवधि के आधार पर तथा स्वतंत्र विद्युत क्रेताओं द्वारा स्थापित की जा रही विभिन्न अन्य विद्युत परियोजनाओं के बारे में विचार–विम र्ा चल रहा है।

Sarv Shiksha Abhiyan

***883. Sh.Amar Singh Dhanday:** Will the Minister of State for Education by pleased to state the date on which the "Sarv Shiksha Abhiyan" is likely to be launched in the State together with the improvement, if any, to be made in the education system under the said Abhiyan ?

राज्य ि ाक्षा मंत्री (चौ.बहादुर सिंह) : श्रीमान्, राज्य में सर्व ि ाक्षा अभियान 1–4–2002 से लागू किया जा रहा हैं। इसके माध्यम से बहुमुखी प्रयास किए जाएंगें जिससे सन् 2007 तक प्राथमिक ि ाक्षा और सन् 2010 तक आठवीं तक की ि ाक्षा का सार्वभौमिकीकरण किया जा सकेगा। ि ाक्षा में गुणवता लाने के लिए अनेक प्रयास किए जाएंगे जैसे अध्यापकों का प्रावधान, भौतिक सुविधाओं को स ाक्त करना, योजना बद्ध तरीके से प्रत्येक गांव में माध्यमिक स्कूल सुनि ाचत करना, ि ाक्षण अधिगम सामग्री का प्रावधान, फर्नीचर आदि की उपलब्धता तथा सेवारत अध्यापकों के व्यापक प्र ि ाक्षण का प्रावधान करना आदि। इस दि ाा में परियोजना की प्रारम्भिक गतिविधियां भाुरू की जा चुकी है। इस कार्य हेतु व्यापक कार्य योजना बनाकर भारत सरकार को पहले ही प्रस्तुत की जा चुकी है।

Construction of Bye-pass, Fatehabad

***1022. Chaudhry Lila Krishan:** will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under Consideration of the Government to construct Bye-pass in Fatehabad ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) : नहीं, श्रीमान् जी।

Water Courses

***1035. Sh. Jarnail Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state whether it is a fact that the ban has been

imposed for the construction of new water courses (Khal) in Ratia; if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to remove this ban.

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) : वर्श 1992 में रतिया में नए खालों के निर्माण पर प्रतिबन्ध लगाया गया था यह प्रतिबन्ध रतिया सहित कुछ विकास खण्डों में भू–जल स्तर लगातार नीचे गिरता जा रहा है। फिलहाल इस प्रतिबन्ध को हटाने का कोई प्रस्ताव सरेार के विचाराधीन नहीं है।

Road Constructed by H.S.A.M.B.

***939.Dr.Raghuvir Singh Kadian:** Will the Minister for Agricultural be pleased to state the total length of roads in kilometers constructed by Haryana State Agricultural Marketing Board in Beri constituency during the last two and half year ?

कृशि मंत्री (सरदार जसविन्द्र सिंह सन्धू) : बेरी निर्वाचन क्षेत्र में गत् अढ़ाई वर्शों के दौरान हरियाणा राज्य कृशि विपणन बोर्ड द्वारा 16.90 किलोमीटर लम्बी सड़कों का निर्माण किया गया।

Up-gradation of 33 K.V. Sub-station at Padla

924. Sh. Lila Ram : Will the Chief Miniser be Pleased to state whether there is any ptoposal under consideration of the Government to upgrade the 33 K.V. Sub-station at Village Padla in Kaithal Constituency ; if so, the detail thereof ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) : हॉ श्रीमान्, 7.39 करोंड़ रूपए की लागत से कैथल–पाडला प्रसार लाइन के साथ पाडला में एक 132 के.वी उपकेन्द्र का निर्माण किया जा रहा है। यह कार्य वर्श 2002–03 के दौरान पूर्ण होना सम्भावित है।

Number of Posts of Headmasters and Principels

***898.Sh.Ramesh Kumar Khatak:** Will the Minister of State for Education be pleased to state-

(a) the number of posts of Principle and Headmasters filled up during the year 2001-2002 in the state ;and

(b) the number of posts of Principle and Headmasters,if any, lying vacant in the State at present ?

ि ाक्षा राज्य मंत्री(चौधरी बहादुर सिंह) :

(क) वर्श 2001–02 में राजकीय उच्च विद्यालयों के मुख्याध्यापको के 274 पद तथा राजकिय वरिश्ठ माध्यमिक विद्यालयों के प्राधानाचार्यओ के 206 पद भरे गए है।

(ख) इस समय राज्य में 612 मुख्याध्यापको के पद तथा 169 प्राचार्यो के पद रिक्त हैं 140 मुख्याध्यापक के पद तथा 85 प्राधानाचार्यओ के पद भरने कि लिए मांग–पत्र हरियाणा लोक सेवा आयोग को भेजा गया है।

Courses started at Post Graduate Center

***863.Sh.Bhagi Ram:** Will the Minister of State for Education be pleased to state the detail of new courses started at PostGraduate Center,Sirsa?

ि ाक्षा राज्य मंत्री(चौधरी बहादुर सिंह) : हां,श्रीमान् जी। भौक्षणिक सत्र 2000–2001 के दोरान स्नातकोतर क्षेत्रीय केन्द्र सिरसा में पांच नयें पाठ्यक्रम–कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातकोतर,विधि स्नातक, एम.ए. लोक प्र ाासन,कम्प्यूटर विज्ञान में स्नातकोतर डिप्लोमा तथा भाारीरिक ि ाक्षा में प्रमाण–पत्र आरम्भ किए गए है।

Staff provided in upgraded schools

***879.Sh.Jasbir Mallour:** Will the Minister of State for Education be pleased to state-

(a) whether any Government School from Pimary to Middle and Middle to High has been upgraded in the State during the year 2000-2001;if so, the number of ; and

(b) whether the staff as per norms has been posted there in ?

ि ाक्षा राज्य मंत्री(चौधरी बहादुर सिंह) :

(क) जी हां,वर्श 2000–2001 में 151 प्राथमिक विद्यालयों से माध्यमिक विद्यालय और 69 माध्यमिक विद्यालयों से उच्च विद्यालयों का दर्जा बढ़ाया गया है।

(ख) इन स्तरोन्नत विद्यालयों में अमला निर्धारित नॉर्म अनुसार स्विकृत कर दिया गया है।

Number of cases of murder/theft etc. registered in the state

***1043. Capt.Ajay Singh Yadav, Shri Krishan Pal, Shri BalwantSingh (Sdhaura):**

(a) the number of Absconders in the state in 1st May, 1998 and as at present;

(b) the number of cases of murder,rape,kidnapping abduction,dacoity,highway robberies, theft in general and vehicles in particular,xnatching of ornaments and vehicles registered in the state during the period from 1st January,2001 to date; and

(c) the number of cases out of those as referred to in part (b) above in which thw accused have been arrested convicted and acquitted during the said period ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) : वांछित सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

(क) राज्य में दिनांक 1 मई 1998 को तथा वर्तमान भगौड़े अपराधियों की संख्या,

भगौड़े अपराधियों की कुल संख्या

(ख) राज्य में 1 जनवरी 2001से अब तक हत्या,बलात्कार, अपहरण, अपनयम,डकैती, राजमार्गों पर लूटपाट, कुल चोरी, वाहन चोरीवि ोशकर, वाहन छिनना और गहने छीनने के दर्ज अभियोगों की संख्या

(ग) राज्य में 1 जनवरी, 2001 से अब तक उपरोक्त (ख) में वर्णित अपराधों में दर्ज किए गए अभियोगों की संख्या, जिनमें दोशी गिरफतार हुए,सजा हुए और बरी हुए

Construction of Mini Secretariat Tohana

1039. Sh. Nishan singh : Will the Minister for Town and Country Planning be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct Mini Secretatiat at Tohana ?

राजस्व मंत्री (श्री धीरपरल सिंह) : लघु सचिवालय केवल जिला मुख्यालयों पर ही निर्मित हकये जाते है। फिर भी, टोहाना में प्र ाासकीय/न्यायिक परिसर निर्मित करने का एक प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है।

Number of Vacant Poss in Medical College, Rohtak

975. Shri Shadi Lal Batra : Will the Minister of State for Health be pleased to state—

(a) the group-wise total number of sanctioned posts in each department of Medical College,Rohtak;

(b) the number of posts out of the posts referred to in part (a) above are lying vacant, togetherwith with the date since when these are lying vacant; and

(c) the steps taken for filling up of these posts including director Principal during the last two years ?

श्री अध्यक्ष :मेरे पास इस क्वै चन के संदर्भ में एक रिकवैस्ट आई है। जिसमें मंत्री जी ने जवाब देने के लिए कुछ समय मांगा है। जो कि मैंने ग्रान्ट कर दिया है और वह लैटर इस प्रकार है—

Dr.M.L.Ranga D.O. 321-MH

Minister of State for

Health, Medical Education &

Ayurveda Departments

Haryana, Chandigarh.

Dated 15-3-2002

Respected Shri kadian Ji,

This is regarding Starred Assembly Question No.975 asked by Shri Shadi Lal Batra, M.L.A. reegarding group wise total number of sanctionde posts in each department of

Medical College, Rohtak and number of posts lying vacant together with date since when. He has also asked for steps taken to fill up these posts includinjg that of Director Principal during the last two years. It is stated,Sir, that there are more than 38 departments in the PGIMS,Rohtak and it is vey difficult to furnish staff position department wise and reasons thereof to not fill them up as it is vey voluminous and labour consuming. Department may not be able to file reply in proper manner and well shaped immediatelyh and more time will be neede to collect the datailed information. It is requested that more time may be given to file the reply. Approval of Hon'ble CM has been obtained to seek more time to reply this question. You are requested to kindly accede to this request and not to list the question.

With regards

Yours sincerely,

(M.L.Ranga)

Shri Satbir Singh kadian

Hon'ble Vidhan Sabha, Chandigarh.

Educational uplifting of S.C.& B.C.Students

993. Sh. Banta Ram Balmiki : Will the Minister of State for Education be pleased to state whether any scheme has been introduced for educational upliftment of students belinging to Scheduled Castes and Backward Classes; if so, the detail thereof ?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चौ. बहादुर सिंह) : हॉ श्रीमान् जी।वक्तव्य सदन के पटल पर रखा जाता है।

वक्तव्य

अनुसूचित जातियों तथा पिछड़े वर्गों के छात्रों के भौक्षणिक उत्थान के लिए निम्नलिखित स्कीमें आरम्भ की गई है :–

प्राथमिक ि ाक्षा :

1. लड़कियों के लिए निः ाुल्क वर्दियां

2. उपस्थिति पुरस्कार

3. निः ाुल्क लेखन सामग्री

4. निः ाुल्क पाठ्य पुस्तकें

5. वि ोश उपस्थिति भता

6. मैट्रिक–पूर्व छात्रवृतियां

7. विमुक्त कबीलों के बच्चों को वजीफा

माध्यमिक ि ाक्षा :

1. नौवीं से बारहवीं कक्षा तथा अन्यविभागीय पाठ्यक्रमों में पढ़ने वाले अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को वजीफा देना

तथा हरियाणा विद्यालय ि ाक्षा बोर्ड, भिवानी को परीक्षा भुल्क की प्रतिपूर्ति।

2. नौवीं से बारहवीं कक्षा में पढ़ने वाले पिछड़े वर्गों के विद्यार्थियों को वजीफा देंना।

3.छठी से आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले अनुसूचित जातिं के विद्यार्थियों को छात्रवृति/अवसर खर्च प्रदान करना ।

4. छठी से बारहवीं कक्षा में पढ़ने वाले अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन–जातियों के विद्यार्थियों को लेखन सामग्री खरीदने हेतु अनुदान।

5. छठी से बारहवीं कक्षा में पढ़ने वाले विमुक्त जातियों/टपरीवास विद्यार्थियों को छात्रवृति प्रदान करना।

6. अस्वच्छ व्यवसायों में लगे माता–पिता के बच्चों को मैट्रिक–पूर्व छात्रवृति प्रदान करना।

7. नौवीं से बारहवीं कक्षा में पढ़ने वाली अनुसूचित जातियों की छात्राओं को मैरिट छात्रवृति प्रदान करना।

8.अनुसूचित जातियों के विद्यार्थियों के लिए वि ोश कोचिंग स्कीम।

9. अनुसूचित जातियों के छात्रों की मैरिट के उन्नयन हूतु स्कीम।

10.राजकीय विद्यालयों में छठी से बारहवीं कक्षा में पढ़ने वाली अनुसूचित जातियों/समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की छात्राओं को निः ुल्क वर्दियां प्रदान करना।

11.ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले अनुसूचित जातियों के विद्यार्थियों को चिकित्सा/इंजीनियारी पाठ्यक्रम की प्रवे ा परीक्षाओं के लिए वि ोश निः ुल्क कोचिंग।

12. हरियाणा राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले अनुसूचित जातियों के छात्रों के भौक्षणिक उत्थान हेतु मुख्य परियोंजना स्कीम।

उच्चतर ि ाक्षा :

1. राज्य सरकार द्वारा हाल ही में ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले अनुसूचित जातियों के मेधावी छात्रों को निः ुल्क आवास सुविधा प्रदान की नई स्कीम आरम्भ की गई है।

2. राज्स सरकार द्वारा हाल ही में अनुसूचित जातियों के छात्रों की विभिन्न सेवाओं में भर्ती हेतु प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने के लिए एक नई स्कीम आरम्भ की गई है।

3. अनुसूचित जातियों तथा पिछड़े वर्गों के छात्रों को प्रवें ा हेतु आरक्षण का लाभ दिया जाता है।

4.अनुवूचित जातियों तथा पिछड़े वर्गों के छात्रों को ुल्क में छूट दी जा रही है।

5. अनुवूचित जातियों तथा पिछड़े वर्गों के छात्रों को वि ोश छात्रवृतियां प्रदान की जा रही है।

6. कुरूक्षेत्र वि ववविद्यालय में स्थित महात्मा गांधी अखिल भारतीय सेवा संस्थान द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों की अखिल भारतीय सेवा परीक्षाओं के लिए तैयारी करवाई जाती है।

स्थगन प्रस्ताव की सूचना/वाक आउट्स

श्री कृश्ण पाल : अध्यक्ष महोदय, मैं एक दु:खद घटना की तरफ आपका ध्यान दिलाना चाहता हूॅ जो 17 तारीख को लोहारू में घटी।

श्री अध्यक्ष : उस पर गवर्नमैंट की स्अेटमैंट आ चुकी है।

श्री कृश्ण पाल : अध्यक्ष महोदय, उस घटना में बी.जे. पी. के कार्यकर्ताओं को झूठा फंसाया जा रहा है।

श्री अध्यक्ष : कृश्णपाल जी, आपने तो उस बारे मे कुछ लिखकर नहीं दिया। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री कृश्ण पाल : अध्यक्ष महोदय, मैं जीरो आवर में बोलना चाहता हूॅ।

श्री अध्यक्ष : कृश्णपाल जी आप बैठें। कृश्णपाल की कोई बात रिकॉर्ड न की जाएं। (ाोर एवं व्यवधान)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, एक गैर जरूरी मामला था, वैसे उस पर केवल सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए इस प्रकारकी अनर्गल बातें करते हैं तब तो सदन में होते नहीं, केवल सस्ती लोकप्रियता हाविल करने के लिए इस प्रकार की अनर्गल बातें करते हैं जो कुछ लोगों की आदत होती है। बिना किसी डिमांड के उस दु:खद घटना से मैंने पूरे सदन को अवगत कराया था और सारी स्थिति स्पश्ट कर दी गई थी। यह जनतंत्र है और जनतांत्रिक प्रणाली में किसी को कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं है चाहे वह इंडियन ने ानल लोकदल को, चाहे कांग्रेस पार्टी हो और चाहे भारतीय जनता पार्टी हो अथवा किसी भी राजनीतिक पार्टी का असामाजिक तत्व हो जो इस प्रकार की घटनाएं करके प्रदे ा के सुख भाान्ति के वातावरण में तनाव पैदा करने की कोि ा ा करते हैं उनके साथ सरकार सख्ती से निपटेगी।

श्री कृश्ण पाल:

श्री अध्यक्ष : कृश्णपाल गुर्जर की कोई बात रिकॉर्ड न की जाए। भतन लाल जी, आप कुछ कहना चाहते हैं, तो कहें।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, कल भी हमने एक सीरियस मैटर उठाया था और वह बड़ा अहम् मुद्दा था, कल आपने उस पर बोलने के लिए अलाए नहीं किया और आत भी हमने एक सररियस मैटर के बारे में आपको लिख कर दिया था और जैसा

कि मल आपने कहा था कि ''आपने यह मैटर 12 मिनट पहले दिया है, आपको एक घंटा पहले देना चाहिए था।'' इसलिए अध्यक्ष महोदय, आज हमने एक घंटा पहले आपको मैटर के बारे में लिखकर दिया है, उस पर हमें बहस करने की इजाजत दी जाए।

श्री अध्यक्ष : वह डिस–अलाउ कर दिया गया है।

चौधरी भजन लाल : वह किस बात पर डिस–अलाउ पर दिया गया है उसके पीछे कोई कारण तो हो। सी.ए.जी. जी रिपोर्ट में द ार्शाया गया है कि 600 करोड़ रूपये का घपला हुआ है।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के भाइयों ने जो एडजोर्नमैंट मो ान दी थी वह रद्द कर दी है लेकिन चूंकि कल भी इन्होंने यह मुद्दा उठाया था और आज फिर उठा रहे है। अध्यक्ष महोदय, पूरे प्रदे ा का दुर्भाग्य तो यह है कि विपक्ष के भाई अपनी विपक्ष की भूमिका निभाने में पूरी तरह से असमर्थ रहे हैं। (विध्न)

पहले ये सरकार के खिलाफ अविश्वास लाये और मंजूर होने के बाद उस पर चर्चा से पहले भाग गये।

उसके बाद ये अध्यक्ष के खिलाफ अवि वास प्रस्ताव लेकर आये। उसमें इन्होंने कानून कायदे की पालना नहीं की जिसके कारण वह रद्द हो गया। तीसरी दफा यं फिर अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आये लेकिन जरूरी संख्या न हुटा पाने के कारण वह भी रद्द हो गया। अध्यक्ष महोदय, इनको जो यह

भी ज्ञान नहीं कि राज्यसभा के सदस्य के लिए नोमीने ान पेपर कैसे फाईल किए जाते हैं और किस तरह से पेपर रिजैक्ट होते हैै। जो मुद्दा ये आज

25 से 28 पेज नम्बर नहीं है।

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, आप फेसला पढ़िये।(विध्न एवं भाोर) आप भूमिका न बनाएं, आप कोर्ट का वर्डिक्ट पढ़िये। (विध्न एवं भाोर) इस बारे में कोर्ट ने जो ऑर्डर किया है आप उस वर्डिक्ट को सम्मनित सदस्यों को सुना दीजिए वह सब मानेंगे आप और कोई बात न कहिए।(विध्न एवं भाोर)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात सुनिए (विध्न एवं भाोर) मैं फेसला भी बता दूंगा। (विध्न एवं भाोर)

श्री अध्यक्ष : आप फैसला पढ़ियें (विध्न एवं भाोर) अगर आपने फैसला नहीं पढ़ना है जो आप बैठ जाएं। (विध्न एवं भाोर) आप यह बताएं कि आपने फैसला पढ़ना है या नहीं पढ़ना है। आप फैसला पढ़ने के निए खड़े हुए है आप फैसला पढ़े वह पक्ष में है या खिलाफ है।

चौधरी भजन लाल : आप सुनोगे तभी ना (विध्न एवं भाोर) आप मेरी बात को सुन तो लें (विध्न एवं भाोर) भूमिका तो बतानी ही पड़ेगी।

श्री अध्यक्ष : भजनलाल जी, फैसले में सारी चीज होती है,भूमिका बनाने की जरूरत नहीं है बाप बैठ जाइये। (विध्न एवं भाोर) भजन लाल जी फैसला पढ़ें तो रिकॉर्ड करना नहीं तो इनकी कोई और बात रिकॉर्ड न की जाए।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, ********

श्री अध्यक्ष : आप फैसला पढ़ रहें हैं या नहीं पढ़ रहें है। (विध्न एवं भाोर) इनकी कोई बात रिकॉर्ड नहीं की जाएगी। (विध्न एवं भाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मुझे पता था कि ये पढ़ नहीं सकेंगे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कैप्टन अजय सिंह, आप अपली सीट पर बैठ जाएं। सदन के नेता बो रहे हैं आप अपली सीट पर बैठ जाएं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटाला : मैं स्पीकर की परमि ान से बोलने के लिए खड़ा हुआ हूॅ। (ाोर एवं व्यवधान) आप बुद्धिमान आदमी हैं आपसे मुझे इस तरह की उम्मीद नहीं थी। (ाोर एवं व्यवधान) मुझे अध्यक्ष ने परमि ान दी हुई है और में बतौरे सदन के नेता बोल रहा हूॅ। (ाोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह :

श्री अध्यक्ष : सदन के नेता बोल रहे हैं आप कृपा अपली सीट पर बैठ जाएं। (ाोर एवं व्यवधान) कैप्टन साहब जो भी बोल रहे हैं वह कुछ रिकॉर्ड नहीं किया जाए।

कैप्टन अजय सिंह : ********

श्री ओम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी भजन लाल जी को बताना चाहूँगा कि कई ऐसे मामले थे जो मेरी समझ में नहीं आते थे। मैं उस बारे में कोई गिल्टी महसूस नहीं करता था, मेरे में कोई इनफेरियोरिटी कॉम्पलैक्स नहीं होता था। मैं स्वयं ही क देता था कि इस बारे में सम्पत सिंह बताएंगे। अगर आपकी समझ में यह नहीं आता है तो आप अपने उप नेता को कह सकते हैं। आप उनको नेता तो मानते नहीं है लेकिन हाउस में ये आपकी बाजू में बैठते हैं और यहां पर आपकी बात तो कह सकते है। (ाोर एवं व्यवधान) मैंने तो पहले ही इस बारे में कहा था कि मैं बता दूंगा लेकिन आप कहने लगे कि आप ही बताएंगे। लेकिन आप यहां पर वह बता नहीं सके। अब हाईकोर्ट का जो फेसला है उसके मुताबिक मैं आपको यहां पर बता दंता हूँ। हाई कोर्ट ने मैसर्ज औरबीट रिजार्ट प्रावेट लिमिटिड से किसी प्रकार का कोई पक्षपात नहीं किा है। मैं यह हाई कोर्ट का फेसला सुना रहा हूँ। मैसर्ज औरबीट रिजार्ट प्राइवेट लिमिटिड ने हाई कोर्ट के फेसले के बाद दोबारा से हाई कोर्ट में रिट दायर की थी। 29.2. 1991 को यह रिट सिंगल बैंच द्वारा खारिज कर दी गई थी किन्तु 11.1.1999 को माननीय पंजाब एण्ड हरियाणा हाई कोर्ट के

डिविजन बैंच ने एल.पी.ए रद्द कर दी । उस समय मैं मुख्यमंत्री नहीं था। यह रिज्म्प ान आर्डर भी अदालत में उस समय क्वे ा हो गए। अदालत ने यह निश्कर्श निकाला कि श्री भजन लाल ने केस को मैलाफाइडी,(इसका मतलब है कि गलत) गलत तरीके से प्लीड किया, रिज्यूम करवाया। एच.एस.आई.डी.सी. ने उच्च न्यायालय के उस आदे ा को उच्चतम न्यायालय में भी चुनौती दी, जो कि उच्चतम न्यायालय के द्वारा 3.12.1999 को रद्द कर दी गई ।एच.एस.आई.डी.सी और गवर्नमैंट दोनों उच्चतम न्यायालय में गए और उच्चतम न्यायालय ने आदे ा दिया कि मैसर्ज औरबीट रिजार्ट प्राइवेट लिमिटिड को इस भार्त पर प्रोजैक्ट दिया था कि वे इसको दो वर्शों में पूरा करेंगे। इस प्रकार से स्पश्ट है कि मैसर्ज औरबीट रिजार्ट प्राइवेट लिमिटिड को इस प्लॉट की जो अलॉटमैंट थी वह वैध करार दी गई ।(ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मैटर खत्म हो गया है। (ाोर एवं व्यवधान) आप अपली सीटों पर बैठ जाएं। आप इस तरह से सुप्रीमकोर्ट के फेसले पर नहीं बोल सकते है ।(ाोर एवं व्यवधान)

चौ.बंसी लाल :अध्यक्ष महोदय, मेरा नाम लिया गया है इसलिए मैं इस बारे में क्लेरिफिके ान देना चाहता हूॅ।(ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इन्होंने मेरा नाम लिया है।

श्री अध्यक्ष : बंसी लाल जी, मुख्य मंत्री जी ने आपका नाम नहीं लिया है इन्होंने यह बताा कि उस समय आपकी टर्म थी।(ाोर एवं व्यवधान)

चौ.बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, जब हमने यह केस दायर किया था तो उस वक्त सरकारकी तरफ से वकील थे श्री भाांति भूशण, श्री सीता रे और श्री प्रेम मल्होत्रा। एच.एस.आई.डी. सी की तरफ से वकील थे श्री डी.डी.ठाकुर और दूसरे वकील थे ।Upon hearing counsel the Court made the following order - 2

"Issue notice. Let both the party matters come up together."

इसके बाद अध्यक्ष महोदय, क्या हुआ जब हियरिंग के ऊपर केस आया तो उससे पहले वकील दूसरा था। उस समय प्रका ा सिंह बादल के लड़के का वकील श्री महाबीर सिंह था उनको हरियाणा की सरकार ने मेरी सरकार के जाने के बाद अपना वकील आनॅ रिकार्ड मुकर्रर कर दिया। उसने फिर यह लिखा कि फलानं आदमी को वकील किया जाए। वह वकील है श्री महे ा माथुर। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : नो–नो। आप ऐसे ही सुप्रीम कोर्ट के डिसिजन पर मत बोले। (ाोर एवं व्यवधान) बंसी लाल जी, अब फैसला हो चुका है इसलिए अब आप बैठें। सुप्रीम कांर्ट के फेसले को हम यहां पर डिस्कस नहीं कर सकते। अब तो फैसला हो गया

है अब आप बैठें। बंसी लाल जी की कोई भी बात अब रिकॉर्ड न की जाए। (ाोर एवं व्यवधान)

चौ.बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, ******** (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : बंसी लाल जी, अब आप बैठ जाएं। कोर्ट में पहले आर्गुमैंट्स होते है और उसके बाद ही डिसीजन होता है।

चौ.बंसी लाल : ********

श्री अध्यक्ष : बंसी लाल जी, अब फैसला हो गया है इसलिए आप बैठिए। (ाोर एवं व्यवधान) बंसी लाल जी, आपकी कोई बात अब रिकॉर्ड नहीं हो रही है इसलिए अब आप बैठें। अब फैसला हो गया अब कुछ नहीं हो सकता। जो फेसलाहो गया ठीक हो गया। बड़ी बुद्धिमान से सुप्रीम कोर्ट ने फैसला किया है चाहे वह किसी के भी पक्ष में गया हो। हमें कोई मतलब नहीं कि वह किसके पक्ष में गया है लेकिन बात यह है कि फैसला तो हो गया। (ाोर एवं व्यवधान) सुप्रीम कोर्ट हाईएस्ट कोर्ट ऑफ इंडिया है हम उसके फेसले के बारे में यहां पर इस तरह से चर्चा नहीं करेंगे। यह सुप्रीम कोर्ट का फैसला है इसलिए इस फेसले के बारे में हम यहां पर डिसक ान नहीं कर सकते। (ाोर एवं व्यवधान) बंसी लाल जी, आपकी कोई बात रिकॉर्ड नहीं हो रही है इसलिए अब आप बैठ जाएं।

चौ.बंसी लाल : ********

श्री ओम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी बंसी लाल जी से कहना चाहता हूॅ कि ये अब बैठ जाएं क्योंकि इनकी बात कोई नहीं सुन रहा है, इनकी कोई भी बात अब रिकॉर्ड नहीं हो रही है, इनकी कोई भी बात लिखी नहीं जा रही है। वैसे तो चौधरी बंसी लाल जी लॉ ग्रेज्यूट हैं डिफैंस मिनिस्टर भी रहे हैं और बदकिस्मती से मुख्य मंत्री भी कई मर्तबा रहे हैं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं भी इस बारे में कुछ कहना चाहूॅगा।

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, आप बैठें। इनकी कोई बात रिकॉर्ड न करें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, ********

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, आप बैठिए। (ाोर एवं व्यवधान)

चौ.जय प्रका ा : स्पीकर सर, यह तो आपकी कोई बात नहीं है यह आपका कया तरीका है बाप किस तरह से उनको बोल रहे हैं ? (ाोर एवं व्यवधान) मैं सबको बड़े प्यार से कहता हूॅ कि प्लीज आप बैंठे।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : भजन लाल जी, क्या आप हाउस से भागना चाहते है ?

श्री भजन लाल : हम हाउस से भागना नहीं चाहते।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : फिर आप आराम से बैठें और अपने मैम्बर्ज को बैठाते क्यों नहीं ? (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, बंसी लाल जी को पता होना चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट के जजमैंट को हमें यहां पर डिसकस नहीं करना चाहिए वरना यह कंटैम्प्ट का मामला नहीं बनता है (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, कोई कंटैम्प्ट का मामला नहीं बनता।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : बंसी लाल जी, जब हाई कोर्ट में इस बारे में फैसला हुआ था और जब अपील की गयी थी उस समय मुख्य मंत्री कौन था तब आप मुख्य मंत्री तो थें न ?

चौ. बंसी लाल : हॉ, मैं मुख्य मंत्री था।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : क्या आपने इस मामले की उस वक्त पैरवी नहीं की और अगर की तो आप कैसे कहते है कि सुप्रीम कोर्ट में हमने पैरवी नहीं की। आपने अपील दायर की। जब हमारी सरकार थी उस वक्त सुप्रीम कोर्ट में दूसरे फरीख ने अपील दायर की थी। लेकिन उस समय आप स्वयं मुख्य मंत्री थे और आपने अपील दायर की और आपके मुख्यमंत्रित्व काल में ही हाईकोर्ट ने फैसला सरकार के खिलाफ दिया था। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर साहब, बंसी लाल जी तो बिना रिकोगनाइज अपोजी ान लीडर के हाई कोट्र में मेडीकल बिल्ज का पैसा मांगने के लिए गए थें कि मैं उस वक्त अपोजी ान लीडर था इसलिए

उसका मुझे पैसा दिया जाए जबकि ये उस वक्त कोगनाईज अपोजी ान लीडर थे ही नहीं। ये तो गलत काम के लिए की कोर्ट में जाते है ठीक काम के लिए तो ये कोटग में जाते ही नहीं है।

चौ. बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, वह मुकदमा भी ये हार गए और मैं जीत गया। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, बंसी लाल जी सीलियर मोस्ट मैम्बर है और यक पार्लियामैंट के सदस्य भी रहे हैं ये अपना इलाज तो दिल्ली में करवाते हैं और उसका पैसा हरियाणा सरकार से मांगने के लिए कोर्ट में जाते है कि मुझे पैसा दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, यह ठीक काम के लिए तो कभी कोर्ट में नहीं जाते है। (ाोर एवं व्यवधान)

चौ.भजन लाल : स्पीकर साहब,यह इस तरह की बातें करके हाउस का ध्यान डायवर्ट करना चाहते हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

चौ. बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, बाप मेरी बात तो सुन लें। मुख्य मंत्री द्वारा बार–बार मेरा नाम लिया जा रहा है। (ाोर एवं व्यवधान)

चौ.भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफॅ आर्डर है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : बंसी लाल जी, आप बैठ जाएं। भजन लाल जी आने वायंट आफॅ आर्डर पर खड़े है। (ाोर एवं व्यवधान) भजन लाल जी, आप अपने प्वायंट आफॅ आर्डर पर बोलें।

चौ.भजन लाल : स्पीकर साहब, बंसी लाल जी भी अपनी बात कहना चाह रहे हैं वे सीनियर मैम्बर हैं आप पहलेउनकी बात सुन लें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : पहले आप दोनों सलाह कर लें। भजन लाल जी,आप पहले अपली बात कहें क्योंकि पहले आपने प्वायंट ऑफ आर्डर लिया है।

चौ. बंसी लाल : स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी बार–बार मेरा नाम ले रहे हैं इसलिए आप मेरी बात तो सुन लें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आपकी मर्जी चलेगी कि मेरी मर्जी चलंगी। (ाोर एवं व्यवधान)

चौ.भजन लाल : लेकिन हम ठीक बात तो कह सकते हैं। चौधरी बंसी लाल जी की बात तो आप सुन लें। यह बहुत ही सीरियस मैटर है।

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, क्या आपका यही प्वायंट ऑफ ऑर्डर है। यहां सिफारि ा की जरूरत नहीं है,बगैर सिफारि ा के हाउस चलता है।

चौ.भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, ********

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी की यह बात रिकॉर्ड न की जाए। (ाोर एवं व्यवधान)

चौ. बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैंने कोई अनार्लियामैंट्री भाशा का इस्तेमाल नहीं किया। मैं रिकॉर्ड की बात कर रहा हूॅ। चौधरी भजन लाल जी आप दो मिनट बैठ जाएं। (ाोर एवं व्यवधान) ये लनेंड सुप्रीम कोर्ट का जजमैंट है Learned counsel for the respondents states that the respondents shall pay all the outstanding dues within a period of six month from today and the construction willbe completed within two years. The respindents shall file an undertaking to that effect within one week from today.With these directions, the special leave petitions and writ pettions are disposedof, application for impleading party is not pressed. ताज्जुब की बात यह हे कि हम पेटी ानर है और आर्गूमैंट आई है सिर्फ रिसपौंडैंट की । हमारा वकील बोला ही नहीं। हमारे वकील का नाम तो ऊपर लिखा था लेकिन उसने लफ्ज एक भी नहीं बोला ********

श्री अध्यक्ष : चौधरी बंसी लाल जी की यह बात रिकॉर्ड न करें। यह फैसला बहुत पुराना है अब गढ़े मुर्दें उखाड़ने का कोई फायदा नलहीं है आप बैठ जाइए। (ाोर एवं व्यवधान)

चौ.भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, 1300 गज का प्लॉट 5 करोड़ रूपये में दिया जबकि सी.ए.जी. जी रिपोर्ट के मुताबिक

उसकी कीमत 21 करोड़ रूपये बनती है जबकि 18 एकड़ की कीमत 700 करोड़ रूपये बैठती है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप बैठ जाइए। (ाोर एवं व्यवधान)

चौ.भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, हमारी बात सुनी नहीं जा रही है और रिकॉर्ड नहीं की जा रही है इसलिए हम ऐज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट करते है।

(इस समय भारतीय राश्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के सदन में उपस्थित सभी सदस्य सदन से वाकआउट कर गए।)

श्री उपाध्यक्ष (श्री गोपी चंद गहलौत) : माननीय अध्यक्ष जी, यह मेरे क्षेत्र गुड़गांव का मामला है इसलिए मैरी बात सुनें। चौधरी भजन लाल जी व बंसी लाल जी मैं आप दोनों की मिलीभगत बताता हूॅ आप सुनने की क्षमता रखें। (ाोर एवं व्यवधान)

चौ.बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी पर्सनल ऐक्सप्लैने ान तो सुन लें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : बंसी लाल जी, आप बैठ जाएं।

चौ. बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल ऐक्सप्लैने ान नहीं सुनी जा रही है इसलिए हम ऐज ए प्रौटेस्ट सद से वाक आउट करते हैं।

(इस समय हरियाणा विकास पार्टी के सदन में उपस्थित सभी सदस्य सदन से वाकआउट कर गए।)

श्री उपाध्यक्ष (श्री गोपी चंद गहलौत) : अध्यक्ष जी, गुड़गांव के बारे में जमीन घोटाले की बात कर रहे हैं यह जो एच. एस.आई.डी.सी. की जो जमीन दी गई उसके बारे में तो हमारे मुख्य मंत्री जी ने बता दिया है। अध्यक्ष महोदय,गुड़गांव के इतिहास ज्यूडि ियरी के मामले में जो सबसे काला दिन था वह था 6–7–1998।वह ऐसा दिन था जैसा की भाई चन्द्र भाटिया ने परसों–चौथबताया था कि भाायद हयिाणा के इतिहास में ऐसा कोई मामला नहीं हुआ होगा जैसा कि गुड़गांव के डी.सी. सहित 12 आदमियों को 6 महीने की कैद की सजा हुई और प्रत्यंक को दो–दो हजार रूपये जुर्माना और एक लाख रूपये कोस्ट देनी पड़ी। वह यह बतायें कि यह मामला क्या था ? इसके बारे में मैं सदन को बताना चाहूॅगा कि यह जो 20 एकड़ की बात कर रहा हूॅ केवल मात्र 300 रूपये गज के हिसाब से एच.एस.आई.डी.सी. ने दी इस 20 एकड़ जमीन की किस दिन रजिस्ट्री के पैसे दिये गये। यह मामला आज से तीन दिन पहले भी आया था कभी कोई ऐसी मिसाल नहीं मिली होगी जिसके अन्दर कभी डी.सी. और एस.एच. ओ. सहित कई अन्य अधिकारियों को सजा हुई हो यह बड़ी निनदनीय बात है कि चौधरी बंसीलाल जी कह रहे थे कि एक और मामला था कि यह डी.एल.एफ.। अंसल के अन्दर अढ़ाई एकड़ जमीन इन लोगों ने वक्फ बोर्ड की भी नहीं छोड़ी। उस जमीन को

कितने पैसे में खरीदा और किस ने खरीदा। चौधरी भजन लाल जी यह अढ़ाई एकड़ जमीन वक्फ बोर्ड की एफ.आई.आर. नं. 453 में दर्ज है जिसके ऊपर जबरन कब्जा कर लिया गया। गोलियां चली और पुलिस की तरफ से 53 आदमियों पर झूठे मुकदमे बनायं गये उस मामले मे बपद इन्म्वायरी हुई जो मिली भगत की बात कर रहे थे।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर है।

श्री अध्यक्ष : आप बैठिये। आपको इजाजत नहीं दी है। कर्ण सिंह की बात को रिकॉर्ड न किया जाये।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर है।

श्री अध्यक्ष : कर्ण सिंह दलाल ने जो कहा है वह रिकॉर्ड न किया जाये।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर है।

श्री उपाध्यक्ष (श्री गोपी चंद गहलौत) : अध्यक्ष महोदय, इनके अन्दर सुनने की क्षमता होनी चाहिये। डी.एल.एफ. की जमीन में और सु ांतलोक की जमीन में तीन आदमी बिल्कुल इकट्ठे थे खलील अहमद तहसीलदार, वीरेन्द्र सिंह कानूनगी बौर

जसवंत पटवारी यं असमें भी थे और इसमें भी थे परन्तु वक्फ बोर्ड की भी सु ाांतलोक की जो अढ़ाई एकड़ जमीन थी उसमें एक नाम नया था वह था कुलदीप सिंह बि ानोई जिनके खिलाफ हाई कोर्ट में मुकदमा दायर हुआ जिसके खिलाफ एफ.आई.आर. नम्बर 1106 दर्ज हुई। एफ.आई.आर. नं. 453 चौधरी भजनलाल जी के समय में कब्जा हुआ तब की बात है और एफ.आई.आर. नं. 1106,2–10–1996 को दर्ज हुई जब चौधरी बंसीलाल जी हरियाणा के मुख्य मंत्री थे। इससे बड़ी बात कहीं नहीं हुई होगी कि कोर्ट से कागज गायब हुये थे। 27 तारीख को छुट्टी के दिन जब हाई कोर्ट से सट्ट मिल गया। उसके बाद रजिस्ट्री तहसीलदार के या डी.सी. के घर बैठकर हुई। कहीं ीाी ऐसा संयोग नहीं मिलेगा। मैं माननीय मुख्य मंत्री महोदय से निवेदन करूॅगा कि ये इन दोनों मामलों की जिसमें 20 एकड़ की जमीन जो सरहोल गांव की है जिसकी फरियाद लेकर एक विधवा दर–दर घूम रही है करोड़ों रूपये की जमीन है लेकिन उसके पैसे का भुगतान नहीं हुआ। जबरन जमीन पर कब्जा हुआ है तथा ऊसरी सु ाांत लोक की जिस की चर्चा मैं पहले कर चुका हूॅ। मैं आपसे चाहूॅगा कि इन दोनों मामलों की तहकीकात विजिलैंस से करवायी जाये ताकि इन दोनों को अपने चेहरे का पता लग सके चह बात कहकर मैं अपनी बात समाप्त करता हूॅ, धन्यवाद।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर है।

श्री अध्यक्ष : आप बैठ जाइये, Not allowed.।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर है। आप सुन तो लीजिये। मैं गलत नहीं कह रहा।

श्री अध्यक्ष : आप बैठ जाइये, आप बगैर इजाजत बोल रहे है आप गलत कहो या ठीक कहो आप इजाजत लेकर नहीं बोल रहे हैं इसलिए बैठ जायें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर है। मेरा आपसे अनुरोध है कि आप मेरी बात सुनें । मैं कोई गलत बात नहीं कहूँगा।

श्री अध्यक्ष : आप तो कोई गलती नहीं करते आप तो वैल में आकर भी खड़े हो जाते हैं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर पर बोलने का हक है।

श्री अध्यक्ष : जब आपको अलाऊड नहीं किया गया है तो फिर आपके बोलने का कोई मतलब नहीं है, आप बैठ जाइये।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर है। मैं अण्डर रूल अपनी बात कहना चाहूँगा।

श्री अध्यक्ष : कोई रूल नहीं, आपने जाना है आपकी कम्पली चली गई है इसलिए आप भी जाने वाले है। आप बैठ जायें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर है। आप मुझे मेरी बात तो कहने दीजिये।(ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप बड़े सीनियर मैम्बर है, आपको बोलने की इजाजत नहीं है, आप बजट पर भी बोले है और बापको बोलने का पूरा मौका लिा है। इसलिए आप बैठें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, आप मुझे सीनियर मैम्बर मानते हैं इसके लिए आपकी मेहरबानी।

चौ.जगजीत सिंह : अध्यक्ष महोदय, दलाल साहब कोई अच्छा सुझाव देना चाहते हैं इसलिए आप उनकी बात सुन लें।

श्री अध्यक्ष : कर्ण सिंह दलाल और जगजीत सिंह सांगवान की कोई बात रिकॉर्ड न की जाए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, हमारी बात नहीं सुनी जा रही है इसलिए हम एज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट करते हैं।

(इस समय रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के सदस्य श्रीकर्ण सिंह दलाल एवं नै ानलिस्ट कांग्रेस पार्टी के सदस्य श्री जगजीत सिंह सांगवान सदन से वाक आउट कर गए।)

श्री उपाध्यक्ष (श्री गोपी चंद गहलौत) : अध्यक्ष महोदय, मैंने अपी रिक्वैस्ट कर दी कि हमारे क्षेत्र के साथ 2–3 केसिज में बड़ा अन्याय हुआ है, मैं सरकार से चाहूॅगा कि वहां विजीलैंस से जाचं कराई जाए। 20 एकड़ की जमीन में से उस विडो को एक रूपया भी नहीं दिया गया। भजन लाल जी मेरे साथ बैठे हुए पूछ रहे थे कि उस समय कांग्रेस का कौन एम.एल.ए. था तो मैं बताना चाहूॅगा कि उस समय पुरूशभान कांग्रेस का एम.एल. ए. था और उसके भाई वृशभान को सजा ीाी हुई हौ इसनिए मैं सरकार से चाहूॅगा कि इन 2–3 केसिज में तहकीकात क जाए और विजीलैंस से इसकी इन्क्वायरी करवाई जाए।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, माननीय गोपी गहलोत ने जिन केसिज का उल्लेख किया है, इनके बताने के मुताबिक ये खासे गम्भीर मामलात दिखाई देते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सारे सदन को इस बात के लिए आश्वस्त करना चाहता हूॅ कि गोपी चन्द गहलोत जी इस मामले से सम्बन्धित सारे डाक्यूमैंटस प्रस्तुत कर दें, सरकार विजीलैंस के द्वारा इसकी इन्क्वायरी करवाएगी।

श्री कृश्णपाल गुर्जर :

श्री अध्यक्ष : कृश्ण पाल जी जो कुछ कह रहे हैं वह रिकॉर्ड न किया जाए।

वर्श 2002–2003 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr.Speaker : Now, the Finance Minister will give reply on the Budget for the year 2002-2003.

वित मंत्री (प्रो. सम्पत सिंह) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, 13 मार्च 2002 को मैंने सदन के सामने हरियाणा का बजट प्रस्तुत किया। इस बजट पर माननीय सदस्यों ने 3 दिन तक लगातार बहस की। काफी अच्छे–अच्छे सुझाव भी आए हैं, कुछ लोगों ने रचनात्मक आलोचनाएँ भी की है। अधिकतर सदस्य बजट से अलग होकर भी बोलें हैं। मैंने उस दिन भी बीच में उठकर कहा था कि आपको एक–एक बात का जवाब हम देंगे। लेकिन आप उस वक्त उपस्थित जरूर हों। लेकिन बड़े अफसोस की बात है कि अपोजि ान कोई न कोई बहाना बनाकर सदन से ाक आउट कर गई। इसी तरह से जब गवर्नर एड्रैस पर मुख्य मंत्री महोदय की रिप्लाई आई, तब भी ये वाक आउट करके चले गये थे। जबकि इनका यह फर्ज बनता था कि मौके पर मौजूद होते, रिप्लाई के समय इनको एक–एक बात का जवाब दिया जाता उस जवाब को ये सुनते और ये बात लोगों तक पहुंचती और क्लैरीफिके ान होती। आज बजट का रिप्लाई आ रहा हैं। हरियाणा प्रदे ा की तकदीर का सवाल बजट से जुड़ा हुआ हैं। यह सारे साल का लेखा–जोखा होता है ये केवल आंकड़े ही नहीं होते हैं,सरकार की

नीतियां होती हैं कि सरकार किस–किस विभाग में किन–किन वर्गों के लोगों के लिए क्या–क्या करने आज फिर विपक्ष के भाई सदन में नही हैं। इससे ज्यादा हरियाणा प्रदे ा का दुर्भाग्य और क्या हो सकता है ? विपक्ष के भाइयों का व्यवहार बहुत गैर–जिम्मेदाराना है ये अपनी उल्टी–सीधी बातें कह देते हैं और जब सरकार का जवाब देने का समय आता है तो ये यहां से चले जाते हैं। ये जवाब सुनने की हिम्मत नहीं रखते। स्पीकर सर, आप स्वंय जानते हैं कि आज के दिन दुनियां किस दौर से गुजर रही है। अकेला किन्दुस्तान नहीं बल्कि ग्लोबल लैवल पर रिसैरूान आया हुआ हैं। आज मंदी का दौर चल रहा है। अमेरिका और यूरोप जैसे दे ा जो अपने आपको लीडिंग कन्ट्रीज मानते हैं कि आज के दिन दुनियां किस दौर से गुजर रही है। अकेला हिन्दुस्तान नहीं बल्कि ग्लोबल लैवल पर रिसै ान आया हुआ है। आज मंदी का दौर चल रहा हैं। अमेरिका और यूरोप जैसे दे ा जो अपने आपको लीडिंग कन्ट्रीज मानते हैं वहां भी बहुत जबरदस्त रिसै ान आया हुआ है। वहां से लाखों लोग आई.टी और कम्प्यूटर सैक्टर से बेरोजगार होकर अपने–अपने दे ा आ रहे हैं। स्वाभाविक है कि मंदी की मार हिन्दुस्तान पर भी पड़ी है, हिन्दुस्तान की सरकार पर पड़ी है और हरियाणा जो कि एक छोटा सा प्रदे ा है उस पर भी मंदी की मार पड़ी है, मैं यह बात मानता हूॅ। लेकिन मुझे यह कहते हुए गर्व है कि हम अपने मुख्य मंत्री चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी के दि ाा निर्दे ाों पर चलते हुए, उनकी लीडरि ाप में काम करते हुए अपने वित पर कंट्रोल करके जितना भी हमारे पास बजट

मौजूद था, जितने हमारे संसाधन थे उन संसाधनों का सही इस्तेमाल करके लोगों तक अच्छी सेवाएं पहुॅचाई है। इसका श्रेय मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को देना चाहता हूॅ। स्पीकर सर, भाायद ही कोई ऐसी स्टेट होगी जहां मुख्य मंत्री ऑर्डर करें और वित विभाग उन ऑर्डरों को न मानें या वापिस भेज दें। मेरे कहने का मतलब यह है कि मुख्य मंत्री जी के ऑर्डर कोई टाल नहीं सकता लेकिन इस बात के लिए मैं मुख्य मंत्री जी को बधाई देता हूॅ कि इन्हें कड़वे से कड़वा फैसला लेना पड़ा ही लेकिन इन्होंने बजट को विदिन लिमिट रखने में, प्लॉन को पूरा करने के लिए नॉन प्लॉन एक्सपैंडिचर को कम करने के लिए, रैवेन्यू रिसीटस को बढ़ाने के लिए महत्वपुर्ण योगदान दिया और अच्छा बजट बनाने में वित विभाग का मार्गद र्ान किया है। हमारे मुख्य मंत्री ने वित विभाग की हर बात मानी है और मुख्य मंत्री जी तकरीबन हर माईल पर लिख देते है कि वित विभाग से राय लें ली जाये।हिन्दुस्तान मं ऐसा भाायद ही कोई और मुख्यमंत्रीहो जिसने वित विभाग का इतना ज्यादा मार्गद र्ान किया हो, वित विभाग का इतना साथ दिया हो। वरना मुख्यमंत्री फरमान जारी कर देते हैं चाहू उससे वित विभाग पर, कितना भी बोझ क्यो न पड़े, चाहू वित विभागका उससे प्रबंध बिगड़ जाये और सारा प्लॉन खत्म हो जाये, चाहू सारी अर्थ–व्यवस्था चरमरा जाये। लेकिन हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने हमारे विभाग की कद्र की है और जितनी बधाई दूं वह कम है। स्पीकर सर,विपक्ष के साथीयों ने बजट के बारे में जो जिक्रकिया है उस बारे में मैं सबसे पहले जो हमारे अखबार हैं, न्यूज पेपर हैं,

मीडिया हैं उनकी मैं प्र ांसा करता हूॅ। मैं बताना चाहूॅगा कि इन्होंने हमारे बजट के लिए सरकार की सराहना की है, अखबारों की तरह विपक्ष के भाइयों को भी सच बोलना चाहिए था। कुछ अखबारों ने तो यहां तक लिखा है कि हरियाणा प्रदे ा का बजट संतुलित बजट हैं। मौजूदा हालतों में, परिस्थितियों में इससे अच्छा बजट नहीं हो सकता। इसके अतिरिम्त अखबारों ते यह भी लिखा है कि हरियाणा के साथ मंजाब और हिमाचल प्रदे ा पड़ते हैं। इन दोनों प्रदे ाों का जिक्र किया है कि ये दोनो प्रदे ा भारत सरकार की सहायता के रहमो–करम पर चल रहे हैं अगर भारत सरकार इनको सहायता न दे तो ये राज्य अपने कर्मचारियों को तनख्वाह भी नहीं दे सकते। साथ में यह भी लिखते हैं कि उन दोनों के बजट के मुकाबले हरियाणा का बजट हजार दर्जे अच्छा है। स्पीकर सर, यह मैं नहीं कह रहां हूॅ यह बात न्यूज पेपर कह रहे हैं जो कि निश्पक्ष हैं और जनता तक अपनी सही बातें पहुॅचाते हैं। इससे ज्यादा हरियाणा प्रदे ा के बजट की और प्र ांसा क्या होगी ? स्पीकर सर, हमने इस बजट में मूल संरचना के अमूक ढ़ांचे को मजबूत करने के लिएवि ोश ध्यान दिया है। चाहे इरिगे ान हो,पावर हो,रोडज हो,ट्रांसपोर्ट हो हर विभाग कीतरफ हमने वि ोश ध्यान दिया हैं। इसी तरह से कृशि पर और जिला ग्रामीण विकास परभी ध्यान दिया गया है। खासकर सामाजिक सेवाओं पर सबसे ज्यादा बल दिया है। चाहे बुढ़ापा पैं ान की बात हो, चाहु निराश्रित लोगों क बात है, चाहे विडोजकी बात है, हरेक की तरफ ध्यान दिया गया है इसी तरह सामाजिक सुरक्षा की

तरफ ध्यान दिया गया है हमारे वितीय साधनों पर भी प्रभाव पड़ा हैं। इसी प्रकार से जोभारत सरकार से मदद आनी थी वह भी कम हुई है। हम मानते हैं कि भारत सरेार की भी अपली लिमिटे ान्ज हैं, उन पर भी मन्दी का असर पड़ा है इसलिए हमें 90 करोड़ रूपये तो केन्द्र सरकार की तरफ से कम आये और आर्थिक मन्दी के कारण हमारे राजस्व में भी 130 करेाड़ रूपये की कमी आयी है। ये जो कह रहे हैं कि प्लॉन में खर्चा कम किया गया, इसको कम करना हमारी मजबूरी थी।

इसी तरह से सहारी संस्थाएं जो हैं, जैसर चीनी मिल हैं, सीानीय निकाय हैं, इन पर भी अधिक बोझ आया है। सरकार ने भी इन संस्थाओं को वितीय मदद दी है और अब चौधरी बंसी लाल जी को बताना चाहूॅगा कि इनके वक्त के गन्ने के बकाया पैसे जो तकरीबन 21 करेाड़ रूाये थे, वे भी मौजूदा सरकार ने दिये हैं। इसी तरह से म्यूनिसिफ्ल कमेटी के कर्मचारियों को जिनको दो–दो साल से तनख्वाह नहीं मिल रही थी उनकी तनख्वाहों की अदायगी भी मौजूदा सरेकार ने की हैं। इसी प्रकार से जो गवर्नमैंट ऐडिड प्राइवेट स्कूल्ज सरकार ने दिया है। मेरे कने का मतलब यह है कि जब इस सरकार ने सता सम्भाली तो काफी देनदारियां हमने देनी थी। हमारी सरकार को आते ही कुछ ऐसे खर्चे करने पड़े जिस कारण प्लॉन का खर्च कम हुआ है और नॉन प्लॉन में खर्च अधिक बढ़ा हैं। हमने जो किया है वह लोगों की भलाई के लिए किया हैं। इसके बावजूद भी सरकार ने अच्छा

वितीय प्रबन्ध किया है उसकी झलक भी इस बजट में दे रखी है। पूरा बजट पढ़ें तो आप पायेंगे कि हमने गैर उत्पादक खर्चों में कमी की हैयाजि उनको कम किया है। इसी प्रकार से कर प्रणाली में भी सुधार करके उनका सरनीकरण करके, आय साधन जुटा करके और अपने दूसरे खर्चों में भी कमी करने जा रहे हैं। 11 वें वित आयोंग ने जो वितीयसुधार करने के लिए हमारे को जो दि ाा–निर्दे ा दिए हैं उनकी तरफ भी हम पूरी तरह सेकदम बढ़ा रहे हैं। एक तरफ तो ये कह रहे है कि एस्अेब्लि ामैंट पर खर्च बढ़ता जा रहा है और ऊूसरी तरफ कह दिया कि कर्मचारियों के 5400 पद खत्म कर दिये हैं। स्पीकर साहब, अगर हम सारे दे ा के इस बारे में आंकड़े लें और पर–थाऊजैण्ड मुलाजिम देखें तो आपके प्रदे ा में 1000 आदमियों पर 16 आदमी सर्विस में हैं यानि हिन्दुस्तान में सबसे ज्यादा है। दूसरा नम्बर पंजाब का आता है। पंजाब की माली हालत के बारे में भी आपको पता है। वहां प्रति 1000 के पीछे 14 कुछ हैं। इसके बाद थर्ड नम्बर राजस्थान का आता है जहां पर प्रति 1000 के पीछे 4.6 की मुलाजिम की पोजी ान हैं। हमारे यहां दूसरे राज्यों की अपेक्षा 4 गुणा मुलाजमियत है। इसके बावजूद भी हमारी सरकार हरियाणा प्रदे ा के विकास के लिये, लोगों के हितों के लिए,उनके विकास के लिए काम कर रही है और इन सब के बावजूद भी लोगों के विकासके कामों में हर्ज नहीं आने दे रही है। इमने अब फैसला किया है कि जा अननैसेसरी पद हैं, जो दो साल से खाली पड़े हैं और जिनकी जरूरत नहीं है उन पदों को खत्म किया जायेगा लेकिन जहां

जरूरत पड़ी है, जैसे पुलिस महकमे में भर्ती की जरूरत पड़ी, डाक्टर्ज की भर्ती करने में जरूरत पड़ी, प ाुपालन में भर्ती की जरूरत पड़ी या अन्य कवभागों में भर्ती की जरूरत पड़ी है तो उन सब में भर्ती भी की है लेकिन नाजायज पदों को भी खत्म किया है और जायज पद भरें भी है। इस तरह से हमने अपने बजट को संतुलित रखा है। स्पीकर साहब, जहां तक एस्अेब्लि ामैंट का खर्चा है इस बारे में चौधरी बंसी लाल जी ने भी और दूसरे सदस्यों ने भी कहा कि इस पर काफी ज्यादा खर्च बढ़ गया हैं।जबकि हम कह रहे हैं कि हमने यह खर्चा घटाया है। इस बारे में बजट में दिए हुए आंकड़े बता रहे हैं। इन उपायों के ही परिणाम निकले हैं कि जहां पहले वेतन खर्च में कटौती और राजस्व प्राप्तियां 52.23 प्रति ात था वहां अब कम होकर चालू वर्श में 50.88 प्रति ात हो गई। इसी प्रकार से पिछले वर्श ब्याज अदायगी पर जो खर्च था, जो राजस्व प्राप्तियां थीं, वे 23.82 प्रति ात थीं लेकिन अब घटकर 22.82 प्रति ात हो रही है। स्पीकर साहब, इस तरह से आप देख रहे हैं कि हम सुधार की तरफ कदम बढ़क रहे हैं इसी तरह से चालू वित वर्श में सं ाोधित अनुमानों में जो राजस्व घाटा है वह 1170.48 करोड़ रूपये रह गया है जो कि 2002–03 के बजट अनुमानों के अनुसार 114.25 करोड़ रूपयें से घट कर 1056.23 करोड़ रूपये रह जायेंगे। स्पीकर साहब, इस बारे में मेरे पास दूसरी स्टेट्स के भी आंकड़े हैं। मैं बताना चाहूॅगा कि हमारे पड़ौस में हिमाचल प्रदे ा छोटा सा राज्य है लेकिन वहां हमारे से ड्योढा यानि 1502 करोड़

रूपये डैफीसिट हे। इसी तरह से कर्नाटक में 2664 करोड़ रूपये, राजस्थान में 3 हजार करोड़ रूपये और दिल्ली में भी जहां कांग्रेस की सरकारें हैं वहां पर भी 2 हजार करोड़ रूपये का डैफीसिट है। इससे आप अन्दाजा लगा सकते हैं कि हमारी विलीय स्थिति कैसी है हमारी वितीय स्थिति बेहतर हो गई हैं। अगले वर्श राजस्व की प्राप्तियों में 12.3 की वृद्धि सम्भावित आंकी गई है इसके मुकाबे राजस्व खर्च है एक तरफ रैवेन्यू रिसीट्स और ऊसरी तरफ रैवेन्यू एक्सपैंडिचर की वृद्धि 9.3 रहेगी इसका मतलब यह है कि राजस्व वृद्धि से 3 कम है यह भी सुधार की तरफ कदम है, पोलीटिव स्टैप है। स्पीकर साहब, इन तथ्यों से यह प्राप्तियां पिछले वर्शो के सकल घरेलू उत्पाद की 8.01 थी जो बढ़ कर चालू वित वर्श में 8. 26 आ गई है यह इण्डिके ान स्पश्ट को रहा हैं। जहां तक बजट घाटे को पूरा करने की बात का सवाल है, यह कहा जा रहा है कि बजट घाटा आपका 202 करोड़ रखा गया है। पिछले वर्श 191.7 करेाड़ का घाटा था जब कि इस वर्श 202 करोड़ रूपये का घाटा रखा गया है। जैसे कि मैंने पीछे भी बताया है कि इसका कारण केन्द्रीय सरकार से 90 करोड़ रूपये कम आना तथा दूसरे वर्ल्ड बैंक से 74 करोड़ रूपये कम आना रहा है। प्रोजैक्ट का फर्स्ट फेस 31 दिसम्बर को खत्म हो गया था अगर वह प्रोजैक्ट 31 मार्च तक चलता तो हमें 100 करोड़ रूपये के करीब फालतू मिल जाने थे अतः यह बजट घाटा ऑलमोस्ट मीट आउट हो जाता। स्पीकर सर, इस घटे के यं कारण रहे हैं अगले वर्श में 202 करोड़ रूपये का जो घाटा रखा है इसमें स्पीकर सर, मैं यह क्लीयर करना

चाहूँगा कि जो केन्द्र सरकार का बजट है उससे हमे कुछ अधिकपैसा मिलने की उम्मीद हैं। उसकी वजह से अतिरिक्त सहायता से घाटा पूरा किा जाएगा। केन्द्र सरकार के अगले बजट में राज्य सरकारोंकी केन्द्र में हिस्सेदारी और बढ़ेगी। इसके अतिरिक्त लघु बचत योजनाएं, स्मॉल सेविंग्ज का 80 लघु बचतो के अगेन्स्ट मिलता था अब ेन्द्र सरकार ने फैसला कर लिया है कि 100 इसका हमे मिलेगा। पिछले दिनों आपने अखबारें में पढ़ा होगा मुख्यमंत्री जी ने डी.सीज. और ऑफिसर्ज की मीटिंग में हमने जो टोटल टारगेट रखा था उसको भी दुगना कर दिया है। स्पीकर सर, यह जो पैसा आएगा इससे बजट घाटा ऑलमोस्ट खत्म हो जाएगा और अगलें साल यह घाटा खत्म हो जाएगा। स्पीकर सर, इसी प्रकार से आने वाली 5 अप्रैल, 2002 को मुख्यमंत्री महोदय योजना आयोग से मिलने जा रहे है और फाईनैंस क पूरी टीम भी उनके साथ जा रही है। हमें पूरी उम्मीद हैकि हमारे जो बैस्ट फाईनैंि ायल मैनेजमैंट रहा है उसकी वजह से हमें और फालतू पैसा मिलेगा। पिछली बार भी हमने इस बारे में प्रयास किया था उन्होंने इस तरह के इण्डिके ान्ज दिए थे कि आप यह–यह सुधार करके आएंगे तो आपको फालतू पैसर दिया जाण्गा। जिनकी मैनेजमैंट अच्छी है जिनकी गुड गवनैंस है, को केन्द्र की तरफ से अतिरिक्त पैसा दिया जाएगा। हमें पूरी उम्मीद है कि हमें उनसे भी पूरा पैसा मिलेगक। स्पीकर सर, काफी माननीय सदस्यों ने इस बात का जिक्रकिया वि ेशकर मांगे राम गुप्ता जी और दूसरे साथियों ने भी जिक्र किया हक इन्फ्रास्ट्रक्चर पर इस बार खर्चा

कम कर रहे है। पिछली दफा यह 54.6 था इस बार 42.14 रख रहे है। स्पीकर सर, इस के बारे में मैं आपको बताना चाहूॅगा कि पिछली बार जो 54.6 रखा था उसके अन्दर जो वर्ल्ड बैंक के लोन से आना था वह पैसा मिला हुआ था यानि वो पैसा भी भाामिल था क्योंकि सरकार में खजाने मे आ कर उसके बाद बिजली बोर्ड को मिलता था अब क्योंकि स्पीकर याहब, वर्ल्ड बैंक से लोन नहीं ले रहे है। बिजलीह बोर्ड, पी.एफ.सी. से आर.ई.सी. से साधन जुटा रहा है क्योंकि वर्ल्ड बैंक की भार्तो को मानने के लिए हम तैयार नहीं थें उसकी वजह से जो लोन लिया जा रहा है वह केन्द्र की दूसरी संस्थाओं जैसे पावर फाइनैंि ायल कारपोरे ान है, इलैक्ट्रीफिके ान कारपोरे ान है उनसे जो पैसा लोन पर ले रहे हैं इस साल में भी तकरीबन 634 करोड़ रूपये आया है और अगले साल तक 600 करोड़ से ऊपर आयेगा। अगर वह पैसा इसमें और जोड़ लिया जाए तो यह इन्फ्रास्ट्रक्चर पर 56 से ऊपर खर्चा पड़ेगा जो कि बहुत ही सराहनीय कदम है। स्पीकर सर, इससे अर्थ व्यवस्था में सुधार होगा स्टेट की आमदनी के साधन बढ़ेंगे, उत्पादन के साधन बढ़ेंगे और प्रोजैक्ट को और जोड़ लेते हैं तो मैं दावे के साथ कह सकता हूॅ कि 64 से फालतू यह खर्च होना है। बिजली, पानी, सड़कें जिनको इन्फ्रास्ट्रक्चर खर्चा बोलते हैं उन पर यह 64 से ऊपर जा कर पड़ जाएगा। स्पीकर सर, यह राजस्व के लक्ष्य प्राप्ति की बात है। मेरे कई साथी विधायकों ने जिक्रकिया कि इस चालू वित वर्श के बजट अनुमान में यह राजस्व 5105.92 करोड़ रूाये रखा था। जिसमें सं ाोधित अनुमान 4975.

10 करोड़ रूपए कर दिया है। अब इन्होंने यह कह दिया कि आपने इतना कम क्यों कर दिया। स्पीकर साहब हमने कोई टैक्स नहीं लगाए हैं। अब सदन में विपक्ष के साथी होते तो वे ही बताते हक हमने कौन सा टैक्स लगाया है। हमनें केवल मात्र लोकल एरिया ढिवेल्पमैंट टैक्स लगाया था। आज भी ये स्पीकर साहब उसको लागू नहीं होने दे रहे थे। कोर्ट कचहरी में झमेलाहोने की वजह से वह रूक गया था। हाई कोर्ट में हलांकि सरकार केस जीत गई है। अब वाला पैसा आएगा और जब वह पैसा आएगा जो यह जो अनुमान हमने रखा था हमारा वह अनुमान पूरा हो जाएगा।अदरवाईज हरियाणा प्रदे ा में हमारीसरकार बनने के बाद एक नए पैसे का कोई करनहीं लगाया गया है। किसी डिपार्टमैंट में सर्विस चार्जिज बढ़ा दिए, यूर्जिज चार्जिज बढ़ा दिए वह अलग बात है। अब यहां पर म्यूनिसिपल कमेटी की बात कर दी। म्यूनिसिपल कमेटी अपने आप में एक ओटोनोमस बाडी है उनका जिक्रबजट के अन्दर नहीं आता है। इसी तरीके से दूसरे और भी मद हैं जिनका जिक्र बजट में नहीं आता है हमारी इस हरियाणा सरकार का जहां तक सवाल है तो हमारी सकार ने एक नया पैसा नहीं बढ़ाया है बल्कि हमने तो घटाया है। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से बताना चाहूॅगा कि हमने एच.आर.डी.एफ. का फंड घटाया है, मार्किट फीस घटी है,जितना मोटा अनाज था चाहू वह बाजरा था, ज्वार था, चने की दाल थी ऐसी–ऐसी तकरीबन 20 से 25 के करीब आईटम्ज बनती हैं इसको हमने 12 से 8 प्रति ात किया है। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से इनको बताना चाहूॅगा कि हमने

घटाने का काम किया है बढ़ाने का काम नहीं किया है। इसी तरह हमने टैक्स के अन्दर सुधारीकरण का काम किया है। उसकी सिम्पलीफिके ान की गई है। स्पीकर सर, पांच करोड़ रूपये की सैल्फ असैसमैंट के ऊपर जिसकों हम डीमड असैसमैंट बोलते है। व्यापारियों को दफ्तरों में चक्र नहीं काटने पड़ें, इन्सपैक्टरी राज खत्ज हो जाए। जो असैसमैंट 5 करोड़ रूपये तक की दे देते हैं इनको होती है उनको विभाग मान लेता है। इन्कम टैक्स की तरफ से सक्रूटनी करना एक अलग बात है। इससे बड़ी सुविधा हरियाणा सरकार और क्या दे सकती है। इसी वजह से पिछली आय के मुकाबले में साढ़े 15 प्रति ात के करीब आय बढ़ी है। हमारे से पहले चौधरी बंसी लाल जी मुख्यमंत्री हुआ करते थे उनके जाने के बाद हमारे मुख्यमंत्री जी श्री ओम प्रका ा चौटाला जी ने सरकार सम्भाली तो उनके वक्त में जो टैक्सों की इन्क्रीज थी वह 1.7 प्रति ात दिखाई गई थी। वह कैसे दिखाई थी कि अप्रैल महीने की पहले ही असैसमैंट करके मार्च महीने में एडवांस में कलैक ान लेकर दिखाई थी। अदरवाईज हरियाणा में इतिहास में माईनस टैक्स का रिकॉर्ड होता। आज की सरकार 15 प्रति ात एक्साईज का मिलाकर दे रही हैं। यह भी बहुत सराहनीय काम है। यह कैसे हो पाया है, यह सरेार के अधिकारियों की वजह से हो पाया है, सरकारकी स्पश्ट नीति की वजह से हो पाया है। आज एक अच्छा वातावरण देने की वजह से, व्यापारियों के साथ फरैन्डली रिले ान देने की वजह से रैवेन्यू बढ़ाया जा सका है। मैं इन लोगेां को बताना चाहूॅगा कि लाठियां चलाकर, गोलियां चला कर व्यापारियों

पर 307 के तहत केस दर्ज करके रैवेन्यू नहीं बढ़ाया जा सकता है। हमने बकायदा लोगों के साथ मिलकर के यह रैवेन्यू बढ़ाया है। (ाोर एवं व्यवधान) इसी तरह से यहां पर एक्सरईज डयूटी की बात आई। इस बारे में मेरे कुछ भाईयों ने यह सं ाय जाहिर की कि एक्साईज में कमी आई है। पिछले वर्श में एक्साईज डयूटी का लक्ष्य 870 करोड़ रूपये का रखा गया थाजिसमें फरवरी तक 801.73 करोड़ रूपया आ गया है। स्पीकर सर, एक महीने की एवरेज लगाएं तो जो लक्ष्य हमने 870करोड़ रूपए का रखा था उससे फालतू ही बैठता है। मुझे पता नहीं कि ये कैसे कह रहे हैं कि यह कम हो गया है। स्पीकर सर, इस मद में 2002–2003 में 940 करोड़ रूपये का लक्ष्य रखा गया है जो कि 8 है और उसको हम पूरा करेंगे। सदन में मुख्य क्षेत्रो में धन की कम व्यवस्था का भी जिक्र किया गया है। मैं इनको बताना चाहूॅगा कि कृशि में 928.37 करेड़ रूपये का पिछली बार प्रोविजन किया गया था इस बार इस को बढ़ा कर 944.61 करोड़ रूपये का प्रोविजन हैं। बिजली के बारे में मैने पहले भी बताया कि पिछले वर्श 882 करोड़ रूपये थे इस बार इसमे 1144 करोड़ रूपये रखे गए है। इसके अलावा 600 करोड़ रूपये का जो लोन है वह अलग से है। पहले जो वर्ल्ड बैंक का जो लोन आता था वह सरकार के खाते में आता था इस लिए वह बजट में दिखा दिया जाता था। अब जो लोन है वह डायरैक्ट बोर्ड को मिलता है। अगर इसको मिलाए तो यह 11 प्रति ात से 14 प्रति ात हो जाता है। इसी तरह से सिंचाई है इसमे पिछले वर्श के मुकाबले में 730 से बढ़ा कर 767 करोड़

रूपये, सड़क एवं भवन में 468 करोड़ से बढ़ा कर 555 करोड़ रूपये,ि ाक्षा में 15 से 16,16 से 17 और 17 से 65 करोड़ रूपये, स्वास्थय विभाग में 348 से बढ़ा कर 405 करोड़ रूपये, समाज कल्याण में 480 से बढ़ा कर 503 करोड़ रूपये किए है। हरेक में बढ़ोतरी हुई है न जाने ये कहां से आंकड़े ले कर आए है पता नहीं सब चीजो के अन्दर बता रहे है। ये ऐसे यहां पर बोलते रहते हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री मागें राम गुप्ता : स्पीकर साहब, ऑन–ए–प्वायंट ऑफ ऑर्डर, वित मंत्री जी फरमा रहे है कि पता नहीं हम कहां से आंकड़े ले आए। मैं इनकोबताना चाहूॅगा कि ये आंकड़े इन्होंने ही दिए है। (विध्न) स्पीकर साहब, हमने जो भी आंकड़े पढ़े है वे वही पढ़े है जो वित मंत्री जी ने अपने बजट में पे ा किए है। स्पीकर साहब, मुझे बड़ा अफसोस है कि वित मंत्री जी ने कहा है कि सरकार के रिसोर्सिज बढ़े है। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जो बजट में पहली प्लॉनिग पे ा कि थी उस को ये 2500 करोड़ रूपये से घटा कर 1800 करोड़ रूपये ले आए। इसी तरह से प्लॉन 2100 करोड़ से घटा कर 1900 करोड़ रूपये पर ले आए थे। ये आंकड़े हमने अपनी तरफ से नहीं दिए है। स्पीकर साहब, ये हाउस को गुमराह क्यो कर रहे है। यह मेरे आंकड़े नहीं है। ये बताएं कि अब इनके रिसोर्सिज बाकी कहां रह गए ? ये 2500 करोड़ रूपये से 1800 करोड़ रूपये पर ले आए और फिर 1900 करोड़ रूपये से 1800 करोड़ रूपये पर ले आए एवमं उसके बाद 5400 करोड़

रूपये से यह 200 करोड़ रूपये पर ले आए। इस तरह से इन्होंने करीब बीस हजार करोड़ रूपये तक यह पहुॅचा दिया। ये क्या हाउस को बता रहे है ? इन्होंने 5500 करोड़ रूपये का घाटा 200 करोड़ रूपये ला दिया। इनके रिसोर्सिज कहां है (विध्न) सम्पत सिंह जी, इतना हाउस को गुमराह न करें। (विध्न)

श्री अध्यक्ष : गुप्ता जी, अब आप बैठ जाए। अब इनकी कोई बात रिकार्ड न करे।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय,

प्रो. सम्पत सिंह : स्पीकर सर, आप इनसे कहे कि ये बीच में टोका–टाकी न करे। इनको आराम से हमारी बात सुननी चाहिए। मांगे राम जी, आप धैर्य रखे। (विध्न)

श्री मांगे राम गुप्ता : स्पीकर सर,

श्री अध्यक्ष : गुप्ता जी, अब आप बैठ जाए। अब इनकी कोई बात रिकार्ड न करे।

प्रो. सम्पत सिंह : स्पीकर सर, ऐसा है कि एक घण्टे से भी ज्यादा समय तक गुप्ता जी बोले थे उस वक्त मैने इनको एक जगह पर भी इंट्रप्ट नहीं किया था अगर किया हो तो ये बता सकते है। अब ये मुझे बार–बार क्यों इंट्रप्ट कर रहे है। प्लॉन पर तो मैं अभी तक आया ही नहीं इन्होंने वैसे ही एडवांस गाड़ी चला

दी। प्लॉन के बारे में अभी मैं बताऊंगा। लेकिन ये सुनना ही नहीं चाहते। (विध्न)

श्री अध्यक्ष : मांगे राम जी, यह आप की तरह लोकल गाड़ी नहीं है बल्कि एक्सप्रैस गाड़ी है।

प्रो. सम्पत सिंह : स्पीकर सर, प्लॉन के बारे में जैसा गुप्ता जी ने कहां है कि पहले इतना प्लॉन दे दिया और उसमें कट कर दिया। स्पीकर साहब, आप को भी पता है कि प्लॉन के हमे ाा पहले अनुमान लगाए जाते है और उसके बाद ही प्लॉन बनाया जाता है। चाहे इन्होंने अपने समय में अनुमान लगाएं हो या चाहे बाद में चौधरी बंसी लाल जी के समय में अनुमान लगाएं हों, किसी के समय में भी अनुमान पूरे नहीं हुए। हमें तो मांगे राम जी द्वारा ऐप्रीि ाएट करना चाहिए कि अनरिएलिस्टिक अनुमानों को हम रिएलिस्टिक लाना चाहते है। इसके लिए इनको सरकार को दाद देनी चाहिए कि हम पहली बार रिएलिस्टिक फिगर्ज की तरफ आ रहे है वरना पहले ऐसा नहीं होता था। मैं गुप्ता जी के समय की बात इस बारे में बताना चाहता हूॅ। 1996–97 का जब इन्होंने बजट पे ा किया था उसमें इन्होंने 1434 करोड़ रूपए का प्लॉन रखा था लेकिन बाद में उसको रिवाइज करके इन्होंने 1370 करोड़ रूपए का कर दिया था और उसके बाद आप 1247 करोड़ रूपए के प्लॉन पर आ गए थे और उस समय लगभग दो सौ करोड़ रूपए पर आ गए थे। इन्होंने 1996–97 का प्लॉन भाायद रखा था।

श्री मागें राम गुप्ता : स्पीकर साहब, 1996 में तो हम छोड़ कर चले गए थे। यह रिवाइज करके अगली सरकार ने घटाया है।

प्रो. सम्पत सिंह : चलो कोई बात नहीं, मैं 1995–96 का बता देता हूँ।

श्री मागें राम गुप्ता : स्पीकर सर, यह हाउस को गुमराह कर रहे है। 31 मार्च,1996 को हमारी सरकार नहीं थी।

प्रो. सम्पत सिंह : चलो कोई बात नही, चौधरी बंसी लाल जी का टाईम होगा। स्पीकर सर, उस समय प्लॉन 1257 करोड़ रूपए का रखा था और ऐक्चुअल ऐक्सपैंडीचर 1116 करोड़ रूपए का हुआ था। उस वक्त इन्होंने 140–150 करोड़ रूपए बढ़ा चढ़ाकर रखे थे। ये बताएं कि यह क्यों रखे थे ? स्पीकर सर, यह रिवाइज आउट ले का और ऐक्चुअल ऐक्सपैंडीचर का कम्पैरिजन किया जाता है और 31 मार्च के बाद जब सारा ब्यौरा आ जाता है उसके बाद ही रिवाइज प्लॉन का करते है। रिवाइज प्लॉन में ये केवल 91 प्रसैंट को ही अचिवमैंट ले पाए थे। उसके बाद इनकी सरकार जाने के बाद चौधरी बंसी लाल जी की सरकार के वक्त की भी मैने फिगर्ज दी थी। 1996–97 में 91 प्रसैंट की ही अचिवमैंट उन की थी इसी तरह से 1997–98 में 92 प्रसैंट की अचिवमैंट थी। 1998–99 में 84.6 प्रसैंट की अचिवमैंट की। मांगे राम जी, आप इंडिकेटर देख लें। उस टाईम जब हमने राज

संभाला था। उस समय दो साल ऐसे गुजरे थे जो हरियाणा प्रदे ा कि काला इतिहास रहे। एक तरफ तो 1400–1500 करोड़ रूपए का रैवेन्यू घट जाना दूसरी तरफ जो नोजवान गुमराह हुए उनको ठीक रास्ते पर लाने के लिए सरकार को जो खर्च करना पड़ा वह अलग बोझ पड़ा। मांगे राम जी, आप ने पांच बार बजट पे ा किए है और वाणिज्य परिवार में आपने जन्म लिया है, मैंने किसान के परिवार में जन्म लिया है मैं तो आपसे सीखता हूँ। I am a learner. सारा कुछ इसमें दिया हुआ है फिर भी आप इसको नकार रहे है। 1400–1500 करोड़ रूपए के लगभग सरकार को रैवेन्यू का नुकसान हुआ था। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मांगे राम जी, आप बैठ जाएं।(ाोर एवं व्यवधान) यह कोई क्वै चन ऑवर नहीं है।

श्री मागें राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, यह तो क्वै चन ऑवर से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है।

श्री अध्यक्ष : मांगे राम जी की कोई बात रिकार्ड न की जाएं। आप बैठ जाइएं।

प्रो. सम्पत सिंह : स्पीकर सर, हमने कोई टैक्स नहीं लगाया। मांगे राम जी सुन ही नहीं रहे है। (विध्न) एक एल.ए.डी. टी. को छोड़ कर वह भी कोर्ट कचहरी के झमेले में रह गया था। अब कोर्ट ने सरकार के हक मे किया है इसके अलावा हमने एक नए पैसे काम भी टैक्स नहीं लगाया बल्कि माफियां दी है। कोई

यूजेज चार्जेज, कोई सर्विस चार्जेज या जो कमेटियां टैक्स लगाती है कोई कारपौरे ान लगा दे, कोई बोर्ड लगा दे, वह तो अलग चीज हुई लेकिन हरियाणा सरकार ने कोई टैक्स नहीं लगाया इसलिए मैं रिपीट कर रहां हूॅ ताकि ये भाई आ जाएं और बात सून लें। हमने कोई टैक्स नहीं लगाया था। 84.6 प्रसैंट अचिवमैंट चौधरी बंसी लाल जी के समय में पूरी हूई थी और स्पीकर सर, मांगे राम जी की सरकार के समय यह अचिवमैंट 91 प्रसैंट थी। यह सरकार आने के बाद 1785 करोड़ रूपया रिवाइज्ड एस्टिमेट में रखा था उसमें 1672.99 करके 93.7 प्रसैंट की प्लॉन हमने अचिव की है। 2000–2001 में हमने 95.5 प्रसैंट प्लॉन अचिव की है ऐज कंपेयर्ड टू रिवाइज्ड। मांगे राम जी मैं ऐज रिवाइज्ड कह रहां हूॅ। करैक्ट यूअरसैल्फ। स्पीकर सर, ये समझ नहीं रहे है जब आप 31 मार्च से पहले बजट पे ा करते है उससे पहले अनुमान लगाते है 31 मार्च के बाद प्लॉन को रिवाइज करते है, रिवाइज करने के बाद जो अचिव करते है उसको माना जाता है ये तो 91 प्रसैंट अचिवमैंट को जोकि चौधरी बंसी लाल के समय में घटती गई। उसके बाद हमने 93.7 अचीव किया है। पिछली बार 95.5 भी अचीव किया है। 1922 करोड़ रखा है यह बड़ा रिएलिस्टिक है। हमने पूरानी सरकार से लैसन लिया है। हम मानते है कि हमने इन भाईयों से लैसन लिया है कि बढ़ा चढ़ाकर प्लॉन नहीं रखेगे।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : क्या आप रिवाइज्ड का बता रहे हैं ?

प्रो. सम्पत सिंह : हां, मैं रिवाइज्ड का ही बता रहा हूॅ 1922 करोड़ रूपया प्लॉन में रखा है यह रिएलिस्टिक रखा है। I was learner. मैं किसान के घर पैदा हुआ हूॅ। Speaker Sir, now I have learned. ये बड़ी रिएलिस्टिक फिगर्ज है इनमे कोई अति योक्ति नहीं है ये केवल मात्र झुठी प्रतिश्ठा में पड़े रहते थे और फाल्स प्रेस्टिज में पड़ कर बढ़ा दिया करते थे। लेकिन अब ऐसा कुछ नहीं है हमने स्पश्ट प्लॉन आपके सामने रखी है। फिर भी स्पीकर सर, सरकार की ऋण देयता में बढ़ोतरी की बात कहीं। राज्य की ऋण देयता के बारे में बजट एट ए ग्लैन्स जो आपको दिया हैं उसमें दिया हुआ है। 31–3–2001 को 14264 करोड़ रूपए था जो बढ़कर बाद में 16950 करोड़ रूपए हो गई और बाद में 19297 करोड़ रूपए होने की संभावना इन्होंने बताई। स्पीकर सर, राज्य की कुल ऋण देयता सकल घरेलू उत्पाद की लगभग 27 प्रति ात है औॅर नै ानल एवरैज 30 प्रति ात है। गुप्ता जी यह मैं इसलिए नहीं कह रहा कि हम लोन ले रहे है, केन्द्र ने लोन लिया है,इसलिए हम उसको जस्फिाई कर रहे है केन्द्र का सकल घरेलू उत्पाद का औसत 30 प्रति ात हैजब कि हमारा सकल घरेलू उत्पाद का 27 प्रति ात है तीन परसैंट हालांकि उनसे कम है जैसा कि मैंने ग्लोबलाइजे ान के बारे में पढ़ा,भारत सरकार का पढ़ा और दूारे प्रदे ाों का पढ़ा मैंने आपकी दूसरे प्रदे ाों में सरकारों का पहले जिक्रकर दिया।आप उस समय हाउस में नहीं थे कि जाक डैफिसिट है चाहु दिल्ली की सरकार, मध्यप्रदे ा की सरकार,कर्नाटक की सरकार और दूसरी सरकारों

का मैने पहले जिक्र कर दिया। उन सबसे बेहतर अगर मैनजमैंट है तो वह आज हरियाणा प्रदे ा की सरकार का है। स्पीकर सर,इस बात को प्लॉनिंग कमी ान ने भी माना है। यह देयता एक साल में नहीं बढ़ी, दो साल में नहीं बढ़ी बल्कि हर साल बढ़ती रही है। जैसा कि मैंने कहा गैर उत्पादन बढ़ेगा तो स्वाभाविक है कि इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ेगा,उत्पादन पर खर्च बढ़ेगा जब उत्पाउन बढ़ेगा तो धीरे–धीरे इनको चुकता भी किया जायेगा। मांगे राम जी एक दिन में ऋण पूरे नहीं होते, इंफ्रास्ट्रक्चर एक दिन में नहीं खड़े होते उसमें टाइम लगता है। हुड्डा साहब ने एक बात कही थी कि किसान गांव में घर गिरवी रख कर जमीन लेता है और उस जमीन की पैदावार से उस घर की गिरवी रखी रजिस्ट्री को वापिस ले लेता है। सरकार भी उत्पादन खर्चे कर रही है, हम नैगेटिव टाइप के खर्चे नहीं कर रहे हैं। आने वाले वक्त के अन्दर यह ऋण भी पूरे किये जायेंगे लेकिन इसमें समय लगेगा।

कैप्टन अजय सिंह यादव : आप इसे कैसे पूरा करेंगे।

प्रो. सम्पत सिंह :हमने इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाया है इसलिए करेंगे और उत्पादन बढ़ाया है इसलिए करेंगे।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : प्राइमरी सैक्टर में नैट ग्रोथ क्या है ?

प्रो. सम्पत सिंह : स्पीकर सर, मैं इस पर आना नहीं चाहता था कि इसका जिक्र करूं, प्राइमरी,सैकेन्डरी और ट्रसरी

सैक्टर इन तीनों का हुड्डा साहब आपको मालूम होना चाहिए। किसी अर्थ ाास्त्रीसे पूछ लें और चौधरी भजन लाल जी से पूछ लें। कृशि पर अकेला बोझ जब तक रहेगा बात नहीं बनेगी। मैं यह कह रहा हूॅ कि कंट्रीब्यू ान हुआ है। कंट्रीब्यू ान में प्राइमरी सैक्टर की बजाए द्वितीय और तृतीय सैक्टर का कंट्रीब्यू ान बढ़ा है। जोकि सराहनीय होना चाहिये। द्वितीय सैक्टर आप किसको कहते हैं आपका ट्रेड, मैन्यूफैक्चरिंग द्वितीय सैक्टर है और सर्विसीज तृतीय सैक्टर है और इन दोनों सैक्टरों में अगर आपका कंट्रीब्यू ान बढ़ेगा तो कृशि का कंट्रीब्यू ान घटैगा। सपीकर सर, उसी से इक्नोमी की ग्रोथ की नि ाानी है। अब ये इसको भी उल्टा मान रहे है। अगर आप किसी अर्थ ाास्त्री से पूछें तो आपको पता चले। अब कादयान साहब भी सदन से चले गये। दलाल साहब हैं इनसे आप पूछ लें कि सैकेंडरी और ट्रसरी सैक्टर का कंट्रीब्यू ान बढ़ रहा है तो वह अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा इंडीकेटर है। अच्छा किया आपने याद करवा दिया। स्पीकर सर, जितनी भी अण्डरटेकिग्ज हैं वे जो पहले लोन लेती रही हैं और लोन के लिए अगर सरकार गारन्टी देती थी,सिक्योरिटी देती थी, सरकार ने अब उस पर दो प्रति ात सिंकिंग फण्ड लगा दिया है। दो परसेंट सिक्योरिटी लगा दी ळै। दो परसेंट सिक्योरिटी से क्या होगा। उस सिकिंग फण्ड में जाकर जमा होगा और आईन्दा के लिए ऐसे पब्लिक अण्डरटेकिग्ज जो घाटे में चले जाये या बैठ जाये बौर उनकी देनदारी सरकार पर पड़ जाये तो सरकार कहां से देगी। इसलिए स्पीकर सर, यह भी एक पोजीटिव कदम सरकार

ने उठाया है और अगस्त से दो प्रति ात सिक्योरिटी लागू भी कर दी है।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मैं चाहूँगा कि ये इन्वैस्टमैंट के बारे में भी बता दें।

प्रो. सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैंने इन्वैस्टमैंट के बारे में बता दिया कि इसको बढ़ा दिया गया, इंफ्रास्ट्रक्चर भी बढ़ा दिया गया, लगता है इन्होंने सुना नहीं, मैं बता चुका हूँ।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल एक्सप्लेने ान है।

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, आप बाद में पूछ लेना।

प्रो. सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, नॉन प्लॉन खर्चों में बढ़ोतरी के बारे में सरकारी कर्मचारियों, सेवानिवृत कर्मचारियों के वेतन में अधिक खर्चे के बारे में, ब्याज भुगतान के अधिक खर्चे के बारे में, ऋण अदायगी के खर्चों में बढ़ोतरी के बारे में, अन्य गैर योजनाओं के खर्च में बढ़ोतरी के बारे में, योजना खर्च में कमी के बारे में माननीय सदस्यों ने चिन्ता जाहिर की है। अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहता हूँ कि गैर योजना के खर्चों में पिछले कई वर्शों से बढ़ोतरी हुई है, इसमें कोई दो राय नहीं है लेकिन इसका मुख्य कारण वेतन और ब्याज की अदायगी है। ऋण केवल हमने ही नहीं लिए थे, गुप्ता जी के समय मे भी लिए गए थे। ऋण केवल हमने ही नहीं लिए थें, गुप्ता जी के समय में भी लिए गए

थे।ऋण अदायगी मद में अधिक खर्च होने की वजह से और सरकारी कर्मचारियों और पैं ान भोगियों के खर्च के कारण ही नॉनप्लॉन खर्च में बढ़ोतरी हुई है। जो फिफ्थ पे–कमी ान आया था उसने हर सरकार की कमर तोड़ी है मैं यह नहीं कहता कि इस कमी ान का असर सिर्फ हरियाणा पर हुआ है। इसका असर सभी स्टेट्स पर हुआ है। हिन्दुस्तान में कोई भी स्टेट नहीं है जो अपने एम्पलायज को वक्त पर तनख्वाह दे। लेकिन यह हरियाणा का रिकॉर्ड है कि हरियाणा में जितनें भी कर्मचारी हैं उनको महीने के पहले दिन ही पे दे दी जाती है।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय,मैं इनको बताना चाहूँगा। कि कॉलेज के सेवानिवृत लेक्चरार्ज को पैं ान नहीं मिली।

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, आप बिना परमी ान के न बोलें।

प्रो. सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, इनको ध्यान में होगा कि केरल में जहां कांग्रेस की सरकार है वहां कांग्रेस ने योजना का केवल 25 प्रति ात पार्ट ही पूरा किया और उसके बाद उन्होंने अपने कर्मचारियों की तनख्वाहों पर कंट्रोल लगा दिया और कहा कि मार्च तज केरल में किसी भी मुलाजिम को तनख्वाह नहीं दी जाएगी,31 मार्च तक तनख्वाह नहीं दी जाएगी और उसके बाद ही तनख्वाह देंगे ताकि योजना पूरी हो सके। अध्यक्ष महोदय, यह

हालत इनकी कांग्रेस की सरकार की है न कि हरियाणा सरकार की है। (ाोर एवं व्यवधान) हमारे हरियाणा में कर्मचारियों को एक–एक पैसा दिया जाता है। इसी प्रकार 11वें वित आयोग ने जो सिफारि ों की हैं उनको हम मानेंगे। वर्श 2005 तक घाटे को पूरा करने के बारे में इस आयोग ने कहा है। 2005 तक सकल घरेलू उत्पाद का 2.5 परसैंट कट किया गया है। हमने तो हालांकि केन्द्र को 30 परसैंट या 27 परसैंट कहा है लेकिन उन्होंने 2.5 परसैंट का मापदण्ड रखा है। इसी प्रकार 2005 तक ब्याज अदायगी की वृद्धि दर 18–20 प्रति ात तक सीमित रखी गई है। इसी प्रकार वेतन पर खर्च वृद्धि दर प्रति वर्श 5 प्रति ात कम की गई है। इस बारे में मैंने बताया है और भाायद आपने सुना नहीं होगा कि इस पर हमने 2 प्रति ात खर्च म किया है, जबकि उन्होंने 5 प्रति ात रखा है। अध्यक्ष महोदय, मांगेराम जी पढ़े लिखे और सूझबूझ वरले व्यक्ति हैं, वाणिज्य परिवार से हैं और 5 बजट ये पे ा कर चुके है। ये कह रहे हैं कि एस.वाई.एल. नहर के लिए मुख्य मंत्री जी के ब्यान आ रहे हैं कि उसकी मुरम्मत कराएंगें और बजट में इसका प्रोवीजन ही नहीं है। मांगेराम जी, वर्श 2002–2003 के बजट का वोल्यूम 3 और पेज 487 पढ़कर देखें उसमें पता चल जाएगा कि एस.वाई.एल. नहर के लिए कितना बजट रखा गया है।

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, मांगे राम जी ने यह तो मान लिया था कि इन्होंने किताब पढ़ी ही नहीं।

प्रो. सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, एस.वाई.एल नहर के लिए 10 करोड़ यपये का प्रावधान रखा गया है और जरूरत पड़ने पर की और से कट लगाना पड़ा तो कट लगाएंगें और एस.वाई. एल नहर पर जितने खर्च की जरूरत पड़ेगी, उसके लिए वित विभाग इस काम में कोई कमी नहीं आने देगा।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट ऑफ ऑर्डर है।

श्री अध्यक्ष : मांगे राम गुप्ता की कोई बात रिकॉर्ड न की जाए। आपने अपनी बात कह ली अब आप इनकी बात सुनें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटाला : मांगे राम गुप्ता जी, मैं आपको बताना चाहूँगा कि एस.वाई.एल नहर की मुरम्मत के लिए 10 करोड़ निर्धारित किए गए हैं और इस बात से पूरा सदन सहमत होगा कि वह पैसा चौधरी बंसी लाल जी से वसूल करेंगें क्योंकि उन्होंने चीफ इंजीलियर के कहने के बावजूद भी उस नहर का गलत काम किया और वह टूट गई।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

(1) **चौ. बंसी लाल, एम.एल.ए.द्वारा––**

चौ. बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल एक्सप्लेने ान है कि मैंने कोई भी काम इंजीनियर्ज की मर्जी के

खिलाफ नहीं किया । यदि वसूली करनी है तो मुख्य मंत्री जी से बादल के लड़के को जो जमीन दी गई उसकी की जाये।

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) : अध्यक्ष महोदय,इस जमीन के बारे में हाई कोर्ट का फैसला चौधरी बंसी लाल जी के समय में उनकी तरफ हुआ था इसलिए इसकी वसूली भी चौधरी बंसी लाल जी से की जानीचाहिए। चौधरी बंसी लाल जी लॉ ग्रेजुएट हैं, ये बोरी लेकर बैठते थे और 10–10 रूपये में दूसरों की वकालत करते थे लेकिन अपनी बात भूल गयें हैं कि फैसला किसके समय में हुआ था।

चौ. बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, अभी मेरी पर्सनल एक्सप्लेने ान पूरी नहीं हुई है। यह ठीक है कि इस बारे में हाई कोर्ट का फैसला मेरे वक्त में आया लेकिन मैं उस फेसले से संतुश्ट नहीं था। (Noise and interruption)I wnt to the Supreme Court. But what Supreme Court says in this case.... (Noise and interruption).

श्री अध्यक्ष : चौधरी बंसी लाल जी, अब बाप बैठिये आपकी पर्सनल एक्सप्लेने ान पूरी हो गई है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी की बात जब सदन में नहीं मानी गई तो ये प्रैस में अपना मुद्दा छेड़ आये। जबकि इनको चीफ इंजीनियर ने कहा था कि नहर का काम मुड से भाुरू किया जाये लेकिन इन्होंने काम

टेल से भुरू करवाया, बंसी लाल जी इसका स्पश्टीकरण दें। अध्यक्ष महोदय, एक सिस्टम बना हुआ है कि ड्रेन की खुदाई का काम टेल से होता है और नहर की खुदाई का काम मुड से भुरू किया जाता है। इन्होंने टेल से नहर का काम करवा कर वहां करोड़ों रूपये बरबाद कर दिये और अब ये यहां अपनी फजीहत करवा रहे हैं। वह पैसा इनसे वसूल होना चाहिए।

चौधरी बंसी लाल जी : अध्यक्ष महोदय, मैंने थ्रू आउट एक साथ नहर पर काम भुरू करवाया था। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चौधरी बंसी लाल जी प्लीज आप बैंठें। चौधरी बंसी लाल जीकी कोई बात रिकॉर्ड न की जाये। बंसी लाल जी इस बारे में आपका प्रोटैस्ट पहले दर्ज हो चुका है, प्लीज आप बैठें। (विध्न) अगर आपने बजट पर बोलना है तो आप बोलें या एस.वाई.एल के बारे में कुछ ऊसरी बात कहनी हैं तो कहें। टेल और मुड के बारे में कुछ कहना है तो कहें।(ाोर एवं व्यवधान) गुप्ता जी प्लीज आप बैठें।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, आपने कहा है कि एस.वाई.एल के बारे में कुछ कहना है तो कहें। मै एस.वाई.एल के बारेमें कुछ कहना चाहता हूॅ। (ाोर एवं व्यवधान)

वर्श 2002–2003 के बजट पर सामान्य चर्चा(पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष : गुप्ता जी, मैंनै आपको बोलने के लिए नहीं कहां। प्लीज आप बैठें।(ाोर एवं व्यवधान) गुप्ता जी प्लीज आप

बैठे। सदन का समय बर्बाद न करें। प्लीज आप सभी बैठें मैंने हाउस को सूचित करना है।

सदन के सभी सम्मकनित सदस्यों की एफीि ाएंसी बढ़ाने के लिए हरियाणा सरकार ने सभी विधायकों को एक–एक लैपटॉप और प्रिंटर देने का निर्णय लिया था और सै ान के तुरंत बाद आप सभी स्पीकर के आफिस से उन्हें ले जा सकते हैं ताकि आप सभी की एफीि ाएंसी बढ़े। यह आपको गिफ्ट में दिए जा रहे हैं। आप उसमें लोगों की ि ाकायतें दर्ज करें और आप सरकार को अच्छे सुझाव दें।(विध्न) चौधरी भजन लाल जी लैपटॉप छोटे कम्प्यूटर को कहते हैं जो अटैची में आ जाता हैं। उसे जहां भी आप जायें वहां ले जा सकते है। 12 बजकर 15 मिनट पर सभी पार्टी लीडर्ज को ये कम्प्यूटर स्पीकर आफिस में दिए जायेंगे। इसके लिए में सरकार का ध्न्यवाद करता हूॅ कि यह बहुत की सराहनीय कार्य सरकार ने किया है।

वित मंत्री(प्रो. सम्पत सिंह) : स्पीकर सर, आपके दि ाा निर्दे ा के हिसाब से ताकि सभी मैंबर्ज की एफीि ाएंसी बढ़े और सवाल मुफ्त का नहीं है,सवाल एफीि ाएंसी का है। इनसे मैंबर्ज की एफीि ाएंसी बढ़ेगी और आज के दिन एफीि ाएंसी बढ़ाने के लिए लैपटोप बहुत जरूरी है। स्पीकर सर, आपने सरकार को जो डायरेक् ान दी उसको सरकार ने जरूरी समझा और उसी हिसाब से सभी विधायको को लैपटॉप दिए जा रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

चौ. जय प्रका ा : स्पीकर सर, सम्पत सिंह जी कह रहे है कि एफीि ाएंसी बढ़ेगी और आप कह रहे है कि मुफ्त दिए जायेंगे। यदि बाप अपने पैसे से खरीदकर देते तब हम मानते कि मुफ्त दिए जा रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी आप जय प्रका ा जी को समझाओ, इनको कुछ सद्बुद्धि दो। (ाोर एवं व्यवधान)

प्रो. सम्पत सिंह : स्पीकर सर, कम्प्यूटर के कार्य करने से एफीि ाएंसी बढ़ती है। मैम्बर्ज की एफीि ाएंसी बढ़ाने के लिए ही आपके दि ाा–निर्दे ा पर ये कम्प्यूटर दिए गए है। ये कम्प्यूटर स्पीकर सर की जेब से नहीं जा रहे, भजन लाल जीकी जेब से नहीं जा रहे हैं और न ही मेरी जेब से जा रहे है। इनके लिए सरकारी खजाने से पैसा जा रहा है। (ाोर एवं विध्न)क्या इसमें भी डिस्पयूट आ गया।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर साहब, मैम्बर्ज को जो लैपटॉप कम्प्यूटर दिए जा रहे है उनके बारे में मैं थोड़ी सी फदंर जानकारी चाहता हूॅ। अभी कई सदस्यों को कम्प्यूटर के बारे में जानकारी नहीं है। हम चाहते है कि यदि मैम्बर्ज इन लैपटॉप कम्प्यूटर के बारे में और जानकारी जानना चाहेंगे या समझना चाहेंगे तो क्या उनकी मदद के लिए भी सरकार की तरफ से कोई अधिकारी कहीं पर बैठेगा जो विधायकों को पूरी जानकारी दे सके।

प्रो. सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, इस बारे में मैं थेड़ा–सा क्लीयर कर देता हूॅ कि कोई सदस्य अगर इसके लिए अपने आपको एजुकेट करना चाहता है या अपनी जानकारी बढ़ाना चाहता है तो अच्छी बात है। हमारे यहां पर सचिवालय में 9वींमंजिल पर आई.टी. सैक्टर का आफिस है। वहां पर हमारे हारट्रान की तरफ से ऐसपर्टस आते हैं। उनको जब आप कहेंगे आपको वे बताएंगे। स्पीकर साहब की तरफ से एम.एल.एज. को कम्प्यूटर की ट्रेनिंग के बारे में जितनी बार भी आदे ा हुआ है हमने वहां पर क्लासिज लगवायी हैं और यदि स्पीकर साहब या बाप लोग और क्लॉसिज लगवाने मे लिएकहेंगे तो और क्लॉसिज लगवा देंगे। (विध्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर साहब, अप जो 9वीं मंजिल की बात कर रहे हैं इस बारे में मेरा आपसे अनुरोध है कि यदि आप की सहमति हो तो हमको ट्रेनिंग देने का प्रबन्ध सचिवालय की 9वीं मंजिल की बजाये यहां पर विधान सभा में ही करवा दिया जाये तो ज्यादा अच्छा रहेगा क्योंकि यहां पर मैम्बर्ज मीटिंग्ज में भी आते है इसलिए उनको इस बारे में जानकारी लेने में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आयेगी। 9वीं मंजिल पर चढ़ने में दिक्कत आती है। यदि यह सुविधा मैम्बर्ज को दे दी जाये तो सबको सहुलियत हो जायेगी। हमारे विपक्ष के साथियों को सचिवालय में जाना अच्छा नहीं लगता। (विध्न)

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब जो अनपार्लियामैंटरी भाब्द बोल रहे हैं वे रिकॉर्ड न किये जायें।

प्रो. सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, इस बारे में पहले से ही सचिवालय में अलग से एक इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवैल्प किया हुआ है अगर फिर इतना सारा खर्चा करने के बाद उस सारे इन्फ्रास्ट्रक्चर को उठाकर यहां वापस लेकर आयें यह संभव नहीं है। वहां जाने में क्या लम्बी चौड़ी बात है। अध्यक्ष महोदय, हम भी कोई कम्प्युटर एजुके ान जमाने के नहीं है। मैं सदन को बताना चाहुॅगा कि जब भी कोई सदस्य वहां पर जाकर सीखना चाहेगा, उसके लिए आपका बजट डिपैण्ड करता है। जो साथी इन्टरनेट कनैक्ट ान लेना नहीं चाहेगा तो उसके लिए उनको सी.डी.भी विधान सभा स्पीकर साहब के माध्यम से पहुंचा दी जायेगी ताकि उसका सभी सदस्य इस्तेमाल कर सके। स्पीकर साहब, यहां पर श्री मांगे राम गुप्ता जी ने गेहूं की खरीद के बारे में जिक्र किया था। उन्होंने वि ोशकर कैथल का जिक्र किया था कि गेहूं बाहर खराब हो रही है। (विध्न)

श्री मांगे राम गुप्ता : मैंने तो यह कहा था कि पिछली फसल के कैथल और चीका मण्डियों के आढ़तियों के पैसे अभी तक नहीं दिये गये है।

प्रो. सम्पत सिंह : मैं इस बारे में भी बता दूंगा। साथ ही साथ मैं अपने याथियों का कहना चाहूॅगा कि सरकार ने जो

अच्छे काम किये हैं उनकी सराहना करनी चाहिए। पिछले सीजन में सरकार ने 64.07 लाख टन गेहूं की खरीद की थी। स्पीकर सर, आप जानते हैं कि अगर सरकार गेहूं न खरीदती तो क्या हालत होती।(विध्न एवं भाोर) स्पीकर सर, इन्हें इस बात पर ऐतराज है।

चौ. जय प्रका ा : अध्यक्ष महोदय,

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय,

श्री अध्यक्ष : जय प्रका ा जी, कैप्टन साहब आप बैठे।(विध्न एवं भाोर) जय प्रका ा जी, आप बिना प्रमि ान के बोल रहे है इसलिए आप बैठें।(विध्न एवं भाोर) इनकी कोई बात रिकॉर्ड न करें।(विध्न) आप बता कुछ रहें है और ये कुछ और बोल रहे है। आप बैठ जाए।(विध्न एवं भाोर)

प्रो. सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं विपक्ष के माननीय नेता से निवेदन करूगां आपका ध्यान आकर्शित करूगां आपके मैम्बर्ज बोलते रहे अच्छी तरह से उन्होंने सुझाव भी दिए मैंने उनको देखा है। (विध्न एवं भाोर) बाकायदा उनको नोट किया है और जो बाते उन्होंने उठाई हैं उन्होंने जो प्वायंट्स उठायें है उनका जवाब तो आएगा ही। जो कुछ आप लोगों ने कहना था वे सारी बाते आपकी आ गयी है। स्पीकर साहब ने तो यहां तक कहा था कि अगर कोई और मैम्बर बोलना चाहे तो बोल लें। पूरा टाईम होने के बाद मैं जवाब दे रहा हूॅ।(विध्न एवं भाोर)

श्री राम कि ान फोजी : अध्यक्ष महोदय,

श्री अध्यक्ष : फोजी साहब, आप बैठें (विध्न),नो–नो, आपको इस बारे में कुछ पता नहीं है इसलिए आप बैठें।(विध्न) इनकी कोई बात रिकॉर्ड न की जाए।

प्रो. सम्पत सिंह : स्पीकर सर, इस बात को किसान अच्छी तरह से जानता है कि अगर सरकार गेहूं नही खरीदती तो गेंहू 610रूपये फी क्विंटल की बजाए 400 रूपए फी क्विंटल भी किसी ने नहीं पूछना था। स्पीकर सर, किसान का एक–एक दाना जो हरियाणा की मण्डी में आया हरियाणा सरकार ने बकायदा उसको खरीदा है यही कारण है कि 64 लाख 5 टन गेहूं की खरीद हुई है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक ये कह रहे है कि दूसरी स्ट्टस से गेहूं आया,स्पीकर सर,किसान का एक भी दाना ऐसा नहीं रहा जो वह बेचना चाहता हो और न खरीदा गया हो। यहां तक कि घर खर्च के लिए भी इस बार किसान ने अनाज नहीं रखा क्योंकि अनाज का दाम बहुत अच्छा मिल रहा था। अगर दूसरी स्टेट्स से भी गेहूं आया है तो उस पर कोई पाबंदी नहीं थी। किसी भी प्रदे ा से अनाज कही भी बेचा जा सकता है आज स्टेट् फ्री ट्रेड है और इस बार तो उल्टे बांस बरेली वाली बात हुई है। पहले हरियाणा का गेहूं नरेला की मण्डी में जा कर बिकता था लेकिन इस बार दिल्ली से भी गेहूं हरियाणा प्रदे ा के अन्दर आया है। यह अच्छी खरीद का ही नतीजा है। स्पीकर सर, यहीं हालत गन्ने के अन्दर भी हुई है और 110/–रूपए फी–क्विंटल सरकार गन्ना खरीद रही है वरना गन्ने की तो बुरी हालत हुआ

करती थी और गन्ना सड़ा करता था। स्पीकर सर, यहीं चावल की खरीद की पोजि ान भी रही थी। 60 प्रति ात से ज्यादा चावल हरियाणा सरकार ने खरीदा है। हरियाणा सरकार किसान हितैशी सरकार है।(विध्न)अध्यक्ष महोदय, इनको अब क्या तकलीफ हो रहीं है।

चौ. जय प्रका ा : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर है।

श्री अध्यक्ष : आपका किस बात का प्वांयट ऑफ ऑर्डर है, आप बैठें (विध्न) जय प्रका ा जी, आप अपनी सीट पर बैठें। इनकी कोई बात रिकॉर्ड नहीं की जाए।

प्रो. सम्पत सिंह : स्पीकर सर, मैंने यही कहा है कि यह किसान की बैहबूदी की बात थी। इस खरीद की वजह से एक तरफ तो किसान के घर में आमदनी आई दूसरी तरफ मण्डी बोर्ड को फीस भी फालतू आई, एच.आर.जी.एफ. भी इस वजह से फालतू आया और आढ़तियों को आढ़त भी ज्यादा मिली। किसान को फायदा हुआ, दुकानदार को फायदा हुआ, सरकार को फायदा हुआ, मण्डी बोर्ड को फायदा हुआ और इस पैसे से प्रदे ा का विकास हो सकेगा। स्पीकर सर, सब लोगेां को हर वर्ग को इस खरीफ की खरीद की वजह से आज फायदा हुआ है। स्पीकर सर, ये लोग कहते हैं कि 10 लाख टन गेहूं खराब हो गई। मैं इन को बताना चाहता हूॅ कि 10 लाख टन ये लोग कहते हैं जब कि जबकि केवल

214 टन हरियाणा वेयरहाउसिंग निगम की गेहूं करे छोड़ कर और कोई गेहूं कहीं पर खराब नहीं हुआ। करीब 64 लाख टन में से सिर्फ 214 टन गेहूं खराब हुई है। स्पीकर सर, जो गेहूं खराब हुई है वह भी घाटा हम सहेंगे लेकिन किसान को नहीं मरने देंगे और किसान को जिन्दा रखेंगे। (विध्न) (इस समय मेजें थपथपाई गई)। दूसरे स्पीकर सर, कैथल में व्यापारियों के बारे में मांगे राम गुप्ताजी ने जिक्र किया था। कैथल में व्यापारियों की जहां तक बात करते हैं, खरीद के बारे में सरकार के सामने जिक्र आया था स्टेट विजिलैंस ब्यूरो ने इसकी इन्क्वायरी की। इन्क्वायरी कम्पलीट होने से पहले उनकी अदायगी कैसे की जा सकती है। अब विजीलैंस विभाग ने अपनी जांच इसके आधार पर 18 व्यापारी दोशी पाए गए हैं। हो सकता है मेंगे राम जी को पीड़ा हो रही है वैसे इन 18 में से उनका अपना तो कोई नहीं होना चाहिए। विभाग द्वारा इसकी एफ.आई.आर. दर्ज करवाई जा चुकी है और सरकार ने यह निर्णय लिया है कि जो दोशी पाए गए हैं अनके खिलाफ तो कार्यवाही होगीबौर भोश अदायगी बकायदा कर दी जाएगी। कोई पेमैन्ट उनकी नहीं रोकी जाएगी। स्पीकर सर, उनकी पेमैन्ट हो भी गई है। अगर किसी की पेमैन्ट रह गई है तो ये बता दें उनकी भी पेमैन्ट कर दी जाएगी। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सदन में बताना चाहूॅगा कि जिनकी इन्क्वायरी हो चुकी है उन सब की पेमैन्ट कर दी गई है।लेकिन जो इस इन्क्वायरी में दोशी पाए गए हैं उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी और उनसे वसूली भी की जाएगी। स्पीकर सर, इसके अलावा यहां पर फूड

लाइसैंस के बारे में जिक्र किया गया है। यह बात ठीक हैकि भारत सरकार की तरफ से फूड लाइसैंस रद्द करने के बारे में आदे ा प्राप्त हो चुका है। इन आदे ाों को एग्जामिन किया जा रहा है और उसके बाद की ही इस बारे में कार्यवाही की जाएगी। (भाोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, मैं यहां पर कृश्ण पाल गुर्जर जी का आभार प्रकट करना चाहूॅगा कि भाुक्र है कि ये यहां पर बैठे हुए हैं वरना क्या होता था कि ये सदन में बोलकर चले जाते थे, दोबारा आते थे और बोलते थें और फिर से सदन से चले जाते थे। इन्होंने सदन में खानों का जिक्र किया। मैं खानों का ज्यादा यहां पर जिक्र नहीं करना चाहूॅगा। कल किसी साथी के द्वारा सदन में इस बारे में सारी बात बता दी थी कि किसी पार्टी के राज में, किसी पार्टी के मैम्बर्ज ने,किस पार्टी के किस सदस्य ने किसी मंत्री ने कितनी खानें लीं और कितनी खानें किस–किस को दी,क्या दिया,क्या लिया मैं इस बारे में कोई जिक्र नहीं करूगा। मैं यहां पर किसी व्यक्ति पर कोई आक्षेप नहीं लगाना चाहूॅगा। स्पीकर सर, भाायद श्री रामबीर सिंह (पटौदी) ने इस बारे में सारा जिक्र कर दिया था कि किस सरकार के वक्त में कौन–कौन मंत्री था और किस–किस केस में किस मंत्री की पार्टनरि ाप थी। स्पीकर सर, बहुत से मंत्रियों ने इस बारे में यहां पर मान भी लिया हैं।(भाोर एवं व्यवधान) मैं किसी का पर्सनली जिक्र नहीं कर रहां हूॅ। स्पीकर सर, रामबीर सिंह जी ने जो जिक्र किया था मैं उस बारे मैं यहां पर रिपीट नहीं करूंगा। स्पीकर सर, कृश्ण पाल गुर्जर जी उस समय यहां पर नहीं थे अगर ये होते तो इनको सन्तुश्टि

हो जाती कि कौन–कौन आदमी उसमें भाामिल थे। इसके बाद इन्हौंने यहां पर खानों की टेंडरों की पॉलिसी का भी जिक्र कर दिया। स्पीकर सर, इस सरकार की टेंडरों की पॉलिसी बहुत ही सराहनीय है उसमें कितनी ट्रांसपेरेंसी है। स्पीकर सर,पहले क्या होता था कि जो खान के मालिक थे वे सरकार के रहमोकर्म पर थे उस समय क्या होता था एप्लीके ान देने के बाद जो व्यक्ति सरकार के अधिकारियों कोयह राजनीतिज्ञों को मोटा पैसा दे देता था केवल उनको ही खानें दी जाती थी। (भाोर एवं व्यवधान) मैरिट की उस वक्त कोई बात ही नहीं थी। अगर ये मैरिट की बात करेगे तो मेरे परस यहां पर कोर्ट का केस पड़ा हुआ है जिस बारे में कोर्ट ने फैसला भी दे दिया है अगर मैं उस बारे में यहां पर सुना दूॅगा तो यहां पर किसी मैम्बर को पीड़ा हो जाएगी। मैं इनको यह बताना चाहॅूगा कि उस वक्त कोई मैरिट नहीं होती थी। पैसे का लेन–देन होता था और उससे सरकारी खजाने का नुकसान होता था और केवल मात्र 17 करोड़ रूपये की ही खानों से आमदनी होती थी। स्पीकर सर, मौजूदा सरकार ने चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी की अध्यक्षता में एक फैसला लिया है उस फेसले की वजह से आज 65 करोड़ रूपए की सरकार को आमदनी हुई है। इसके अलावा जो रायल्अी नि चत की गई है।(भाोर एवं व्यवधान) आप मेरी बात सुन तो लें। रायल्अी के लिए जो अमाउन्ट फिक्स की गई है और जितनी मात्रा माल की निमालने के लिए फिक्स की गई है अगर कोई उससे ज्यादा मैटीरियल कोई निकालेगा तो उस पर उसको उतना पैसर देना पड़ेगा। इसके

अलावा उसके ऊपर सेल्ज टैक्स एक्स्ट्रा देना पड़ेगा। स्पीकर सर, कितने ही करोड़ों का फायदा इससे होगा और इस पैसे से कितना हरियाणा का विकास होगा।स्पीकर सर, 17 करोड़ और 65 करोड़ के बीच का जो पैसा है मुझे हिसाब नहीं आता है इस बारे में मांगे राम जी बता देंगे भाायद यह 48 करोड़ के करीब बनता हैं और ये 70–80 करोड़ रूपए और सेल्ज टैक्स मिला करके करीबन–करीबन 70–80 करोड़ रूपए बनते हैं और ये 70–80 करोड़ रूपए कहां जाते थे। उस वक्त जो सरकारी पदों पर लोग थे और जो उस वक्त के राजनीतिक लोग थे उन लोगों के यारे–प्यारे और रि तेदार थे उनकी जेबों में जाते थे। (भाोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, आज इनको इस बात से तकलीफ हो रही है कि इस पैसे को लोगों के हितों के लिए क्यों खर्च किया जा रहा है। इनके समय में यह पैसा व्यक्ति वि ोश के लिए खर्च हो रहा था और इन लोगों से जुड़े हुए लोगों के लिए खर्च हो रहा था इसलिए आज इनको इस बात से तकलीफ हो रही है। (भाोर एवं व्यवधान)

चौ. बंसी लाल :

श्री अध्यक्ष : बंसी लाल जी जो भी बोल रहे है वह कुछ भी रिकॉर्ड नहीं किया जाए।

प्रो. सम्पत सिंह : स्पीकर सर, चौधरी बंसी लाल जी ने जो खानक के बारे में कहा है तो मैं इनको यह बताना चाहूँगा कि चौधरी बंसी लाल जी आपके समय में आपने आमदनी बढ़ाने के

लिए 30 लाख को 50 लाख करने की कोि ा ा की थी। जोकि आप बढ़ा नहीं पाएं थे। उसके ऊपर भी आपको पता है कि प्रोटैस्ट हुए थे और वह प्रोटैस्ट आपने खुद ही करवाया था। वहां पर जो निर्दोश लोग थे उन लोगों के साथ मारपीट की गई थी, उनको अन्दर करवाया गया था, ट्रैक्टर जला दिए गए थे, फूंक दिए गए थे। उनके खेतों को जला दिया गया था और घरों को भी फूंक दिया गया था। स्पीकर सर, इतना जबरदस्त वहां पर हंगामा हुआ था। (भाोर एवं व्यवधान) मैं आपको एफ.आई. आर. का नम्बर भी ला दूॅगा और आपको उसकी नकल भी ला कर दे सकता हूॅ। (भाोर एवं व्यवधान)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) :अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी मुनकर हो रहे है। तीन महीने तक लॉ एंड ऑर्डर मफलूज हो गया था। लेकिन जब बाद में उनसे इनकी सौदेबाजी हो गयी तो सौदेबाजी पटने के बाद फिर उन्हीं लोंगो को खानें दं दी गयी। स्वय। बंसीलाल जी ने तसलीम किया है कि इनके बाद भाई रघुबीर सिंह वल्द मोहरसिंह की उसमें पार्टनरि ाप रहीं हैं। कहा पहले साल में उस खान से चालीस हजार रूपये आते थे और कहां अब सात करोड़ वसूल किए जा रहे है। इनको इस बात के लिए ले ामात्र भी भार्म नहीं आ रही है।

चौ. बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट ऑफ ऑर्डर है। अध्यक्ष महोदय मैंने एक बात कही है। ठीक है कि दांग

के उस पहाड़ में मेरा भाई पार्टनर था लेकिन उसमें कोई बेईमानी नहीं हुई, किसी किस्म का कोई दो नम्बर का पैसा नहीं गया।

श्री अध्यक्ष : बंसी लाल जी, फिर यह रैवेन्यू क्यों कम लिया था ?

श्री ओम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ये चालीस हजार रूपये मे हर साल ठेका उसको देते थे और अब फिर भी ये कह रहे हैं कि इसमें बेईमानीनहीं हुई। यह तो रिकॉर्ड कह रहा है कि चालीस रूपये में ठेका हर साल में ये उसको दे देते थे।

चौ. बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मुझे अपनी बात को कहने दो। मैं प्वायंट ऑफ ऑर्डर पर खड़ा हूँ।

श्री अध्यक्ष :इसमें क्या प्वायंट ऑफ ऑर्डर है ?

चौ. बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, पहली बात यह है कि जो रोड़ी पहले चार सौ या पांच सौ रूपये में मिलती थी एक गरीब आदमी का एक कमरा डालने के लिए वहीं अब वह ढ़ाई हजार या तीन हजार रूपये में मिलती है। इसमें गरीब मरा है।

श्री अध्यक्ष : बंसी लाल जी, आपको प्रदे ा के एक्सचैकर की क्या कोई चिन्ता नहीं है अगर प्रदे ा की आमदनी बढ़े तो क्या यह अच्छा नहीं है ? अब आप बैठें।

चौ. बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहता हूँ कि खानक की जो खानें हैं इन खानों के 15 लाख रूपये रोज

का साढे चार करोड़ रूपये महीने का किसकी जेब में जा रहा है,कहां जा रहा है। एक–एक माल का दो–दो जगहों पर सेल्ज टैक्स लिया जाता है और यह टैक्स भी टोल टैक्स के तौर पर लिया जाता है।

श्री अध्यक्ष : बंसी लाल जी, अब आप बैठें।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी कह रहे हैंकि चार सौ रूपये को ट्राली रूपये प्रति टन के हिसाब से सरकार रायल्अी लेती है। फिर उसमें से उस पर बीस परसैंट सेल्ज टैक्स मिलता है और फिर क्रै ार जो रोड़ी बनाकर बेचते हैं उस पर भी 12 परसैंट सेल्ज टैक्स वे देते है। अध्यक्ष महोदय, इन दोनों लोगों के समय में तो यह बीस परसैंट टैक्स लोगों की जेबों में जाता था अब यह सरकार के खजाने में आ रहा है। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, ि ाकायत मिलने के बाद जो पुराना ठग्गी टोरी का पैसा था उसमें से भी सरकार ने 80 लाख रूपया वसूल किया है। मैंने पहले भी सदन में कहा था और अब फिर कह रहा हूॅ कि दस साल तक जिन लोगों ने वह बीस परसैंट टैक्स लूटा है उनसे भी वह वसूल किया जाएगा।

चौ. बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल एक्सप्लेने ान है।

श्री अध्यक्ष : आप किस आत की पर्सनल एक्सप्लेने ान कर रहे हैं आपसे तो उन्होंने कुछ नहीं कहा। मुख्य मंत्री जी ने

आपसे निजी तौर पर कुछ नहीं कहा वे तो प्रदे ा की पॉलिसी के बारे में बता रहे है।

चौ. बंसी लाल : आप मेरी बात तो सुन लें।

श्री अध्यक्ष : नहीं–नहीं अब आप बैठें। अब बंसी लाल जी जो बोल रहे हैं वह रिकॉर्ड न करें।

चौ. बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, (भाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : बंसी लाल जी आप बैठिए। दलाल साहब आप भी बैठें।(भाोर एवं व्यवधान)

श्री धर्मवीर सिंह : जो वहां पर हजारों रूपये का गबन हुआ है उसके बारे में भी इनको बताना चाहिए।

श्री अध्यक्ष : धर्मबीर जी की कोई बात रिकॉर्ड न करें।(भाोर एवं व्यवधान)

श्री राम कि ान फोजी : स्पीकर साहब, आप मेरी बात तो सुनें। वह मेरे हल्के का पहाड़ है।(भाोर एवं व्यवधान) मेरे हल्के के लोगों की तसल्ली जोनी चाहिए।

श्री अध्यक्ष : जब इंक्वायरी होगी तो आपके हल्के के लोगों की तसल्ली हो जाएगी। पुराने हिसाब–किताब की सारी इंक्वायरी हो जाएगी। आप बैठें।

श्री धर्मवीर सिंह : स्पीकर साहब, हम चाहते हैं कि इस बारे में मैम्बर्ज की एक कमेटी बनाकर वहां भेज दी जाए वह जाकर इस बारेमें इंक्वायरी कर लें।

श्री अध्यक्ष : धर्मबीर जी, अब आप बैठें।

चौ. बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, जब से हरियाणा बना तब से लेकर अब तक की दी हुई सभी खानों की इंक्वायरी सी.बी. आई.को दे दें सबका फैसला हो जाएगा।

श्री अध्यक्ष : अब बंसी लाल जी की कोई बात रिकॉर्ड न करें।

चौ. बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय,

Prof. Sampat Singh : Speaker Sir, our Vigilance Department is competent enough to enquire in this matter और इस मामले की इंक्वायरी के लिए मुख्य मंत्री जी ने आश्वासन दे ही दिया हैं कि विजीले।स से उसकी इंक्वायरी करवायी जा रही है। यह किसी व्यक्ति वि ोश का सवाल नहीं है जो भी इसमें दोशी होगा उससे बाकायदा रिकवरी तो होनी ही चाहिए।(भाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप स्टेट पुलिस पर भी भरोसा करें।

प्रो. सम्पत सिंह : स्पीकर सर,अब ये खानों का जिक्र आ गया, इसमें अपनी बात कहते हुए कृश्ण पाल जी धौज और

नाथूपुर का जिक्र कर गए कि ऑक्शन कॉलिसी लागू होने के बाद इनको लीज पर दिया गया। स्पीकर सर,तथ्यों को जानने से पहले कोई आदमी यह बात करजा है वि ोशकर कृश्ण पाल जी ऐसी बात करें जो कि मंत्री रह चुके है और एक नै ानल लैवल की पार्टी के लीडर हैं तो इनको सदन में ऐसी बात कहना भाोभा नहीं देता है। मैं आपको तथ्य बताना चाहता हूॅ कि ऑक ान पॉलिसी 28—9—2001 को ऐनाउंस हुई थी। The State Government announced his new Auction Policy on 28-9-2001. आप तारीख नोट कर लें, नाथूपुर और धौज का जहां तक सवाल है इन लोगों ने ऐप्लाई इससे हपले किया, इनके इन्टरव्यू का बता देता हूॅ। अक्तूबर 2000 में इनके इंटरव्यू हुए। ऑलमोस्ट ऐ साल पहले इंटरव्यू हो चुके थे। यह पॉलिसी से 9 महीने पहले लैटर ऑफ इंडैण्ट दिया जा चुका था। ये डेट्स मैंने आपको दी हैं उसने बाद कहते हैं कि सरकार ने ऑक ान पॉलिसी के बादमें उनको लीज पर दें दी। बेबुनियाद बात करना आपको भाोभा नहीं देता।(भाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कृश्ण पाल जी आप बैठ जाएं।(भाोर एवं व्यवधान)

श्री कृश्ण पाल : अध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल ऐक्सप्लेने ान है। मैं आपको बताना चाहता हूॅ। (भाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : बताने का काम वित मंत्री जी का है आप बैठ जाएं। आए अपनी बात कह चुके हैं आप बैठ जाएं।(भाोर एवं व्यवधान)

श्री कृश्ण पाल : अध्यक्ष महोदय,

श्री अध्यक्ष : कृश्ण पाल की कोई बात रिकॉर्ड न की जाए। कृश्ण पाल जी, आपका नाम नहीं लिया।(भाोर एवं व्यवधान)

चौ.भजन लाल : अध्यक्ष महोदय,

श्री ओम प्रका ा चौटाला : चौधरी भजन लाल जी, आप तो जिम्मेदार आदमी हैं जो कोई सम्मानित सदस्य इस सदन में बोलेगा जवाब देते समय उसका उल्लेख तो किया ही जाएगा। जिस आदमी ने बाकायदगियों से तथ्यों पर आधारित बात कही हो और अनर्गल और बेबुनियाद बातें इस सदन में कह कर चला जाए। हुड्डा के बारे में इन्होंने बात कह दी और जब उस बारे में धीर पाल जी स्पश्टीकरण दे रहे थे तब ये सदन में नहीं थें। आज तो ये संयोग से फंस गए इसलिए इनको पीड़ा होती है। भजन लाल जी, आपको तो पता होना चाहिए कि जिस बात का सदन में उल्लेख किया जाता है उस बात का जवाब रिप्लाई में दिया जाता है।

श्री कृश्ण पाल : अध्यक्ष महोदय,

श्री अध्यक्ष : कृश्ण पाल जी की कोई बात रिकॉर्ड न की जाए। आप बैठ जाएं। (भाोर एवं व्यवधान) आपकी कोई बात रिकार्ड नहीं हो रही है। इररैलेवैंट बात करना भाोभा नही देता है। आप बैठ जाएं।(भाोर एवं व्यवधान)

प्रो. सम्पत सिंह : स्पीकर सर, अब मैंने स्पश्ट तारीख विद फैक्ट्स बता दी है किसी भी जिम्मेंदार सदस्य को ऐसी अनर्गल बातें जो सत्य न हों, हाउस में नहीं कहनी चाहिएं।(भाोर एवं व्यवधान)इसी तरह से कादयान साहब ने और कर्ण सिंह दलाल ने एक जो राय दी थी साथ में समस्या बताई थी उसे मैं ऐप्रीि ाएट करता हूॅ उन्होंने डब्ल्यू.टी.ओ. और क्रॉप के डाइवर्सिफिके ान का जिक्र किया था। आज इस चीज की जरूरत है कि इस की तरफ ध्यान दिया जाए और क्रॉप के डाइवर्सिफिके ान किया जाए उसके लिए सरकार ने प्रयास किए हैं लेकिन वह प्रयास अभी अपर्याप्त हैं और सरकार को उससे ज्यादा प्रयास करने चाहिएं और उन प्रयासें को करने के लिए सरकार कटिबद्ध है और करेगी भी जैसा कि पहल कादयान साहब और दलाल साहब ने कहा था। स्पीकर सर, साठी की फसल पहले 85 हजार हैक्टेयर में होती थी। बाद में किसानों को समझाया गया कि इसमें आमदनी नहीं होती आप दूसाी फसलों की तरफ जायें उसके बारे में किसानों को समझाने के बाद वह फसल 25 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में रह गई हैं। पैडी क्रॉप 10.45 लाख हैक्टेयर से 10.24 लाख हैक्टेयर रह गई है इसकी डाइवर्सिफिके ान की गई

है। उसमें काटन, भागरकेन, मंज की क्रॉप, पल्सिज, गुड, हाई वैल्यू बेसड क्रॉप्स जैसे बासमती राइस, वैजीटेबल,फ्रूट इन सब का एरिया इनक्रीज किया है ताकि इनकी अच्छी प्राइस मिल सके। इसके लिए फूड प्रोसैसिंग प्लांट लगाने का प्रोग्राम अण्डर प्रोसैसिंग चल रहा है। भााहा, डगवाली,राई,नरवाला और झज्जर में फूड प्रोसैसिंग प्लांट लगाए जायेंगे क्यौंकि फूड प्रोसैसिंग प्लांट अगर नहीं लगाए जाएं तो चाहू किसान कितना अच्छा बीज भी लेता है और उसे फसल का मूल्य भी न मिले तोकिसान को क्या फायदा होगा। इसके बारे में सरकार बाकायदा चिन्तित है और सरकार पूरा ध्यान दें रही है इसी तरह से टि यू कल्चर की तीन लैब काम कर रही हैं हरियाणा राज्य में गन्ना के उत्पादन को बढ़ाने के लिए टि यू कल्चर पांच वर्शो से अपलाई जा रही हैं वर्तमान में तीन कल्चर लैबज है। दो तो हिसार में और एक करनाल में चलाई जा रही हैं। बाकायदा सरकार का इस तरफ पूरा ध्यान है।स्पीकर सर, बाकी जो प्वायंट्स कवर नहीं है वह बताना चाहूँगा इन्होंने जो यमुनानगरके उप चुनाव का जिक्र किया। स्पीकर सर, हर आदमी मानता है कि यह उपचुनाव तो सरकार के कार्यो के प्रति मेनडेट था। उसके बारे मे फालतू चर्चा नहीं करना चाहता (ाोर)। उसी की वजह से इन्होंने उपचुनाव का अपने आप जिक्र किया क्योंकि उसकी वजह से यं हता ा हो चुके हैं और हता ा के कारण बौखला गये हैं। बजट एड्रैस पर बोलते समय वाक आउट करने का इनका कोई मतलब नहीं बनता है। वह मार जो यमुनानगर के लोगों ने इनको मारी है वह मार इनकोरात को

सपने में दिखाई देती है। कोई नम्बर एक पर आने के लिए और कोई नम्बर दो पर आने की बात कहते थें।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय,

श्री अध्यक्ष : जोबंसी लाल जी कह रहे हैं वह रिकॉर्ड न किया जाये।

प्रो. सम्पत सिंह : इन्होंने यहां पर यह भी मं ाा जाहिर की कि जिस राज के अन्दर बाइ इलैक ान होते है उस राज की पार्टी ही जीतती है। स्पीकर सर, अगर आप इजाजत दें तो मैं इनको याद कराऊं कि 1974 में ठीक अमरजैंसी लगने से पहले जब चौधरी बंसी लाल जी आपका राज था और रोड़ी का उप चुनाव हुआ था उस समय चौधरी देवीलाल जी आजाद उम्मीदवार के रूप में आपकी सरकार के खिलाफ चुनाव लड़कर 29 हजार वोटों से जीत कर आये थे और आपके रि तेदार उस चुनाव में लड़ रहे थे।

श्री बंसी लाल : मैंने गवर्नमैंट की म ाीनरी का मिसयुज नहीं किया था जैसे यमुनानगर में इस सरकार ने किया है। मैंने फेयर इलैक ान करवाया था और यमुनानगरमें फेयर नाम की कोई चीज नहीं थी।

प्रो. सम्पत सिंह : स्पीकर सर,उस चुनाव के बारे मे मैं आपको बताऊं उस चुनाव में जिस प्रकार चौधरी बंसी लाल ने प्रचार किया था चौधरी देवी लाल जी ने यह चुनाव लोगों को यह

कहकर लड़ा था कि मैं एम.एल.ए. बनने के लिए चुनाव लहीं लड़ रहा मैं तो जो लोगोंने मुॅह पर तालाबन्दी लगा रखी है उसको खोलने के लिए चुनाव लड़ रहा हूॅ। उन्होंने यह भी कहा था कि कोई गाड़ी न ले कर जाये कोई कहीं न जाये, मैं घर–घर अकेला जाऊंगा,कोई झण्डा नहीं लगाये यह कहकर चौधरी देवी लाल जी वह चुनाव जीतकर आये थे और लोगों की तालाबन्दी को खोला था।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैंने मुख्य मंत्रीि ाप का दुरूपयोग नहीं किया था।

श्री अध्यक्ष : चौधरी बंसी लाल जी, आप बैठिये। यह गलत बात है कि आप बीच में खड़े हो जाते है।

प्रो. सम्पत सिंह : दूसरे चुनाव भी आपको याद करवा दूं। चौधरी भजन लाल जी 1993 में जब मुख्य मंत्री थे तो चौधरी ओम प्रका ा चौटाला ने नरवाना से चुनाव जीता था और आपकी पार्टी के उम्मीदवार की जमानत जब्त करवाई थी (भाोर एवं व्यवधान)

चौ. जय प्रका ा : अध्यक्ष महोदय, यह बिल्कुल गलत है। नरवाना में ऐसा नहीं हुआ।

श्री अध्यक्ष : आप बैठिये।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, सम्पत सिंह जी ने तो उन्हीं चुनावों का जिक्र किया है जो सरकार के खिलाफ लड़कर जीते हैं। चौधरी बंसी लाल जी आप को भाायद ध्यान नहीं आप तोबतौर मुख्य मंत्री होते हुए हारे है।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, वह भी इनका ही राज था आप बेइमानी करके जीते थे लेकिन इलैक ान पैटी ान में आप केस हार गये है।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : अध्यक्ष महोदय, धर्मबीर जी बता देंगे कि क्या कोई बेइमानी हुई थी।

श्री अध्यक्ष : चौधरी साहब, आप तो चीफ मिनिस्टर थे तब भी हार गये। धर्मबीर जी आप खड़े होकर बताओ कि बेइमानी हूई थी या नहीं।

श्री धर्मवीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, उस उप चुनाव मे कोई बंइमानी नहीं हुई थी।

श्री बंसी लाल :

श्री अध्यक्ष : बंसी लाल जी की कोई बात रिकॉर्ड न की जाए।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : बंसी लाल जी, अगर बंकायदगी का जिक्रकरते हो तो आज जनाब ने मुख्य मंत्री के तौर पर चुनाव लड़ा और 90 परसैंट पोल हुए।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं तो गया भी नहीं।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : बंसी लाल जी,आप तो नहीं गएं लेकिन 98 परसैंट पोल हुए हैं या नहीं ये बता दो यह हिन्दुस्तान के इतिहास में रिकॉर्ड है कि कहीं 98 परसैंट पोल हुए है। किस बात पर तो टिकोगे, किसी बात पर तो आओगें,कहीं तो कुछ मानोगे।

प्रो. सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, इसी तरह 1985–86 में महम के बाइ इलैक्रान में इनके राज में हम जीते। 1998 में फतेहाबाद में बाइ इलैक ान हुए उस समय में छोटा–सा कार्यकर्ता था और मैं भी सरकार के सामने जीता था। अध्यक्ष महोदय, सवाल सरकार या बेसरकार का नहीं है। सरकार का पॉपुलर होना तो सरकार की नीतियों पर होता है। ये बोखला गए हैं, ये गवर्नर एड्रैस और बजट पर जो कुछ कहना चाहते थे, वह नहीं कह पर रहे हैं, इस हार से प्रभावित होकर इनके मुंह से कुछ और ही निकल रहा है। अध्यक्ष महोदय, बंसी लाल जी ने जिक्र किया कि हुड्को की ब्याज की दर ज्यादा है, बर्ल्ड बैंक से कर्जा क्यों नहीं लिया। चौधरी साहब, आपको मालूम है कि सैंक्रान लग गई थी और सैंक्रान लगने के बाद भी वर्ल्ड बैंक का कर्जा आपको नहीं मिला, वर्ल्ड बैंक से कर्जा न मिलने के कारण क्या वे सड़के जिनमें 6–6 फूट के गढ़े हो गए थे उनको ऐसे ही छोड़ देते, हमने इसलिए हुड्को से कर्जा लिया और स्पीकर सर,ब्याज पर पैसा भी उसी को मिलता है जिसके बारे में पता होता है कि इससे पैसा

वापिस आएगा। अध्यक्ष महोदय, सड़कें अच्छी बनेंगी तो बसें उस पर ज्यादा चलेंगी,ट्रैफिक उन पर ज्यादा चलेगा, उससे स्टेट को पैसा आएगा, स्टेट का विकास होगा और इससे कर्जें के पैसे को भी हम वापिस कर सकेंगे।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से पूछना चाहूँगा कि क्या उन सड़कों पर कोई मैटीरियल भी डलवाया गया है।

प्रो. सम्पत सिंह : बंसी लाल जी, आप लिखकर भेज दें कही मैटीरियल डलवाना होगा तो हम वहां पर मैटीरियल डलवा देंगे। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने बिजली का जिक्र करते हुए कहा कि नलकूपों की संख्या पहले से कम हुई है और आपकी सरकार क रही है कि 10 हजार नलकूप बढ़ गए है। इसके साथा ही इन्होंने यह कहा कि बिजली महंगी कर दी। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि जहां खारा पानी हो जाता है या नहरी पानी पूरा मिल जाता है वहां के लोग लनकूपों के कनैक ान डिस कनैक्ट करवा लेते है। ये एक दिन के आंकड़े नहीं चल रहे, ये हर सरल के आंकड़े हैं, स्टैटिस्टिकल डाटा जो आता है वह हर साल आता है। कई बार जो बिल की अदायगी नहीं करता है उनके भी कनैक ान काटे जाते है। बात यह है कि मौजूदा वर्श में कितनी अचीवमैंट्स की गई हैं तो मैं इनको बताना चाहता हूँ कि 10 हजार टयूबवैल्ज के कनैक ान पिछले साल बौर 10 हजार कनैक ान इस साल सरकार ने दिए हैं जबकि इनकी सरकार ने 10 सालों में भी इतने

कनैक ान नहीं दिए होंगे। अध्यक्ष महोदय, अब मैं बिजली के रेटों पर आता हूँ। मैं सारे हिन्दुस्तान मे बिजली के टैरिफ के बारे में बता देता हूँ। पंजाब में कृशि के लिए बिजली फ्री है, आंध्र प्रदे ा में ऑलमोस्ट फ्री है।

चौ. जय प्रका ा : अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहूँगा कि मध्य प्रदे ा में भी फ्री है, वह भी बता दें। (भाोर एवं व्यवधान)

प्रो. सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूँगा कि हिन्दुस्तान में बाकी स्टेट्स में मुकाबले हरियाणा में कृशि का टैरिफ कम है। ये आंकड़े मैं बता रहा हूँ। आसाम में कांग्रेस की सरकार है वहां पर कृशि पर बिजली का रेट 2 रूपये 70 पैसे प्रति यूनिट, वैस्ट बंगाल में 1 रूपया 83 पैसे, उड़ीसा में 1 रूपया 10 पैसे, मध्य प्रदे ा में ये कह रहे थे कि फ्री है तो मैं इनको बताना चाहूँगा कि पहले 1 रूपया 20 पैसे था लेकिन अब 50 पैसे घटाकर 70 पैसे कर दिया गया है, राजस्थान में भाायद कांग्रेस की सरकार है वहां 90 पैसे प्रति यूनिट, कर्नाटक में भी कांग्रेस की सरकार है वहां 80 पैसे प्रति यूनिट, दिल्ली में भी कांग्रेस की सरकार है वहां पर 75 पैसे प्रति यूनिट, उतर प्रदे ा में 70 पैसे, केरला में 95 पैसे, तमिलनाडु में 50 पैसे, हिमाचल प्रदे ा में 50 पैसे और गुजरात में बी.जे.पी. की सरकार है वहां 50 पैसे प्रति यूतिट बिजली का रेट है। जबकि हरियाणा में किसानों को 45 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से सिंचाई के लिए बिजली दी जाती है जो दे ा

में सबसे सस्ती है, पंजाब को छोड़कर क्योंकि पंजाब में तो किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली दी जाती है।(भाोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, हमारी किसान को 8 घंटे हर रोज बिजली देती है और जहां दूसरे राज्यों में कांग्रेस की सरकार हैं वहां किसानों को 2 घंटे से ज्यादा बिजली नहीं मिलती। (भाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : प्लीज बैठिये–बैठिये

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, यह सारा झूठ का पुलिंदा है। (भाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : राम भगत जी प्लीज आप बैठें। (भाोर एवं व्यवधान)

राव इन्द्रजीत सिंह : अध्यक्ष महोदय, जो ये 45 पैसे बता रहे है ये प्रति हार्सपावर वसूल किए जाते हैं या पर यूनिट। यह तो क्लीयर करें। (भाोर एवं व्यवधान)

Prof. Sampat Singh : Speaker Sir, this is not a question hour but i repeat again

कि हरियाणा में किसान से 45 पैसे प्रति युनिट के हिसाब से बिजली का बिल वसूल किया जाता हैं। इसके अतिनिक्त चौधरी बंसी लाल जी ने जिक्र किया था कि साईबर सिटी का काम प्राइवेट सैक्टर में क्यों दिया गया है। यदि यह काम हुड्डा या एच.एस.आई.डी.सी. से सरकार करवाती तो 300 करोड़ रूपये

सरकार के बच जाते। इस बारे में मैं बताना चाहूँगा कि हमने पूरी ट्रासंपेरैसी से प्राइवेट सैक्टर को साईबर सिटी का काम दिया है और हमारी सरकार राईट ऑफ वे की नीति भी लाई है इसमें एक दो कंपनीज आई है। (भाोर एवं व्यवधान) स्पीकार सर, इन्होनें न तो कुछ किया और न हमे करने देना चाहते। जिस समय हमारी सरकार आई उस समय हरियाणा प्रदे ा कि आई.टी. सैक्टर मे बहुत बुरी हालत थी और इनकी गलत नीतियों की वजह से आंध्र प्रदे ा तथा कर्नाटक आई.टी. क्षेत्र में हमारे से आगे निकल गए। हम चाहते है कि हमारे पुराने संस्कार रहे लेकिन हम यह नहीं चाहते कि हम आधुनिकी करण की तरफ न बढ़े। हम चाहते है कि अपने पुराने संस्कारों के साथ आधुनिकी करण की तरफ बढ़े और यहीं हमारी सरकार ने किया है।Private participation that is must स्पीकर सर, आई.टी. क्षेत्र में यदि आंध्र प्रदे ा और कर्नाटक हमारे से आगे है तो वे सिर्फ प्राईवेट पार्टीसिपे ान करके आगे आए है। स्पीकर सर, हमारी आई.टी. नीति में पूरी ट्रांसप्रेंसी है और यदि विपक्ष का कोई भाई साईबर सिटी का लाईसैंस लेना चाहता है तो वह अपलाई कर दें। यदि नॉर्म्ज पूरा करता होगा तो हम उसे जरूर लाईसैंस दैगें। स्पीकर सर, प्राइवेट पाटीसिपे ान से सरकार को नुकसान नहीं हुआ है इससे सरकार को फायदा होगा।

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, इससे सरकार को तीन सौ करोड़ का नुकसान होगा।

प्रो. सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, बंसी लाल जी भी अपलाई कर दें यदि ये नार्म्ज पूरे करते होगें तो इन्हे भी साईबर सिटी का लाईसैंस दे दिया जाएगा।

श्री धर्मवीर सिंह : अध्यक्ष महोदय,

श्री अध्यक्ष : धर्मबीर जी, जो कुछ कह रहे है वह रिकॉर्ड न किया जाए।

प्रो. सम्पत सिंह : स्पीकर सर, हमने साईबर सिटी का लाईसैंस देने के लिए बकायदा रूल्ज बनाए है, रैगुले ांज बनाए है तथा लाईसैंस मंजूर करने के लिए नार्म्ज फिक्स किए गए है। यह एक खुली नीति है यदि इस में दस पार्टी आना चाहेगी और वे नार्म्ज पूरा करती होगीं तो हम दस की दस पार्टीयों को लाईसैंस दे देंगे इसके लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है। स्पीकर सर, हम साईबर सिटी ही नहीं बल्कि मैडी सिटी भी बनाने जा रहे है। फिर ये कहेंगे कि मैडी सिटी क्यों बनाई जा रही है। (**इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए।)** डिप्टी स्पीकर सर, आज के दिन मैडीकेयर की बहुत आव यकता है। आप तो जानते है कि हमारे हरियाणा में कितने अच्छे मैडीकल हॉस्पीटल है और कितने पांच सितारा होटल है। जब तक ये चीजें हरियाणा में नहीं आएगी तब तक रोजगार नहीं बढ़ेगा, व्यापार नहीं बढ़ेगा,विकास नहीं होगा इस लिए इनका आना जरूरी है। डिप्टी स्पीकर साहब, इन्होंने ऑन लाईन लाटरी का भी जिक्र किया है। (भाोर एवं विध्न) डिप्टी

स्पीकर साहब, जो ऑन लाईन लाटरी का सवाल यहां पर उठाया गया है उस बारे में मैं सदन को बताना चाहता हूॅ कि बहुत सारी मैजोरिटी स्टेट्स में लाटरी चल रही है। यह एक ह्यूमन नेचर है । (भाोर एवं विध्न) चौधरी बंसी लाल जी ने भाराब को रोकने के लिए ट्राई किया था। हम सब मानते है कि भाराब पीना बुरी बात है। इसमें कोई दो राय नही की हर आदमी मानता है कि भाराब की लत बहुत बुरी लत है। लोगों का भाराब पीना कानून द्वारा बन्द्ध नहीं कराया जा सकता। चौधरी साहब, आपने कानून द्वारा इसे बंद करने के लिए प्रयास करके देख लिया। उसके क्या नतीजे हुए वे भी आपने देख लिए।(भाोर एवं विध्न) अमेरिका में ि ाकागो में भी भाराब बंद की गई थी। आज भी ि ाकागो भाहर में क्राईम रेट कम नहीं आया है। कानून बनाकर जहां भी भाराब बंद की गई,उसके ठीक परिणाम नहीं निकले। जैसे हालात ि ाकागो में हुए थे, वहीं हालात हरियाणा प्रदे ा में भी हूए है। ये लोग तो उन हालातो को छोड़ कर चले गए लेकिन हम उनको भुगत रहे हैं। भाराब को बंद करने की वजह के नतीजे यह निकले कि हमारे न जाने कितने नौजवान भटक गए। (भाोर एवं विध्न) उस समय भी लोगों ने भाराब पी और बहुत ज्यादा पीं जिससे स्टेट को करोड़ों रूपए का नुकसान हुआ। डिप्टी स्पीकर साहब, मैं इनसे पुछना चाहता हूॅ कि क्या गरीब आदमी दारू नही पीता। चौधरी बंसी लाल जी ने जो भाराब बंद की थी उससे स्टेट को बहुत ज्यादा नुकसान हुआ। ऐसी चीजो को हम कानून से नहीं हटा सकते बल्कि उनको भाराब न पीने के बारे में समझाया जा सकता

है। इसके लिए लोगों के सामने गोश्ठियां करे, सम्मेलन करे और लोगो को बताया जाए कि यह चीज अच्छी नहीं है, भाराब पीना बुरी लत है। जुआ खेलना भी बुरी लत है और लाटरी खेलना भी बुरी लत है। इनके बारे में आप लोगों को समझाए।डिप्टी स्पीकर साहब, लोगो में इस तरह की जो आदते है उनको समझा कर ही हटाया जा सकता है। इन्होंने खुद ही भाराब बंद की थी और फिर इन्होंने खुद ही उन ऑर्डर्ज को वापिस लै लिया। मेरा कहने का मतलब यह है कि जब आप भाराब बंद करके उसे दोबारा चला सकते है तो क्या लाटरी को ठीक ढ़ग से नहीं चलाया जा सकता।(भाोर एवं विध्न)डिप्टी स्पीकर साहब, जहां तक लाटरी को चलाने का सवाल है,इसका मतलबहै कि आप अवैद लाटरी न रखें।अगर प्रदे ा में कही अवैद लाटरी यानि कही झटके,कहीं मटके,कही सट्टे जैसी चीजें चले तो क्या वह अच्छा है। इससे जब अपराध बढ़ेगें तब क्या अच्छा रहेगा।

श्री बंसी लाल : ऑन ए प्वाइट ऑफ ऑर्डर सर।(भाोर एवं विध्न) आप मेरी बात सुने।

श्री उपाध्यक्ष : चौ.बंसी लाल जी,आप तो बड़े वरिश्ठ सदस्य है। आप तो नियम के हिसाब से चलते है। आपको नियमो का पता होगा।

श्री बंसी लाल : मुझे नियमो का पता है। (भाोर एवं विध्न)

श्री उपाध्यक्ष : बंसी लाल जी, आपने बोलने से पहले मेरे से पूछा नहीं है। ऐसे हाउस नही चलेगां। मैं मानता हूॅ कि आप तो कम से कम नियमो से बंद करके चलते है। आप मेरे से पूछ कर बोल सकते है।(भाोर एवं विध्न) सम्पत सिंह जी आप अपनी बात कहिए।(भाोर एवं विध्न)

प्रो. सम्पत सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, सरकार की इस बारे में अन्दर की कोई बात नहीं है। सरकार का बिल्कुल ओपन माईन्ड है। सरकार को अपना काम चलाने के लिए नॉन कनवैन्र ान रिर्सोसिज जुटाने पड़ेगें।अकेले कनवैन्र ानल रिसोर्सिज से आप कितने दिन जीवित रहेंगे। जब टैक्स लगाने की बात आती है तो फिर यह कहते है कि सरकार ने टैक्स बढ़ा दिए। फिर ये भाोर मचाते है कि फलां–फलां चीजों के दाम बढ़ा दिए गए। (भाोर एवं विध्न) स्पीकर साहब, नॉन कनवैन्र ानल रिसोर्सिज जुटाने पड़ेंगे और नॉन कनवैन्र ानल रिसोर्सिज जुटाने के लिए ऑन लाईन लाटरी न केवल हरियाणा सरकार लें कर आई है बल्कि अब सिक्किम में भी किसी प्राईवैट पार्टी ने सरकार के साथ कोलैबोरे ान करके उसको चलाया है। (भाोर एवं विध्न) डिप्टी स्पीकर साहब, जो लाटरी सरकारों द्वारा चलायी जा रही हैं उन लाटरियों पर हम पाबन्दी नहीं लगा सकते। मैं पूछना चाहता हूॅ कि क्या हम ऑन लाइन लाटरी को बिना टैक्स चलने दें। ऑन लाइन लाटरी के बारे में एक दो स्टेट्स कोर्ट के अन्दर भी गई और वहां जा कर वे स्टै ले आयीं।कोर्ट ने कहा कि जब आप

अपनी लाटरी चला रहे हैं तो दूसरी लाटरी को हम बन्द नहीं कर सकते। डिप्टी स्पीकर साहब, इसी वजह से जब हरियाणा में ऑन लाइन लाटरी आयी तो आते ही हरियाणा सरकार ने मन बनाया कि इस पर 20 परसैंट टैक्स लगा दें। इसमें क्या बुराई है और कोई आदमी सट्टा खेलता है तो उसका कोई पैसा तो सरकार के पास नहीं आता। यदि कोई लाटरी वैध खेलेगा तो स्टेट को पैसा तो आयेगा। जहां तक ये जुआ घर की बात कर रहे हैं, कैसीनो की तरफ इ ाारा कर रहे थे, इस बारे में मैं कहना चाहूँगा कि सरकार बाकायदा कैसीनो भी भारू करेगी। हमें अपने रवैन्यू को तो बढ़ाना ही पड़ेगा और नॉन कन्वैं ानल रिसोर्सिज भी लेकर के आयेगें। गोवा के अन्दर भी यह हुआ है। दूसरी स्टेट्स के अन्दर भी यह हो रहा हैं।(भाोर एवं विध्न) इस तरह की बाते करने से कोई फायदा नहीं है। जो लोग जुआ खेलते हैं। अवैध खेलते है। अवैध काम करने से कोई पैसा सरकार को नहीं आता। डिप्टी स्पीकर साहब, सरकार सोच विचार करके नीति बनायेगी, सरकार ट्रांसपेरेट तरीके से काम करेगी। यहां पर कहा गया कि प्रति व्यक्ति आय घटी है। इस बारे में मैं यहां पर पहले ही बता चुका हूँ कि प्रति व्यक्ति आय घटी नहीं है बल्कि बाकायदा बढ़ी है। इसी प्रकार से यहां पर कानून व्यवस्था की स्थिति का भी जिक्र किया गया है। कानून व्यवस्था की स्थिति हरियाणा प्रदे ा के अन्दर बाकी सभी प्रदे ाों से बढ़िया है। पहले जहां इन्हांने नौजवानों को बिगाड़ने की कोि ा ा की थी वहां अब हम उन नौजवानों को रास्ते पर लाने की कोि ा ा कर रहे है। इन लोगो

को रास्ते पर लाने के लिए हमने स्पोर्ट्स नीति भी बनसशी है ताकि नौजवान अपराधों की तरफ न जायें बल्कि खेलों की तरफ आयें। डिप्टी स्पीकर साहब, इस बात के लिए हरियाणा प्रदे ा को गर्व कना चाहिए। सारे अपोजी ान को भी बधाई देनी चाहिए कि यूथ फेस्टिवल अगर पहली बार कहीं पर हुआ है तो वह कैपीटल हैड क्वार्टर पर न होकर हिसार में हुआ है। यह हरियाणा प्रदे ा में डिस्ट्रिक्ट लैवल पर पहली बार हुआ है। उसमें सारे हिन्दुस्तान से आए हुए नौजवानों ने, लोगों ने, उसको सराहा है। इसका नतीजा यह भी निकला कि हमारी जो केन्द्रीय खेल और युवा मामलों की मंत्री उमा भारती है, उन्होंने वहां पर ही स्पोर्ट्स युनिवर्सिटी खोलने के बारेमें अनाउंसमैंट की। हिन्दुस्तान में यह स्पोर्ट्स युनिवर्सिटी पहली युनिवर्सिटी होगी। इसी तरह से सोनीपत डिस्ट्रिक्ट में नार्थ जॉन का स्पोर्ट्स कम्पलैक्स भी सैंटर गवर्नमैंट ने मंजूर किया है। अब तक नॉर्थ जॉन में कोई स्पोर्ट्स सैंटर नहीं था। डिप्टी स्पीकर साहब, अम्बाला और गुड़गांव में ऐस्ट्रोटर्फ लगाने जा रहे है,हिसार में भी स्पोर्ट्स की एनाउंसमैंट की है, ईनाम बढ़ाए गए हैं और रियायतें दी गई है, नर्सरियां खोली गई है और डिप्टी स्पीकर साहब, भाायद आपका कोई भी ऐसा दिन नहीं बीतता होगा जब किसी न किसी ने ानल लैवल की चैम्पियनि ाप में भाग न लेने जाना पड़े।(विध्न)। 3 नौकरियों में रिजर्वे ान जवानोंके लिए स्पोर्ट्स पर्सनल के लिए रखी गई है। जितने भी बोर्डज तथा कॉरपोरे ान्ज हैं वे भी अपनी टीमें बना रहे हैं ताकि उन बच्चों का खेल स्तर राश्ट्रीय स्तर तक ले

जाया जा सके। उपाध्यक्ष महोदय, नौजवानोंके प्रति सरकार कटिबद्ध है। इसी प्रकार से नये–नये कोर्सिज चालू किये जा रहे है जो कि व्यवसाय पैदा करते है। केवल मात्र सरकारी तौकरियां ही रोजगार नहीं देती आज आप कोई व्यवसाय करेगे तो आप रोजगार प्र ाक्षण लेंगे, ट्रेनिंग लेंगे,आई.टी.आईज. तथा पोलिटैक्निक्स में जा कर आप स्वरोजगारी प्राप्त कर सकते हैं, यह काम भी सरकार ने चालू किया है। डिप्टी स्पीकर साहब,यहां पर एक एफ.डी. आई. का जिक्र किया था फॉरेन इन्वैस्टमैंट का भी चौधरी कर्ण सिंह दलाल जी ने जिक्र किया था इस बारे इन्होंने बड़े अच्छे सूझाव दिए हैं मैं इनकी ताईद करता हूॅ। चौधरी भजन लाल जी के टाइम में 1991–96 की 5 साल की अवधि में 1457 करोड़ एफ.डी. आईज की थी, चौधरी बंसी लाल जी के टाइम में 1437 करोड़ की थी केवल मात्र आपकी सरकार में अढ़ाई साल में समय में असल में तो दो साल ही कहें क्योंकि इसमे से 6 महीने तो चौधरी बंसी लाल जी वाला अड़ंगा ही था। इस दो साल में 1826 करोड़ रूपये की फॉरेन इन्वैस्टमैंट आई है (विध्न) डिप्टी स्पीकर साहब, मैं कन्कल्यूड करने जा रहा हूॅ और एक बात फिर यह कहना चाहूॅगा कि एक बहुत बढ़िया बात कही थी बजट के 87 और 88 पैरा में,मांगे राम गुप्ता जी अगर ध्यान से पढ़ते तो इन बातों के लिए सरकार का धन्यवाद करते। सदन में जितने भी सदस्य बोले किसी ने भी इस बात पर ध्यान नहीं दिया। उपाध्यक्ष महोदय, यह कितना सीरियस मैटर था और कितनी चिन्ता का विशय था तथा सरकार ने भी इस पर चिन्ता जाहिर की है। डिप्टी

स्पीकर साहब, कन्या भ्रूण हत्या एक अन्य चिन्ताजनक विशय है(विध्न) इसके बारे में अगर बजट पर बोलते हुए किसी ने कुछ बोला हो तो बताएं। (विध्न) इसी प्रकार से राज्य प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम है जो कि आज भी चलाया जा रहा है। ये दोनो चीजें एक रैवोल्यू ानरी स्टैप्स हैं और इन्होनं इनकी तरफ कोई ध्यान नहीं दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, जो भी मांगे इनकी तरफ से आई है और सदस्यों ने भी अपनी मांगें रखी हैं, सरकार इन पर गौर करेगी। वैसे तो सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में स्वयं मुख्य मंत्री जी ने जितनी भी एनांसमैंटस की हैं उनके बारे में मैंने बजट स्पीच में यह बताया था कि सारी एनाउंसमैंटस पर काम हो चुका है या चल रहा है और हर हल्के के अन्दर सरकार ने काम रिवाए है। सरकार केलिए सारे हल्के बराबर हैं किसी एक हल्के का सवाल नहीं है। 90 के 90 हल्कों में मुख्य मंत्री जी जाते हैं चाहे वहां के विधायक उसमें आएं या नहीं आएं लेकिन माननीय मुख्य मंत्री जी की और से बाकायदा लोगों से यह कहा जाता है कि वे सरकार आपके द्वार में अपने हल्के की मांगे और समस्याएं रखें ताकि उनका निवारण हो। मुख्य मंत्री जी के दिमाग में ऐसी कोई बात नहीं है कि यह हल्का सतापक्ष के विधायक का है या ओपोजी ान के विधायक का हैं मुख्य मंत्री जी के लिए और हरियाणा सरकार केलिए सारे के सारी हल्के बराबर हैं और हर हल्के के अन्दर पूरा काम किया जाता है। सदन में जा मांगे रखी गई हैर उन पर सरकार पूरा गौर करेगी, मैं डिप्टी स्पीकर साहब, के माध्यम से हाउस से यह निवेदन करूंगा कि इनता बढ़िया तो

बजट आया है और जो डिमाण्डज हैं उनको ध्वनि मत से पास करना चाहिए ओर पूरे उत्साह के साथ पास करपा चाहिए, पार्टी लाइन से पर उपर उठ कर चलना चाहिए। धन्यवाद सर।

वर्श 2002–2003 के बजट की अनुदानों की मांगों पर चर्चा तथा मतदान

Mr.Deputy Speaker: Hon'bles members,Now discussion and voting on the Demands for Grants on Budget for the year 2002-2003 will take place.As per the past practice and to save the time of the House, all the demands on the order paper will be deemed to have been read and moved.Hon'ble members can discuss any demands but they are requested to indicate the demand number on which they wish to raise the discussion.

That a sum not exceeding Rs.7,64,84,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of Payment for the year 2002-2003 in respect of charges under **Demand No. 1-Vidhan Sabha**.

That a sum not exceeding Rs.2,50,14,17,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of Payment for the year 2002-2003 in respect of charges under **Demand No. 2-General Administration**.

That a sum not exceeding Rs.5,54,12,97,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray

charges that will come in the course of Payment for the year 2002-2003 in respect of charges under **Demand No. 3- Home**.

That a sum not exceeding Rs.1,60,07,07,000/- for revenue expenditure and Rs.5,00,00,000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of Payment for the year 2002-2003 in respect of charges under **Demand No. 4-Revenue.**

That a sum not exceeding Rs.45,15,52,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of Payment for the year 2002-2003 in respect of charges under **Demand No. 5- Excise & Taxation.**

That a sum not exceeding Rs.6,28,82,34,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of Payment for the year 2002-2003 in respect of charges under **Demand No. 6- Finance.**

That a sum not exceeding Rs.5,42,40,57,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of Payment for the year 2002-2003 in respect of charges under **Demand No. 7- Other Administration Services.**

That a sum not exceeding Rs.2,08,47,00,000/- for revenue and Rs.3,00,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of Payment for the year 2002-2003 in respect of charges under **Demand No. 8- Buildings & Roads.**

That a sum not exceeding Rs.17,05,96,21,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of Payment for the year 2002-2003 in respect of charges under **Demand No. 9-Education.**

That a sum not exceeding Rs.6,87,39,82,000/- for revenue expenditure and Rs.1,60,61,00,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of Payment for the year 2002-2003 in respect of charges under **Demand No. 10-Medical & Public Health.**

That a sum not exceeding Rs.41,05,72,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of Payment for the year 2002-2003 in respect of charges under **Demand No. 11- Urban Development.**

That a sum not exceeding Rs.56,87,25,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of Payment for the year 2002-2003 in respect of charges under **Demand No.12 labour &Employment.**

That a sum not exceeding Rs.5,02,84,99,000/- for revenue expenditure and Rs.45,00,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of Payment for the year 2002-2003 in respect of charges under **Demand No.13 Social Welfare & Rehabilitation.**

That a sum not exceeding Rs.24,09,35,000/- for revenue expenditure and Rs.14,61,47,93,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of Payment for the year 2002-2003 in respect of charges under **Demand No.14 Food & Supplies.**

That a sum not exceeding Rs.14,09,93,00,000/- for revenue expenditure and Rs.3,25,00,00,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of Payment for the year 2002-2003 in respect of charges under **Demand No.15-Irrigation.**

That a sum not exceeding Rs.35,72,58,000/- for revenue expenditure and Rs.1,68,10,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of Payment for the year 2002-2003 in respect of charges under **Demand No.16- Indutries.**

That a sum not exceeding Rs.2,95,51,00,000/- for revenue expenditure and Rs.1,40,00,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of Payment for the year 2002-2003 in respect of charges under **Demand No.17-Agriclture.**

That a sum not exceeding Rs.1,35,65,79,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of Payment for the year 2002-2003 in respect of charges under **Demand No.18 Animal Husbandry.**

That a sum not exceeding Rs.12,34,60,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of Payment for the year

2002-2003 in respect of charges under **Demand No.19 Fisheries.**

That a sum not exceeding Rs.75,10,75,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of Payment for the year 2002-2003 in respect of charges under **Demand No.20 Forest.**

That a sum not exceeding Rs.1,26,64,53,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of Payment for the year 2002-2003 in respect of charges under **Demand No.21 Community Development.**

That a sum not exceeding Rs.21,81,00,000/- for revenue expenditure and Rs.15,76,29,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of Payment for the year 2002-2003 in respect of charges under **Demand No.22-Cooperation.**

That a sum not exceeding Rs.5,03,84,84,000/- for revenue expenditure and Rs.50,66,00,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of Payment for the year 2002-2003 in respect of charges under **Demand No.23-Transport.**

That a sum not exceeding Rs.92,51,000/- for revenue expenditure and Rs.2,50,00,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of Payment for the year 2002-2003 in respect of charges under **Demand No.24-Tourism.**

That a sum not exceeding Rs.2,21,12,71,000/- for revenue expenditure and Rs.3,00,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of Payment for the year 2002-2003 in respect of charges under **Demand No. .25 Loan & Advances by State Govt.**

Mr.Dputy Speaker: I have also received notices of cut motions on the various demands from some M.L.As. These will also be deemed to have beenread and moved.However,I shall put the various cut motions to the House when the respective demands are put to theHouse.Such members may, however, participate in the discussion.

Demand No.3

1.Cap.AjaySingh;

2.Shri Jai Parkash and

3.Shri Karan Singh Dalal,M.L.As

That Demand No. 3 of Rs.5,54,12,97,000/- for revenue expenditure and Rs.27,00,00,000/- for capital expenditure on account of Home be reduced by Rs.1,00,000/-.

Demand No.5

1. Cap.AjaySingh;

2. Shri Shadi Lal Batra and

3. Smt.AnitaYadav,M.L.As

That demand No. 5 of Rs.45,15,52,000/- on account of Excise and Taxation be reduced by Rs.1/-.

Demand No.9

1. Cap.AjaySingh;

2. Shri Shadi Lal Batra and M.L.As

That demand No.9 of Rs. 17,05,96,21,000/- on account of Education be reduced by Rs.1000/-.

Demand No.10

1. Cap.AjaySingh;

2. Shri Shadi Lal Batra and

3. Shri Dan Singh, M.L.As

That demand No.10 of Rs. 6,87,39,82,000/- for revenue expenditure and Rs.1,60,61,00,000/- for capital expenditure on account of Medical and Health be reduced by Rs. 1/-.

Demand No.11

1. Smt. Anita Yadav,

2. Cap.AjaySingh; and

3. Shri Shadi Lal Batra and M.L.As

That demand No.11 of Rs.41,05,72,000/- on account of Urban Development be reduced by Rs.2/-.

Demand No.15

1. Cap.AjaySingh;

2. Shri Dharambir;

3. Shri Karan Singh Dalal, and

4. Shri Narender Singh, M.L.As

(i) That demand No. 15 of Rs.14,09,93,00,000/- for revenue expenditure and Rs. 3,25,00,00,000/- for capital expenditure on account ofIrrigation and be reduced by Rs.2/-.

1. Shri Karan Singh Dalal, and

2. Shri Jagjit Singh, M.L.As

(ii) That demand No. 15 of Rs. 35,72,58,000/- for revenue expenditure and Rs. 3,25,00,00,000/- for capital expenditure on account of Irigation be reduced by Rs. 1/-.

Demand No.16

1. Cap.AjaySingh;

2. Shri Dharambir, M.L.As

That demand No.16 of Rs. 35,72,58,000/- for revenue expenditure and Rs. 1,68,10,000/- for capital expenditure on account of industries be reduced by Rs.1/-.

Demand No.17

1. Cap.AjaySingh;

2. Shri Karan Singh Dalal, and

3. Shri Dharambir, M.L.As

That demand No. 17 of Rs.2,95,51,00,000/- for revenue expenditure and Rs.1,40,00,000/- for capital expenditure on account of Agriculture be reduced by Rs.1/-.

Now, discussion will take place. Shri Karan Singh Dalal may speak.

श्री कर्ण सिंह दलाल(पलबल) : अध्यक्ष महोदय, यह जो होम डिपार्टमैंट के बारे में डिमाण्ड है मैंने इसके बारे में कट–मो ान दी हुई है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार को सुझाव है कि जो यह गृह विभाग है यह प्रदे ा का सबसे महत्वपूर्ण विभाग माना जाता हैं प्रदे ा के अन्दर कार्य ठीक ढ़ंग से चले इसकी सबसे बड़ी जिम्मेवारी गृह विभाग की है और जिस तरीके से आज गृह विभाग को यह सरकार चला रही है, वह बहुत ही निन्दनीय बात है। उपाध्यक्ष महोदय, अब में पुलिस की भर्ती के बारे में कहना चाहूॅगा कि प्रदे ा में पुलिस की भर्तीकह जरूरत न होते हुए भी पिछले दिनों पुलिस की भर्ती की गई थी। कायदे और कानूनो का उल्लधंन किया गया था। उपाध्यक्ष महोदय मुझे पता चला है कि जो ए.एस.आई. की भर्ती हुआ करती थी अब यह सरकार उस ए.एस.आई.की भर्ती को खत्म करने जा रही है और सीधे तौर पर सब–इन्सपैक्टर्ज की भर्ती करना चाहती है। अगर इस सरकार ने सीधे ही सब–इन्सपैक्टर्ज की भर्ती करनी भाुरू कर दी तो यह सरकार बहुत बड़ा गुनाह करेगी। उपाध्यक्ष महोदय, नीचे से जो सिपाही, हवलदार ओर ए.एस.आई.की

परमो ान होती है वह परमो ान होनी बंद हो जायेगी। इसके अलावा सब–इन्सपैक्टर्ज उन बातों को नहीं सीख पाएगा जो ए.एस. आई. अपनी पोस्ट पर रहकर सीखता हैं। इसके अलावा पुलिस विभाग में हमने देखा कि पुलिस विभाग में मैडल बांटे गए।

वित मंत्री(प्रो.सम्पत सिंह) : उपाध्यक्ष महोदय, ये जो मैडल्ज दिए गए हैं ये राश्ट्रपति जी ने दिए है और भारत सरकार के कहने पर दिए हैँ।इस तरह से सदन में असत्य बातें करना कम से कम कर्ण सिंह दलाल जी आपको भाोभा नहीं देता है। डिप्टी स्पीकर साहब, इन्होंने जो मैडल्ज वाली बात कही है वह कार्यवाही से निकलवा दी जाए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : जो रिकमैंडे ान होती है वह स्टेट गवर्नमैंट की होती है। मेरा कहना है कि जो अच्छे पुलिस अधिकारी है, जो योग्य अधिकारी हैं और जिनकी इन्टेगरेटी जनता की भलाई का काम करने की है उन आफिसर्ज को इस सरकार ने खुड्डे लाइन लगा रखा है। जो पुलिस अधिकारी सरकार के इ ाारे पर राजनीजिक विरोधियों पर झूठे मुकदमे बनाना चाहते है और झूठे मुकदमे बनाने में लगे हुए हैं, उन पुलिस अधिकारियों को यह सरकार प्राथमिकता के आधार पर नियुक्ति प्रदरन कर सही है। उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा में पुलिस उपायुक्तों की, पुलिसकी जो एस.पी. और एस.एच.ओ. साहेबान हैंजिनकी पोस्टिंग अच्छी जगहों पर हैं उनके बारे में अगर उनकी कान्फीडै ियल रिपोर्टस मंगवा कर देखी जाए तो वह लाल पैन से भरी हुई होगी। मेरा आपके

माध्यम से सरकार को सुझाव है कि कम से कम हमारे गुड़गांव में, फरीदाबाद में,पानीपत और हरियाणा के दूसरे बड़े–बड़े भाहर हैं उनमें क्राईम को राकने के लिए अच्छे पुलिस अधिकारियों को नियुक्त करना चाहिए और डी.सी.पी. का जो सिस्टम दिल्ली में या दूसरे महानगरों में मुम्बई और कोलकता में हैं वही सिस्टम हरियाणा में होना चाहिए। यही मेरा आपके माध्यम से हरियाणा सरकार से अनुरोध है।

प्रो.सम्पत सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, इनकी सैल्फ कंट्राडिक्ट्री स्टेटमैंट आ गई है। अभी ये दिल्ली के बारे में कह गए कि हरियाणा में दिल्ली का जो सिस्टम हैं उसको लागू किया जाए। दिल्ली के बारे में इनको पता होना चाहिए कि वहां पर सब–इन्सपैक्टर की भर्ती डायरैक्ट रिक्रूटमैंट से होती है। ये सैल्फ कंट्राडिक्ट्री स्अेटमैंट दे रहे है। एक तरफ तो ये कह रहे है कि सब–इन्सपैक्टरज की डायरैक्ट रिक्रूटमैंट नहीं होनी चाहिए और दूसरी तरफ कह रहे है कि दिल्ली के पैटर्न पर यहां पर डी.सी.पी. नियुक्त होना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, अब हम इनकी कौन सी बात माने। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष महोदय : कैप्टन अजय सिंह जी, आप अपनी सीट पर बैठ जाएं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री देवराज दीवान : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के सम्मानित साथी श्री कर्ण सिंह दलाल जी को बताना

चाहूँगा कि दिल्ली के लोग यह चाहते है कि वहां पर आई.जी. सिस्टम होना चाहिए। डी.सी.पी. का जो सिस्टम है उसको वे नहीं चाहते।

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) : उपाध्यक्ष महोदय, दलाल साहब ने राश्ट्रपति द्वारा दिए गए मैडल्ज के प्रति जैसी भाशा का इस्तेमाल किया है मै चाहूगा कि उसे इस हाउस की कार्यवाही से निकलवा दिया जाए। मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूगा कि ये मैडल्ज लगभग 6 वर्श पहले दिए गए थे उस समय ये स्वयं मंत्री होते थे। ये उसी वक्त कि बात है इसलिए इस टिप्पणी को हाउस की कार्यवाही से निकलवा दिया जाए।

श्री उपाध्यक्ष : ठीक है, राश्ट्रपति द्वारा दिए गए मैडल्ज के बारे में दलाल साहब द्वारा जो टिप्पणी की गई है उन भाब्दो के हाउस की कार्यवाही से निकाल दिया जाए। अब कैप्टन साहब बालेंगे।

कैप्टन अजय सिंह यादव (रिवाड़ी) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं डिमान्ड न. 3 जो होम के बारे में है, बोलना चाहूँगा। सरकार ने अपने जवाब में द ार्िया है कि टोटल जो एबस्कोडर्ज थे वह पहली मई,1998 को 60742 थे जिनकी संख्या अब बढ़कर 11263 हो गई है। इसी प्रकार से आप देखेगें कि किडनैपिंग के 253 केसिज है जिनमे से केवल 139 केसिज में आरैस्ट हुई है। यह पोजि ान तो लॉ एंड ऑर्डर कि है। दक्षिण हरियाणा के टोटल

207 केसिज थे जिसमें से केवल 153 केसिज में आरैस्ट हुई है। इसी तरह से दूसरी बात मैं यह भी कहना चाहूॅगा कि बजट में जिस हाई–वे पैट्रोलिंग को भ्रारू करने के बारे में कहा गया है वह एक अच्छी प्रथा है लेकिन ये हाई–वे पैट्रोलिंग वाले फट्टी का काम करने लग गए है। मैंने खुद देखा था कि गाड़ी के अन्दर पीछे काकड़े की बोरी रखी हुई थी और गाड़ी हाई–वे पर जा रही थी अब हाई–वे पर हरासमैंन्ट भ्रारू हो गई है। कही पर भी वे यात्रीयों को रोकते है और उनको टार्चर करते है। इसी तरह से ट्रकों को रोक कर भी ऐसा किया जाता है। जबकि इनका काम यह है कि अगर हाई–वे पर कोई ऐक्सीडैड हो जाए तो वे उसके देखने का काम करें। लेकिन वे इस तरह की बातों पर ध्यान नहीं देतें हैं जो कि ठीक बात नहीं। इसी तरह से मैं एक बात यह भी कहना चाहूॅगा कि जो प्राईवेट कम्पनीज है या कोर्पोरेटस है जिनको सरकार ने अपने गार्डस दे रखे है उनकी तरफ करीब तीन या साढ़े तीन करोड़ रूपए ऐसे है जो पैंडिंग है इस बारे में सी.ए. जी. की रिपोर्ट में भी बताया गया है कि 2.9 करोड़ रूपया इस तरह का है जो पर्सनल्ज और कामर्ियल कम्पनीज है उनके पास जो गार्डस सरकार ने डिप्लाए कर रखे है, उनके एवज में सरकार ने आज तक उनसे पैसा वसूल नही किया है। जबकि यह पैसा उनसे एडवांस में लेना चाहिए था। मैं सरकार से ये जानना चाहूॅगा कि ऐसा क्यों नही किया गया? इसी तरह से एक बात और कहना चाहूॅगा कि 51 परसैंट भोयर रेलवे की तरफ हरियाणा सरकार का है वह भी आज तक नही लिया गया जबकि यह रेलवे

से ले लेना चाहिए था। इसी प्रकार से जेलों के अन्दर यह हालत हो गई है कि जिसके बारे में कहना मुि कल है। इस बारे में कई केसिज है जिनमें मुबाइल्ज फोन का जेलों के अन्दर इस्तेमाल हो रहा है खासकर गुड़गांव की जेल में आज भी इनका इस्तेमाल हो रहा है। उपाध्यक्ष महोदय, एक मिस्टर रिन्कू थे जिन्होने एगजाम देना था लेकिन वहां के डिप्टी सुपरिटैंडैंट ने उससे पैसा मांगा और उसको ऐग्जाम में नही बैठने दिया । जब जस्टिस वी.एम. जैन ने इस बारे में डायरेक ान दी तब उसको उसने एगजाम में बैठने दिया। उपाध्यक्ष महोदय, यह किस्सा आपके गुड़गांव का हैं इसी तरह से पंचकूला के सी.आई.डी. इंसपैक्टर भगवान सिंह के घर से ही मारूति को कोई उठाकर ले गया। इसी प्रकार से मुख्य मंत्री जी के खुद के रिलेटिव कैप्टन जसवन्त सिंह के साथ हांसी के भंडारी गांव में लोगों ने उनके घर में जाकर लूटमार की। इसका मतलब कोई सुरिक्षत नहीं है। इसी तरह से कैथल में सतबीर सिंह एक जब्बल गैंग है वह बाकायदा एक्सटोर ान कर रहा है। लोगों ने इस बात के लिए प्रोटेस्ट भी किया था। इसी प्रकार से जैसा मैंने पहले भी बताया कि भाास्त्री कालोनी के अंदर मिसेज सुदे ा अबराल पत्नी डॉ.एम.सी. अबराल को मार दिया गया था और उसकी ला ा एक बक्से में मिली थी।

श्री उपाध्यक्ष : कैप्टन साहब, अब आप बाईउड आप करें।

कैप्टन अजय सिंह यादव : जो, मैं वाईड अप कर रहा हूँ। उपाध्यक्ष महोदय,इसी तरह से पानीपत के कोर्ट प्रिमिसेज में जोगिन्द्र कौर बाकायदा आपने वकील से सलाह लेने गयी थी लेकिन उसको वही पर ही गोली मार दी गयी। वह तो केवल अपने वकील से बाते करने गयी थी। इस केस में सुई एक ऐसे व्यक्ति पर जाती है जो यहां पर एक उच्च पद पर बैठा हुआ है। मैं कहना चाहूँगा कि इस तरह की बाते ठीक नहीं है। कोर्ट में वह आने वकील से सलाह करती है लेकिन वहां भी उसकी जान सुरक्षित नहीं हैं। मैं इस बारे में कहना चाहूँगा कि सी.बी.आई. से इसकी इंक्वायरी होनी चाहिए कि किस हालात में जोगिन्द्र कौर को मारा गया हैं। उपाध्यक्ष महोदय, जस्टिस सिंघवी जी ने भी इस बारे में डायरैक ान दी हैं। वहां के बार–चीफ को भी इस बारे में थ्रेटस मिल रही है। इसी तरह से गांव रोजावास में पुलिस कस्टडी में एक व्यक्ति मारा गया है और इसी तरह से बल्लवगढ़ में भी दो लड़कियों के साथ ज्यादती हुई है।

श्री उपाध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप कोई लयी बात कहें क्योंकि ये सारी बातें तो आप बजट पर बोलते हुए भी कह चुके है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और कहना चाहूँगा कि मुख्य मंत्री जी के रि तेदार का फतेहाबाद में भाोरूम है यह पुलिस चौकी से 200 गज की दूरी पर है और कुछ लोगों ने उसमें घुस कर लूट मार की। इस तरह से

आज किसी की जान महफूज नहीं है। रोजाना लूट मार की वारदातें हो रही हैं।

परिवहन मंत्री (श्री अ ाोक कुमार अरोड़ा) : उपाध्यक्ष महोदय, अभी हमारे माननीय सदस्य ने हाइ–वे पैट्रोलिंग के बारे मं जिक्र किया। हरियाणा प्रदे ा की सरकार बनते ही मुख्य मंत्री जी ने रोड़ सेफ्टी के लिए हाइ–वे पैट्रोलिंग का गठन किया उससे हरियाणा प्रदे ा में एक साल के अंदर ऐक्सीडैंट्स में 20 प्रति ात की कमी आई। इसको न केवल हरियाणा प्रदे ा ने बल्कि भारत सरकारने भी सराहा है और उन्होंने दूसरी स्टेट्स को डायरैक ांज दी हैं कि हरियाणा के पैटर्न पर इसीप्रकार की हाइवे पैट्रोलिंग टीम बनाएं। जो माननीय सदस्य ने भांका जाहिर की कि पुलिस वाले लोगों को नाजायज लूटते है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकारकी तहफसे स्पश्ट डायरैक ांज हैं और जिन व्हीकल्ज से ऐक्सीडैंट का खतरा है सिर्फ उन्हीं को रोका जाता है जैसे सरिया बंधा हुआ है या तूड़ी भरी हुई है इसके सिवाय किसी को नहीं रोका जाता है। माननीय सदस्य के ध्यान मेंयदि कोई उेसा वाक्या है तो वे बता दें उस पर कार्यवाही की जाएगी।

श्री उपाध्यक्ष : जब श्री भाादी लाल बत्रा बोलैंगे। (विध्न) जय प्रका ा जी, आप बैठ जाएं। मैं आपकी ही पार्टी क सम्मानित सदस्य को बोलते का मौका दे रहा हूॅ। बत्रा जी, बाप बोलें। जय प्रका ा जी, आप खड़े होकर टाइम नहीं मांग सकते है। जिसको

मैंने टाइम देना है उसकी मैंने लिस्ट बना ली हैं। आम बैठ जाइए। (ाोर एवं व्यवधान)

चौ. जय प्रका ा : उपाध्यक्ष महोदय, मैं डिमांड नंबर 3 पर बोलने के लिए समय मांग रहा हूॅ मैं आपसे रिक्वैस्ट कर रहा हूॅ। आप हमारे गार्जियन हैं आपसे ही हम बालने के लिए समय देने की उम्मीद कर सकते है।

श्री उपाध्यक्ष : जो नाम मेरे पास आए हैं मैं उनको ही समय दे रहा हूॅ। आप मुझे डिक्टेट न करें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे डिमांड नंबर 3 पर बोलने के लिए इजाजत नहीं दी।

श्री उपाध्यक्ष : मैं सबको बानलने कि लिए समय दूंगा। जिका नाम कट मो ान में है उन सबको मैं बोलने का मौका दे रहा हूॅ।

राव इन्द्रजीत सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, जो भंाका है वह यह है कि डिमाड 3 पर चर्चा हो रही है और डिमांड नंबर 5 वाले सदस्य को आप बुला रहे है। डिमांड नं. 3 पर बोलने वाले को मौका नही मिला।

श्री उपाध्यक्ष : आप क्या कहतें हैं कि सभी तीन नंबर डिमांउ पर ही बोले हैं। तीन नंबर डिमांड के अलावा भी डिस्क ान हुई है और मैंने किसी को नहीं रोका। तीन नंबर

डिमांड के अलावा भी दूसरी डिमांडज को टच किया हैं। आप बैठिए प्लीज। एक चीज आप सुन लें। कट मो ान जितनी है उनको सबको इकट्ठा मुव किया है। जो सदस्य जिस पर बोलना चाहें वे बोल सकते है। अब श्री भाादी लाल बत्रा बोलेंगे।

श्री भाादी लाल बत्रा : उपाध्यक्ष महोदय, बजट पास हुआ है और उसमें कुछ चीजें ऐसी आई। मटके पर जब नंबर लगाते थे तो उसे गैर कानूनी माना जाता था और उन्हें पकड़ा जाता था आज इसमें 20 परसैटटैक्स लगाकर उस नंबर देने को मान्यता दे दी है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना करना चाहूँगा कि आज हम क्या करने जा रहे है। हम विकास की तरफ जा रहे हैं या विना ा की तरफ जा रहे ळ। इस लाटरी से किसी वर्ग वि ोश पर नहीं बल्कि भाहर में भी, गांव में भी सभी वर्ग, बल्कि गरीब वर्ग इससे ज्यादा प्रभावित होगा। एक रिक्ा मुलर सारे दिन की कमाई से भााम को लाटरी का नम्बर लगायेगा और सारे दिन की कमाई उसमें लगा देगा लाटरी का नम्बर तो किसी एक आदमी का लगेगा बाकी तो बर्बाद हो जायेंगे। यह जो जुआखाना सरकार खोलने जा रही है मैं तो यह कहूंगा कि यह ठीक नहीं हैं। जैसा कि माननीय वित मुत्री महोदय ने कहा कि नॉन कंवैं ानल सोर्सिज हाने चाहियें। वहां से रेवैन्यू आना चाहिये,वहां से कर आना चाहियें तभी विकास होगा वहां तक तो ठीक है क्योंकि नाम्न कंवै ानल हमारी संस्कृति के खिलाफ है यह विकास की भावना है उसके खिलाफ है उससे हमें कुछ फायदा

नही होगा बल्कि नुकसान होगा। इसके अलावा बजट मे यह भी द ार्या गया है कि नयी चीज आ रही है उससे इतना अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है कि कितना रेवैन्यू आयेगा। इस लयी चीज की जो भ्रुरूआत हो रही है वह ठीक नहीं है। अगर यह ठीक प्रकार से नहीं करेंगे तो इससे नुकसान होगा। मैं यह नहीं कहूंगा कि नहीं करो लेकिन अगर 20 प्रति ात टैक्स ही लगाना है तो सरकार अपनी लाटरी भ्रुरू करे तो कैसा रहेगा उससे अच्छा रेवैन्यू आयेगा। सिक्किम की लाटरी से वहां की सरकार ही कमायेगी। मैं तो यह कहना चाहता हूॅ कि वह सारी इन्कम हरियाणा सरकार को आनी चाहिए। हरियाणा सरकार सिक्किम की लाटरी को मान्यता देने की बजाये अपली लाटरी को मान्यता दे। इसके इलावा उपाध्यक्ष महोदय, मैं स्वास्थ्य के बारे में हकला चाहूॅगां। बजट में जो स्वास्थ्य के बारे में द ार्या गया है, मैं राहतक मैडिकल कॉलेज के कैंसर इंस्टिच्यूट के बारे में सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूॅ। वहां पर माफर्फिन की गोलियां नहीं मिलती हैं क्यों नहीं मिलती क्योंकि उसके लिए नारकोटिक्स बोर्ड से लाइसैंस लेना होता है वह लाइसैंस नहीं लिया गया है, वहां पर मरीज कराहते रहते है। दो साल पहले डब्ल्यू.एच.ओ. से अस हजार गोलियां ली गई थी उनकी पेमैट भी कर दी गई है लेकिन लाइसैंस न होने के कारण वे गोलियां अभी तक नहीं आ रही हैं । उपाध्यक्ष महोदय, बजट में बहुत कुछ द ार्या गया है लेकिन जो बेसिक चीजें हैं वे पूरील नहीं होती। वहां पर आप्रे ान के लिए ब्लेड नहीं होते हैं, आप्रे ान के लिए भार्मसार बात है। फिर किस

प्रकार की स्वास्थ्य की रक्षा यह सरकार कर रही है, किस प्रकार की सुविधा ये दे रहे है इसलिए सवास्थ्य के लिए जो बजट द ार्या गया है उसको और बढ़ाया जाये। तीसरी बात.....(विध्न)

श्री उपाध्यक्ष : बतरा जी वाईड अप कीजिये।

श्री भाादी लाल बत्रा : उपाध्यक्ष महोदय, जो ि ाक्षा नीति मे यह सैल्फ फायनैसिंग स्कीम है इसकी बजाये गुणों के आधार पर एडमि ान करने का प्रोविजन किया जायें। धन्यवाद।

चौ.जय प्रका ा(बरवाला) : उपाध्यक्ष महोदय, अपका धन्यवाद जो आपने मुझे बोलने का समय दिया। उपाध्यक्ष महोदय, गृह विीाग सरकार का सबसे महत्वपूर्ण विभाग है। लेकिन मैं बड़े खेद के साथ सदन को सूचित करना चाहूॅगा कि इस विभाग के पुलिस प्र ाासन को आज सरकार के कुछ लोगों द्वारा अपने राजनीतिक स्वाथों के लिए और बदला लेने के लिए प्रयोग में लाया जा रहा है। जैसा हक हर थाने मे पुलिस की जिप्सियां और गाड़ियां है उनको एक ही परिवार के लोगों की सिक्योंरिटी,एस्कार्ट,पायलट के लिए प्रयोग किया जा रहा है जिस पर करोड़ों रूपये का खर्चा जाता है। उपाध्यक्ष महोदय, सरकार का एक सदस्य जो आज एम.एल.ए. है और कल वह एम.एल.ए नहीं रहेगा तो क्या उसको फिर भी एस्कार्ट मिलेगी। ये एस्कोर्टस अपराध को राकने के लिए है। मैं एक उदाहरण देना चाहूॅगा कि एक बार कलायत में एक बदमा ा दुकान को लूटकर ले गया,

थाने में गाड़ी नहीं थी और पुलिस वाला मोटर साइकिल पर गया। इसलिए जो एस्कोर्टस दिए जाएं, इस बारे में सरकार सदन को बताएं कि जिप्सीयां कौन से थाने को दी गई हैं और कौन से इलाके को दी गई है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरे इलाके में री रेलू राम पूनिया जो किस इस सदन के सदस्य रहे हैं उनके पहरवार के 8 लोगों को मारा गया, अगर सरकार चुस्तऔर दुरूस्त होती तो वहां कोई एक्रूान लेती, जो वहां पर कांड हुआ उसका मुख्य कारण यह है कि प्र ाासन ने ठीक तरह से अपनी ड्यूटी नहीं निभाई। पुलिस के लोग मौके पर मौजूद नहीं थे उसके बाद जब मैंने यह बात उठाई तो उलटा मेरे खिलाफपर्चा दर्ज करने का काम किया गया। उससे बड़ा उदाहरण मैं आपके सामने थ्या दे सकता हूॅ। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहूॅगा कि कम से कम गृह मंत्रालय जिसका काम प्रदे ा के लोगों की जान की और उनके माल की सुरक्षा करना होता है उसका प्रयोग अपने निजी हितो के लिए न किया जाए बल्कि उनका प्रयोग उनके खिलाफ किया जाए जो जनता के साथा अपराध करते है। उपाध्यक्ष महोदय, झज्जर अदालत में सरेआम गोलियां चली लेकिन आज तक अपराधी को गिरफ्तार नहीं किया गया। पुलिस समय पर नहीं पहुंचती उसका एक कारण यह है कि थाने में रख रखाव ठीक तरह से नही किया जा रहा। नई जिप्सीयां पुलिस के उच्च अधिकारियों को दी जाती है। कई बारथानेका इन्चार्ज दूर होता है और कोई क्राइम होता है तो उस तक मैसेज नही जा पाता। इसलिए हर थाना इन्चार्ज के एक–एक

मोबाइल फोन देना चाहिए। ताकि जो थानों के और बीट के इन्चार्ज हैं अगर कोई क्राइम हो जाए तो उनको जल्दी से जल्दी बताया जा सके। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहूँगा कि रेलू राम पुलिया हत्याकांड की सी.बी.आई. से जांच कराई जाए।

श्रीमती अनीता यादव(साल्हावास) : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, वित मंत्री जी ने जो बजट पे ा किया था उसमें में आबकारी और कराधान विभाग के बारेमें कुछ जिक्र करना चाहती हूँ। सिरसा जिले में जो भाराब के ठेके खोले गये हैं और जो ठेके दिए गए हैं, जितनी सब ब्रांचिज खोली गई हैं इनका रेवैन्यू मुझे ठीक नहीं लगता। कैथल का ठेका दें दिया गया एण्ड कम्पनी की तरफ 50 लाख का ब्याज बकाया था उसके बावजूद भी उसको वर्श 2001–2002 का ठेका दे दिया गया और आज जो साढ़े 3करोड़ रूपये बजट में दिखाया गया है। मुझे यह रेवैन्यू ठीक नही लगता। इसी प्रकार भाहरों की बात मैं करना चाहूँगी। भाहरों के विकास केलिए 41 करोड़ 5 लाख 72 हजार रूपये की रा ि ा जो दिखई गई है मुझे लगता है कि इसमें कोई त्रुटि रह गई है। जिस भी भाहर से हम निकलते हैं वहां सड़कों की हालत बहुत खराब हैं। वाटर सप्लाई और सीवरेज का परली दोनों मिक्स होकर आता है इससे डायरिया होने की भी ि ाकायत मिली है। मेरा आपसे अनुरोध है कि रेवैन्यू डिपार्टमैंट के बारे में मुझे भाक है इसलिए इसकी जांच कराई जाए।

राव दान सिंह(महेन्द्रगढ़) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट की डिमांडस पर बोलने के लिए अवसर दिया इसके लिए मैं आपका ध्न्यवाद करता हूॅ। मैं जन स्वास्थ्य विभाग के ऊपर सरकार का ध्यान दिलाना चाहूॅगा। प्रदे ा के नागरिक प्रदे ा की धरोहर होते हैं अगर उनका स्वास्थ्य ठीक हो तो यह प्रदे ा के लिए दवाइयों का प्रावधान किया गया है वह इन–सफीि ाएंट है। पहली बात तो यह है कि दवाइयां उन अस्पतालों में मिलती नहीं और अगर मिलती भी हैं तो नाम मात्र। दूसरी बात जिसकी तरफ में सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूॅ कि महेन्द्रगढ़ क्षेत्र के साथ पिछड़ा नाम जुड़ा हुआ है। पहले भी मैंने बताया था कि जिस जिनले का नाम महेन्द्रगढ़ है और उसका हैडक्वार्टर नारनौल में है। महेन्द्रगढ़के सरकारी अस्पताल में महिला डॉक्टर नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, एक महिला जब बच्चे को जन्म देती है तो महिला का उस समय दूसरा जनम होता है। ऐसे समय में यदि किसी अस्पताल में महिला चिकित्यक न हो तो आप समझ सकते हैं कि महिलाओं को कितनी दिक्कत होती होगी। इसलिए उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूॅ कि महेन्द्रेढ़ जिले में नारनौल को छोड़कर पांचों ब्लाकों में कही भी महिला चिकित्सक नहीं है, सब–डिवीजन में भी महिला चिकित्यक नहीं है वहां महिला चिकित्सक का प्रबन्ध सरकार करवाये।(विध्न) उपाध्यक्ष महोदय, महेन्द्रगढ़ के अंदर अस्पतालों की हालत इतनी खराब हैकि वहां के अस्पताल अब एम.एल.आर. सैंटर बनकर रह गये है। इसलिए वहां के अस्पतालों की तरफ सरकार

ध्यान दे और जहॉ महिला डाक्टरों की जरूरत है वहां महिला डाक्टरों का प्रबन्ध करवाया जाये ताकि जनता का जो वि वास सरकारी अस्पतालों से उठ गया है वह दोबारा से बन जायें। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मै। एक दो बरते जनस्वास्थ्य विभाग के बारे में और कहना चाहूॅगा कि जन स्वास्थ्य की हालत आज यह है कि बहूत सी जगहों पर वाटर सप्लाई के पाइप्स टूटे हुए है। जब उनमें परली की सप्लाई की जाती है जतब वाटर सप्लाई बंद की जाती है तो गंदा पानी भी वाटर सप्लाई होता है। इससे बीमारी फेलने की आ ंका होती है। इस प्रकार के सैम्पलज कई बार भरकर हमने उनमण्डल अधिकारी को दिए है। इसलिए जहां भी पाईप्स टूटे हुए है। उन्हें बदला जाये और वाटर प्लाई टेंकों में दवाई डाली जाये ताकि जनता का स्वास्थ्य ठीक रह सके । इसके अतिरिक्त मैं मेरे ल्के से संबंधित एक और समस्या की तरफ जन स्वास्थ्य मंत्री का ध्यान दिलाना चाहूॅगा कि मेरे हल्के के गांव जाट की जो वाटर सप्लाई है उसके पानी को वाटर टैस्टिंग लैबोरेट्री ने चैक किया थाऔर कहा था कि इसका पानी पीने लायक नहीं है क्योंकि पानी में फलोराईड की मात्रा अधिक है जो दातों और हड्डियों के लिए हानिकारक है। लेकिन उसकी सप्लाई को आज तक भी नहीं रोका गया है। इस तरह के पानी की सप्लाई को बंद किया जाना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री धर्मवीर सिंह (तो ाम) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं डिमांड नम्बर 16 व 17 पर अपनी बात रखना चाहता हूॅ।(विध्न)

श्री उपाध्यक्ष : जय प्रका ा जी आप बैठे–बैठे न बोलें। आपको बोलने का मौका मिल चुका है।

श्री धर्मवीर सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, सिचाई के लिए बजट मे जितने पैसे का प्रावधान किया गया है वह कम है।

प्रो.सम्पत सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, इन्होंने कट मो ान दी है क्या यउस पैसे को और कम करवाना चाहते है।

श्री धर्मवीर सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, हम कम नहीं करवाना चाहते। मैं सम्पत सिंह जी को बताना चाहूॅगा कि सिंचाई के लिए बजट में बहूत कम पैसा रखा गया है तथा मेरे क्षेत्र के साथ भेदभाव भी बरता गया है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बताना चाहूॅगा कि हमारे दक्षिणी हरियाणा में पीने के पानी की बहुतकमी है इस कमी को पूरा किया जाये। हरियाणा प्रदे ा को लीन सीजन में 13 हजार क्यूसिक पानी भाखड़ा और यमुना सिस्टम से मिलता है तथा इससे टोटल 95 लाख एकड़ भूमि की सिंचाई होती है। 32 लाख एकड़ भूमि को ये 8 हजार क्यूसिक पानी देते है और63 लाख एकड़ भूमि को ये 5 हजार क्यूसिक पानी देते है। जब हम कहते है कि ऐसा क्यों हो रहा है तो जवाब मिलता है कि दक्षिण हरियाणा में लिफ्ट कनाल सिस्टम से सिंचाई होती है और ये खराब है। इसलिए मेरी वितमंत्री जी

सम्पत सिंह जी से प्रार्थना है कि वहां जे.एल.एन. कैनाल,सिवाणी,दादरी,जूई आदि फीडरों की मोटरें 6 महीने के अंदर बदली जायें या रिपेयर की जायें तथा इनके लिए बजट मे पैसे का प्रावधान भी किया जाये। उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं कृशि से संबंधित मांग पर अपने विचार प्रकट करना चाहूॅगा। वहां पर 100 स्प्रिंकलर सैट्स नहरो पर लगें हुए थे सरकार को चाहिए कि डीप सिस्टम के माध्यम से या टयूबवैलज के माध्यम से इन स्प्रिंकलर सैट्स का यूज करे। मैं आपके माध्यम से वित मंत्री जी के नोटिस में लाना चाहता हूॅ कि तारीबन 100 स्प्रिंकलर सैट्स आज भी गोदाम में पड़े हुए है, उनके ठीक करके दोबारा चलाया जाएं। यदि इनको ठीक करके दोबारा नहीं चलाया जाएगा तो इससे करोड़ो रूपए का जो माल है, वह खराब हो जाएगा।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं बिजली से संबंधित डिमांड पर अपने विचार प्रकट करना चाहूॅगा। इस बारे में मेरा सरकार से अनुरोध है कि हमारे यहां पर किसानों से बिजली का बिल लेने के लिए बिजली बोर्ड द्वारा चौथा स्लैब सिस्टम लागू किया जाये। भिवानी, महेन्द्रगढ़ और रिवाड़ी जिलों का इलाका ऐसा है जहां पर 200 फुट से ज्यादा गहरा पानी पहुंच चुका है। इन एरियाज में 20 हॉर्ज पावर की मोटर से भी पानी नहीं उठाया जा सकता। यदि पानी उठाया भी जाता है तो केवल 2 इंच ही पानी निकलता है। मैं मुख्य मंत्री जी के ध्यान मेंलाना चाहूॅगा क्योंकि इन्होंने लोगों को यह आश्वासन दिया था और चुनाव से पहले इन्होंने घोशणा

की थी कि यदि मेरी सरकार आयेगी तो वहां पर चौथा स्लैब सिस्टम लागू किया जायेगा। इसलिए मेरी सरकार से मांग है कि हमारे एरिया में यानी दक्षिणी हरियाणा में चौथा स्लैब सिस्टम लागू किया जाये।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मै। हैल्थ से संबंधित जो मांग है उस पर अपनी बात कहला चाहता हॅू। बड़े दुःख की बात है कि इस मद में 2 करोड़ 10 लाख की आबादी के लिए बजट के अन्दर केवल 16 करोड़ रूपये अवाइयों के लिए रखे गए है। बजट के हिसाब से देखें तो साल में एक आदमी पर केवल 7 रूपये खर्च आयेगा । आज 7 रूपये में तो कोई रिक ाा वाला बस स्टैण्ड से हॉस्पिटल तक भी लेकर नहीं जा सकता। इसलिए मेरी सरकार से मांग है कि इस मद में भी पैसे को बढ़ाया जाये ताकि आम आदमी को कुछ राहत मिल सके। उपाध्यक्ष महोदय, अंत मेंू मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्गिान लेता हॅू।

राव नरेन्द्र सिंह (अटेली) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे डिमांडज पर बोलने के लिए समय दिया उसके लिा मैं आपका धन्यवाद करता हॅूँ। मैं सबसे पहले डिमांड नं.15 जो सिंचाई से संबंधित है उसके विशय में कुछ बरतें कहना चाहॅूगा। इस बजट के अन्दर और राज्यपाल महोदय के अभिभाशण के अन्दर उन इलाको के बारे में जो हरियाणा के अन्तिम छोर पर लगते हैं जैसे नांगल चौधरी का इलाका है, गोद बलावा का इलाका है, रातामोलड़ा का इलाका है,अटेली के गनियार बजाड इलाके है

उनके लिए कोई नीति नहीं बनायी गयी है। सरकार को चाहिए कि टेल एण्ड के इलाको की तरफ वि ोश नीति बनायी जाये क्योंकि आज तक वहां पर नहर का पानी नहीं पहुॅच पाया है। इसका मुख्य कारण मैं समझता हूॅ कि या तो नहरों की गाद की सफाई नहीं करते या ऐसी व्यवस्था है कि जितना हमें पानी मिलना चाहिए वह पानी नही मिल पाता जिस कारण पानी का प्रै ार पूरा नहीं हो पाला और पानी बीच में ही रह जाता है। उपाध्यक्ष महोदय,आप जानते है कि आजकल बहूत से गांवो के अन्दर कैनाल बेस्ड वाटर स्कीम है। लोगों को पीने का पानी पूरा मिले इसलिए नही में पानी जाना बहुत जरूरी है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से यह निवेदन है कि आप अन्तिम छोर वाले इलाको के लिए पानी की अधिक से अधिक व्यवस्था करें ताकि उन इलाकों के लोगों को पीने का पानी और खेती के लिए पानी मिल सके।

उपाध्यक्ष महोदय,अब मैं काडा विभाग के बारे में जिकर करना चाहता हूॅ। हमारे जिले में इससमय काडा का कोई दफ्तर नहीं हैं। पहले जो दफ्तर कांग्रेस के समय में वहां पर था 1997 से ि ाफ्ट कर दिया गया। मैं आपके माध्यम से सरकार के नोटिस में लाना चाहूॅगा कि वहां पर अब भी काडा का काफी काम बचा हुआ है। मैं समझता हूॅ कि जब एस.वाई.एल. का पानी आयेगा और यदि उस समय काडा की तरफ से खालें नहीं हौंगी तो वह पानी हमें कैसे मिल पायेगा। जब नहरों में पानी ही नहीं आ पायेगाा तो फिर किसान आने खेतो में कैसे प्रोपर पानी दे सकेगा। अतः मेरा

आपके ताध्यम से अनुरोध है कि वहां पर काडा का आफिस अव य खुलवाया जाये ताकि वहां पर पानी की उचित व्यवस्था हो सके।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं सिंचाई से संबंधित मांग पर अपली बात कहना चाहूँगा । हमारे वहां पर पानी का स्तर काफी नीचे चला गया है। हमारे यहां पर पानी का स्तर 700 फुट से 1000 फुट तक चला गया है। जैसा कि आप जानते हैं कि नांगल चौधरी,नारनौंद ब्लाक के अन्दर सरकार की तरफ से कुएं खोदने पर भी बैन है जिसके कारण आज वहां पर स्थित यह बनी हुई है कि खेती के लिए तो कया पीने के पानी के लिए भी लोग तरस रहे है इसलिए मेरी सरकार से मांग है कि उन इलाकों में जहां वाटर लैवल नीचे चला गया है उसको री–चार्ज करने के लिए सरकार कोई सुविधा उपलब्ध कराए। सरकार चाहे नहर के माध्यम से वहां पर कोई पानी की व्यवस्था करें, या फ्लड के टाइम में या दूसरे समय के अन्दर उन नदियों पानी रोकने की व्यवस्था करें ताकि वहां का जल स्तर ऊपर आ सकें। इसी तरफ सरकार को वि ोश ध्यान देना चाहिए। अंत में उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना सीान लेता हूँ।

कैप्टन अजय सिंह यादव : उपाध्यक्ष महोदय, मैं सिंचाई से संबंधित मांग पर कुछ कहना चाहूँगा।(ाोर एवं विध्न)

श्री उपाध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप बैठिए। आप पहले ही बोल चुके है।(ाोर एवं विध्न)

चौधरी भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, कैप्टन साहब ने सभी डिमांडज पर कट मो ान दे रखे है। वे पहले समझ नहीं पाए थे कि सभी कट मो ान पर एक साथ बोलना है या अलग–अलग उनको बोलने का समय मिलेगा इसलिए मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप इनको दो मिनट का समय बोलने के लिए दे दें तो ये अपनी बात कह लेगें ।(ाोर एवं विध्न)

श्री उपाध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, मेरे पास जो–जो नाम आए है, मैने उन सभी को बोलने का मौका दिया हैं।(ाोर एवं विध्न)

चौधरी भजन लाल : ठीक है, आपने मौका दिया है, अच्छी बात है। मेरा आपसे अनुरोध है कि आप कैप्टन साहब को दो मिनट और बोलने का समय दे, इससे क्या फर्क पड़ेगा। (ाोर एवं विध्न)

श्री उपाध्यक्ष : हमें टाइम का भी तो ध्यान रखना है। यह भी देखना है कि कौन मैम्बर नहीं बोला है।अब इनको समय दिया तो फिर सारे के सारे बोलेगें। ऐसे बात नहीं बनती। (ाोर एवं विध्न) मैने सबको बोलने का मौका देने की कोि ा की है। यदि अब एक सदस्य को बोलने का मौका न दिया जाए और दूसरे को बोलने का मौका न दिया जाए तो यह अच्छी बात नहीं लगती।

(ाोर एवं विध्न) समय सबके लिए एक सार है। (ाोर एवं विध्न)आप सभी बैठिए। अब प्रो.सम्पत सिंह जी जवाब देंगे। (ाोर एवं विध्न)

प्रो.सम्पत सिंह : डिप्टी स्पीकर साहब, पहले भी यह ट्रैडी ान रही है कि चाहे कट मो ान हो चाहे डिमांडस हो सबको इकट्ठी ही लिया करते है और आपने इस बारे में ठीक ही कहां है। बहुत से मैम्बर ने डिमांड के माध्यम से और कट मो ान के माध्यम से कुछ बाते सदन में कहीं। हालांकि काफी बातें सैल्फ कण्ट्राडिक्टरी बातें थी जैसे मैने पहले भी जिक्र किया श्री मान कर्ण सिंह दलाल ने भी पुलिस के बारे में जिक्र किया कि पुलिस के फला पद को समाप्त करके फला को देना है। जैसे सब–इन्सपैक्टर का जिक्र किया था और उसके बाद देहली पैट्रन का जिक्र किया था कि यह देहली पैट्रन पर हो। उपाध्यक्ष महोदय, देहली के बारे में आपको बेहतर ज्ञान है क्योंकि आप देहली के नजदीक गुड़गांव में रहतें है। देहली में सब–इन्सपैक्टर की रिक्रूटमैंट,ए.एस.आई. और इन्सपैक्टर की डायरैक्ट रिक्रूटमैंट नहीं है और इसके लिए इन्होनें यह कहा कि यह पैट्रन लागू किया जाए। उपाध्यक्ष महोदय,यह समझ में नहीं आता कि वे क्या कहना चाहते थें ? जहां तक हरियाणा प्रदे ा का सवाल है, पुलिस प्र ाासन को या पुलिस की नियुक्तियों का जहां तक सवाल है (विध्न) हरियाणा प्रदे ा के हर वा ि ान्दे ने रिक्रूमैंट को सराहा है, ईवन आपोजि ान के मैम्बर्ज ने भी इसे सराहा है। उपाध्यक्ष

महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी ने हमे ाा यह ऐलान किया है कि कोई भी आदमी चाहे तो इस बारे में ि ाकायत करें। मुख्य मंत्री जी जहां कहीं भी जाते है, जनसभाओं में भी पूछते है और मीटिगों में भी यह पुछते हैं कि किसी भी रिक्रूटमैंट के अन्दर अगर किसी ने पैसा लिया हो (विध्न) किसी भी जगह अगर एक भी पैसे का लेन–देन हुआ हो तो कोई भी व्यक्ति इस बारे में दरख्वास्त दे सकता है। (विध्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : डिप्टी स्पीकार साहब,

श्री उपाध्यक्ष : देखिये कर्ण सिंह जी, इस हाउस के 90 सम्मानित सदस्य है और सभी सदस्य बराबर हैं। (विध्न) आपको ि ाकायत रहेगी, जब मैं आपको बोलने से रोकूगा तो आपको ि ाकायत रहेगी। यहां पर अकेले आदमी का जिक्र नहीं है और यह भी जरूरी नही है कि आप हर बात पर बोलें।(विध्न) आपने जो कुछ भी कहा, आपका कोई भी भाब्द कार्यवाही से नहीं निकलवाया, बार–बार बीच में टोकना अच्छा नहीं लगता इसलिए आप प्लीज बैठे। (विध्न) आप जस्टिफाई नहीं करेंगे जब भी कोई मौका आएगा तो आपको बोलनले क मौका देंगे। (विध्न) देखिये हाउस का टाइम पहले ही खत्म होने जा रहा है दलाल साहब जो बोल रहे हैं वह रिकॉर्डन किया जाए। (विध्न)

बैठक का समय बढ़ाना

श्री उपाध्यक्ष : यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय 15 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें : ठीक है जी।

श्री उपाध्यक्ष : हाउस का समय 15 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

वर्श 2002–2003 के बजट के अनुदानों की मांगो पर चर्चा तथा मतदान(पुनरारम्भ)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला) : उपाध्यक्ष महोदय, मैने पहले भी कहा था और अब फिर दोहरा रहा हूॅ कि जिस किसी सदस्य कीतरफ से उल्लेख किया जाता है तो रिप्लाई में उसकी चर्चा जरूर आएगी (विध्न) ये बार–बार बीच में खड़े होकर सदन का समय खराब करते है तथा कुर्सी की गरीमा को बिगाड़तें है। अध्यक्ष की कुर्सी की तरफ पीठ करके सौ काल्ड स्पीकर बनाकर हाउस का समय बर्बाद करते है। यह कतई ठीक नहीं है। यहां पर कायदे कानून का तो ध्यान रखा जाएं। ये अपनी बात तरीके से हाउस के सामने रखे। (विध्न) उपाध्यक्ष महोदय, ये अपने आप को पढ़ा–लिखा कहते है अगर ये अनपढ़ होते तो इनका क्या हाल होना था।

श्री कर्ण सिंह दलाल : उपाध्यक्ष महोदय,

श्री उपाध्यक्ष : कर्ण सिंह जी, अब आप नहीं बोलेगें। मैं आपको कह रहा हूॅ कि आप पूरे हाउस को डिस्टर्ब कर रहे है। चेयर की प्रमि ान के बिना आप कुछ नहीं बोले और चेयर की प्रमि ान के बिना जो बोला जाता है उसको रिकॉर्ड न करे। (विध्न)

वित मंत्री (प्रो.सम्पत सिंह) : डिप्टी स्पीकर सर, जहां तक हमारे पुलिस प्र ाासन संम्बन्ध है,इस पर इन्होने टिप्पणी की है। सर बकायदा, अपराध को नियत्रित रखने में, अपराध रोकने में और अपराधो कों हल करने में हमारा पुलिस प्र ाासन एकदम सक्षम है। योग्य अधिकारियों को उनकी योग्यता के अनुसार उचित प्लैसिज पर रखा गया है। यह जो टिप्पणी की गई है वह बिल्कुल असत्य है।राश्ट्रपति वाली बात तो मुख्य मंत्री जी ने कह ही दी है। उन्होंने जो प्र ांसनीय कार्य किया था, कई जगहो पर उन्होनें उग्रवादियों को पकड़ा,उनका सामना करते हुए उन्होंने गोलियां भी खाई। डिप्टी स्पीकर सर, इनमे ऐसे ऑफिसर्ज भी है जिन्होंने उग्रवादियों से लड़ते हुए गोलियां भी खाई और एक–एक महीना अस्पतालों में भी रहे है चौधरी भजन लाल जी खुद भी अस्पताल में उनसे मिल कर आए थे, क्या फिर भी दूसरे सदस्य उनकी बातों को उठाते रहेंगे।

श्री उपाध्यक्ष : मरणोपरांन्त भी अवॉर्ड दिए गए हैं।

प्रो.सम्पत सिंह : अब उनमें से कइयों को मरनोउपरान्त मैडलज दिए गए है। अब इनको इस बात पर भी ऐतराज हो रहा है और उनका नाम लेने में भार्म आ रही है उनको तो इस बात के लिए सरकार की सरहाना करनी चाहिए कि जिनको 6 साल तक सम्मानित नहीं किया गया था उनको अब इस सरकार के प्रयासो से राश्ट्रपति महोदय द्वारा सम्मानित किया गया है। जो मैडल स्टेट गवर्नमैंट देती है वे मैडल उनके 6 साल तक गवर्नर हाउस में पड़े रहे उनको वे मैडल मिले है इनको तो इस बात के लिए सरकार की सराहना करनी चाहिए कि इस सरकार ने उनको ऑर्न किया है। उपाध्यक्ष महोदय, इस कारण से दूसरे जो प्र ाासिनक कर्मचारी और अधिकारी है उनका भी होसला बढ़ता है और उनको उत्साह मिलता है । उपाध्यक्ष महोदय, अब इन्होंने यहां पर अपराधों का जिक्र कर दिया। उपाध्यक्ष महोदय,जहां तक अपराधों की बात है। हम यह नहीं कह रहे है कि हमारी सरकार ने अपराधों पर पूरी तरह से नियत्रण पा लिया है। लेकिन उपाध्यक्ष महोदय, जब हमने यह सरकार सम्भाली थी, उस समय जो परिस्थितियां थी और जिन परिस्थितियों में यह सरकार सम्भाली थी उस वक्त पिछली सरकार ने प्रदे ा के क्या हालात बना दिए थे। उस वक्त 17,18 और 20 साल के एक लाख से ऊपर बच्चों पर क्रीमिनल केस दर्ज थे। जिस प्रदे ा में इतने बच्चों पर क्रीमिनल केस दर्ज हो तो उस प्रदे ा के भविश्य का आप अन्दाजा लगा सकते हैकि उस प्रदे ा का भविश्य क्या होगा ? उन बच्चों पर कैसे काबू पाया जाएगा यह बहुत ही मु किल काम था लेकिन

फिर भी इस सरकार ने उन पर काबू पाया है। हम ने उनको प्रोतसाहित करके उन पर छोटे–मोटे दो–चार मुकदमे थे, उनको विदड्रा कर लिया ताकि वे सही रास्ते पर आ जाएं। हमने यह सोचा कि उनसे गलतियां हो गई और अगर उनको इन्सैंटिव दिए जाए तो वे रास्ते पर आ सकते है। कुछ के खिलाफ कार्यवाही कर के इन्सैंटिव या डिस–इन्सैंटिव दे कर दोनो तरीको से रास्ते पर लाने की कोि ा ा की गई है। उपाध्यक्ष महोदय, आज यहीं कारण है कि अपराधों में कमी आई है। मैं आपके माध्यम से सदन में इस वर्श के बारे में बता देता हूॅ। इस वर्श मे पिछले वर्श के मुकाबले में आई.पी.सी. के तहत 330 मुकदमे कम हुए है, हत्या के तीन मुकदमों में, मार–पीट के 170 मुकदमों मे, बलातकार के 33 मामलों, डकैतो के 32 मामलो में, लूट–मार के 58 मुकदमों में, सेंधमारी के 359 मुकदमों में और चोरी के 357 मुकदमों मे कमी आई है। इसी तरह से डिप्टी स्पीकर सर,जहां तक मुकदमों को हल करने की बात है, खास करके इन्होंने जो अपहरण का जिक्र किया है तो मैं आपके माध्यम से सदन में बताना चाहूॅगा कि 1997 में 65.1 प्रति ात सफलता मिली थी और मुझे यह बताते हुए खु ाी हो रही है कि हमने 86.5 प्रति ात सफलता प्राप्त की है। अपराधी तो अपराध करके चला जाता है लेकिन उसको कैसे रोका जाए और आईन्दा के लिए उसके निरूत्साहित किया जाए ताकि दूसरे लोग उस रास्तें पर न आए। इसलिए अगर जो केस बनता है औरउसको हल कर लिया जाए और उसको हल करने में आपको सफलता मिल जाती है तो अपराधों की सख्यां कम होगी। अगर

उस केस को हल करने में आपको सफलता नही मिलती है तो अपराध बढ़ेंगे। हम उन अपराधों को जो कि हो रहे है उनको जस्टिीफाई नहीं करते है लेकिन सरकार की तरफ से उन अपराधों को रोकने का पूरा प्रयास है और दूसरी तरफ जहां तक उपाध्यक्ष महोदय, प्रोत्साहित करने की बात है तो इन्होनें यहां पर सिपाही का और दूसरे महकमें के लोगों का जिक्र किया है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं सदन मे बताना चाहूँगा कि अनुसूचित जाति और जन–जाति के जो लोग है इनके खिलाफ जो अपराध होते है वह बहुत बड़ा धिनौना अपराध माना जाता है। उपाध्यक्ष महोदय, उनमें भी सन् 2001 में 44 मुकदमों की कमी आई है। यह 27.67 प्रति ात की कमी बनती है। इसी तरह से उपाध्यक्ष महोदय, मैं यहां पर रेनुका,सुि ाला वगैरह का जिक्र नहीं करूगां, पुरानी बातों को यहां पर जिक्र नहीं करूगा। उपाध्यक्ष महोदय, यहां पर पुलिस वालों को परोत्साहन देने के लिए और आधुनिकीकरण करने के लिए हमने नई गाड़ीयां खरीदी है, नए वायरलैस सैट्स खरीदे है। उपाध्यक्ष महोदय, हमने पुलिस लाईन भी बनाई है ताकि पुलिस के लोग वहां पर अच्छी तरह से रह सके। उपाध्यक्ष महोदय, 1987 से 1991 तक जब चौधरी देवी लाल जी की और चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी की सरकार थी उस बात के लिए आज हिसार में पुलिस लाईन इस बात के लिए गवाह है। हिसार में पुरानी पुलिस लाईन जरजर हालत में पड़ी हुई थी और वहां पर 15–20 सिपाही ही रह सकते थे। उस पुलिस लाइन को वहां से ि ाफ्ट करने का, हुड्डा को इसको डिवैल्प करने का और उसके बदले में दुसरी

पुलिस लाइन बनाने का फैसला चौधरी ओम प्रका ा जी की सरकार ने लिया। आज वहां पर 700 रहने के क्वार्टर्ज है। उपाध्यक्ष महोदय,आज ऐि ाया में ऐसी पुलिस लाइन नही है इसके इलावा वहां पर पुलिस वालों के बच्चों के पढ़ने के लिए स्कूल भी खोला है। ऐसा स्कूल आपको ऐि ाया में पुलिस लाइन के अंदर कही नही मिलेगा। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूॅगा कि जो सिपाही पहल सिपाही की पोस्ट पर ही रिटायर हो जाते थे उनके लिए भी मैं मुख्य मंत्री जी को दाद देना चाहता हूॅ क्योंकि मुख्य मंत्री जी के पास गृह विभाग भी है तो इन्होंने उन सिपाहियों का मनोबल बढ़ाने के लिए यह किया है कि जो सिपाही,सिपाही के पद पर 16 साल तक की सर्विस पूरी कर लेगा उसको हवलदार बना दिया जायेगा। यह निर्णय मुख्य मंत्री जी के मार्गद ार्न में इस सरकार ने लिया है जाकि एक सराहनीय कार्य है और कइयों को तो हवलदार बना भी दिया है। इसी तरह से पुलिस का मनोबल बढ़ाने के लिए मुठभेड़ में भाहीद काने वाले पुलिस वालों के लिए पांच लाख रूपये आक्र घायल होने वालों के लिए तीन लाख यपये देने का प्रावधान सरकार ने किया है ताकि वे हिम्मत से लड़ सकें। इसी तरह से पुलिस कर्मचारियों की रा ान मनी को दूगने से तिगुना कर दिया गया है। इसी प्रकार से कमांडो की डाईट भी इस रूपये से बढ़ाकर बीस रूपये की गयी है। वर्दी भते को भी दुगुना यिा गया है। पुलिस कर्मचारियों को अच्छा प्रि ाक्षण देने के लिए भोंडसी मे 320 एकड़ जमीन पर एक प्रि ाक्षण केन्द्र खोला जा रहा है। इसी

तरह से आधुनिकीकरण केलिए 2001 –2002 में 51 करोड़ और 37 लाख रूपये का प्रावधान योजनागत खर्च में रखा गया है। डिप्टी स्पीकर सर, इसके अलावा भाायद जय प्रका ा जी ने सदन में झज्जर कोर्ट में गोली चलने का भी जिक्र कर दिया।। झज्जर कोर्ट का जहां तक सवाल है वहां पर गोनी चलाने वाले तीन बदमा पथे। बहादूरगढ़ में इलैक्रान के दौरान जो रमें ा दलाल कांग्रेस के उम्मीदवार थे उनका भई इसमे भाामिल था। (विध्न) उनको भाायद हुड्डा साहब ने टिकट दी होगी या भजन लाल जी ने टिकट दील होगी। डिप्टी स्पीकर साहब, इसमें तीन नाम आये थे ये नाम हैं मीनू, राजे ा, एवंधर्मेन्द्र। इनमें से दो को गिरफ्तार कर लिया गया है और धर्मेन्द्र अभी फरार है। यह अनुपगढ़,जींद के सरपंच का कातिल है और मीनू एवं राजे ा ग्रामीण महिला के साथ बलात्कार करने के दोशी के रूप में धारा 376 में भी मुलजिम है।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, यह रमे ा दलाल का सगा भाई है।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : उनका भाई नहीं है बल्कि उनके चाचा का लड़का है। आप किस–किस के भाई का जिक्र करेंगे।

श्री ओम प्रका ा चौटाला : हुड्डा साहब, इस बारे में नफे सिंह राठी से ज्यादा न तो मेरे को पता है और न आपको पता हैं। लेकिन वह रमे ा दलाल का सगा भाई है। (विध्न)

चौधरी नफे सिंह राठी : उपाध्यक्ष महोदय, वह मेरा हल्का है और मेरे खिलाफ उसने चुनाव लड़ा है इसलिए मैं उनके सारे परिवार को जानता हूॅ। मीनू रमे ा दलाल का सगा भाई है और धारा 376 का मुलजिम है जबकि राजे ा और धर्मेन्द्र उसके चाचा के लड़के है। यह बात आप नोट कर लें। हुड्डा साहब ने तो इस मामले को लेकर वकीलों से हड़ताल भी करवाई थी लेकिन जब इनको पता लगा कि इसमें कांग्रेस के लोग भाामिल है तब इन्होंने अपने कदम पीछे हटा लिए।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : रमे ा दलाल का उससे कोई वासता नहीं है।

प्रो.सम्पत सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, अब नफे सिंह जी ने इस बारे में बता दिया है। इन्होनें मीनू का नाम तो ले ही लिया लेकिन मैं यहां पर नैना साहनी का जिक्र नहीं करना चाहता कि कांग्रेस ने क्या किया था। इसी तरह से जहा तक रेलू राम मडर की बात है यह केस कोर्ट के अन्दर चल रहा है इसलिए अगर इस बारे में यहां पर कोई टिप्पणी न ही की जाए तो ठीक होगा। इसी तरह से इन्होंने सिक्योरिटी का जिक्र कर दिया । पता नहीं क्यों इनको एक ही परिवार का फोबिया हो रहा है। कम से कम उनको तो इस बारे में कोई जिक्र नहीं करना चाहिए जिन्होंने उस थाली में खाया है उनको तो उसमे छेद नहीं करना चाहिए, उनको ऐसी बातें नहीं कहनी चाहिए। (विध्न) जहां तक सिक्योंरिटी का सवाल है चौधरी भजन लाल जी भी मुख्य मंत्री रहे है और चौधरी

बंसीलाल जी भी जो इस समय नहीं है, मुख्य मंत्री रहे है, को सिक्योरिटी मिलती है। इसके लिए नॉर्म्ज बने हुए है। कोई एक्स कैटेगरी मे आता है,कोई वाई कैटेगरी में आता है और कोई जैड कैटेगरी में आताहै। विजिलैंस की इस बारे में रिपोर्ट आती है और उसी हिसाब से सिक्योरिटी दी जाती है।

श्री उपाध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी को भी जैड कैटेगरी की सिक्योरिटी मिली हुई है। कल हम इ आए थे इसलिए मुझे इस बारे में पता है। इसी तरह से मेरा एक पड़ोसी कोईबिट्टा है वह भी जब कही जाता है तो पूरा लाव ल कर ले कर ही जाता है।

प्रो.सम्पत सिंह : जैड सिक्योरिटी के हिसाब से ही भजन लाल जी के पास 72 आदमी पोस्टेड है। इस पर हमें ऐतराज भी नही हैं अगर ये जैड कैटेगरी में आते है। तो इनको नॉर्म्ज के हिसाब से सिक्योरिटी मिलेगी ही। इसी तरह से चौधरी बंसीलाल जी के साथ भी 38 आदमी पोस्टेड है। (विध्न)

श्री उपाध्यक्ष : भजन लाल जी, मुझे तो खतरा तब भी नहीं था जब पिछली सरकार के समय में बैक लूटने पर मैंने आंदोलन किया था तो मेरे घर पर गोली चलायी गयी थी लेकिन मैंने तो तब भी परवाह नहीं की थी।

प्रो.सम्पत सिंह : चौधरी बंसी लाल जी के साथ 38 आदमी सिक्योरिटी में है। सिक्योरिटी नॉर्म्ज के हिसाब से मिलती

है, इंटैलीजैंस की रिपोर्ट पर मिलती है। सभी एम.एल.एज. को दो–दो गनमैन मिले हुए है। बरना ऐसा वक्त भी होता था कि कोई गनमैन होता ही नहीं था। डिप्टी स्पीकर सर, सिक्योरिटीऐंग्ल से जो सिक्योरिटी रिस्क होती है उसके हिसाब से सिक्योरिटी दी जाती है कल को किसी पर कोई हमला हो जाए और किसी की जान चली जाए तो कौन जिम्मेदार होगा। सरकार की जिम्मेदारी आएगी।(विध्न).

श्री उपाध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, आपका बस चले तो पंजाब की तरह हर विधायक को एक–एक टाटा सूमो दिलवा दें।

प्रो.सम्पत सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से सिरसा जिले का जिक्र किया गया उसमें सारे के सारे ठेके व उपठेके नियम के अनुसार दिए गए। कैथल जिले के ठेकेदारों से वसूली की बात आई इस पर कार्यवाही चल रही है। इसी तरह से अभी भाादी लाल बत्रा जी ने जिक्र किया था। (विध्न)

कैप्टन अजय सिंह : जोगिन्दर कौर के बारे में भी बताएं।

प्रो.सम्पत सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, वह भी कार्यवाही कोर्ट में चल रही ळ अगर मैं एक–एक केस के बारे में बताऊंगा तोसदन का काफी समय जाया होगा। अगर लीडर ऑफ दि अपोजी ान इजाजत दें तो पुराना सरार बता दूं।

श्री उपाध्यक्ष : सम्पत सिंह जी, प्लीज आप कंक्लूड करें।

प्रो.सम्पत सिंह : डिप्टी स्पीकर सर, सदन में हैल्थ के बारे में अभी जिक्र किया गया था, दवाइयों के बारे में जिक्र किया गया था। सरकार इस बारे में पूरी तरह से केयरफुल है। धर्मवीर जी ने पानी के बारे में कह दिया। हम बाकायदा पानी बराबर देते है यहां ड्रेनें बाढ़ का पानी निकाला करती थीं लेकिन हमने इन ड्रेनों में लोगों को पीने का पानी और सिंचाई के लिए पानी भी उपलब्ध करवाया है। हुड्डा साहब ने पहले भी जिक्र किया था और धर्मवीर जी पानी के बारे में कह गए।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री उपाध्यक्ष : यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय 15 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें : ठीक है जी।

श्री उपाध्यक्ष : हाउस का समय 15 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

वर्श 2002–2003 के बजट के अनुदानों की मांगो पर चर्चा तथा मतदान(पुनरारम्भ)

वित मंत्री (प्रो.सम्पत सिंह) : उपाध्यक्ष महोदय, एन.बी. के. लिंक के थ्रू भाखड़ा का पानी यमुना एरिया में दिया जाता है।

इसमें कोई भेदभाव नहीं है। सारे प्रदे ा में काम चल रहे है इनको तो बजट का समर्थन करना चाहिए। एक तरफ तो कहते है कि इरीगे ान के लिए बजट बढ़ाया जो दूसरी कटमो ान लाते है ।साइन करने से पहले मेरे से पूछ तो लिया करे ।

Mr. Deputy Speaker : Hon'bles members, Now voting on the Demands on the Budget for the year 2002-2003 will take place.

First, I will put the cut motions on the demands to the vote of the House and then I will put the demands to the vote of the House.

Demand Nos.1 & 2

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That a sum not exceeding Rs. 7,64,84,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course payment for of the year 2002-2003 in respect of charges under Demand No. 1-Vidhan Sabha.

That a sum not exceeding Rs. 2,50,14,17,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 2002-2003 in respect of charges under Demand no. 2 –General Administration.

The motion was carried.

Demand No. 3

Mr.Deputy Speaker: Now, I put cut motion No. 1 on demand No. 3 given by Cap.AjaySingh,Shri Jai Parkash and Shri Karan Singh Dalal to the vote of House.

Question is –

That Demand No 3 of Rs. 5,54,12,97,000/- for revenue expenditure and Rs. 27,00,00,000/- for capital expenditure on account of Home be reduced by Rs. 1,10,000/-.

The motion was lost.

That a sum not exceeding Rs. 5,54,12,97,000/- for revenue expenditure and Rs.27,00,00,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for of the year 2002-2003 in respect of charges under Demand No. 3 – Home.

The motion was carried.

Demand No.4

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That a sum not exceeding Rs. 1,60,07,07,000/- for revenue expenditure and Rs.5,00,00,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for of the year 2002-2003 in respect of charges under Demand No. 4 - Recenue.

The motion was carried.

Demand No.5

Mr.Deputy Speaker: Now, I put cut motion No.2 on demand No. 5 given by Cap.AjaySingh,Shri Shadi Lal Batra and Smt.Anita Yadav to the vote of the House.

Question is –

That Demand No. 5 of Rs. 45,15,52,000/- on account of Excise and Taxation be reduced by Rs. 1/-.

The motion was lost.

That a sum not exceeding Rs. 45,15,52,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for of the year 2002-2003 in respect of charges under Demand No. 5 – Excise and Taxation.

The motion was carried.

Demand Nos.6 to 8

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That a sum not exceeding Rs. 6,28,82,34,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for of the year 2002-2003 in respect of charges under Demand No. 5-Finance.

That a sum not exceeding Rs.5,42,40,57,000 /- for revenue expenditure and Rs. 3,00,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for of the year 2002-2003

in respect of charges under Demand No. 7- Other Administrative Services.

That a sum not exceeding Rs. 2,08,47,00,000/- for revenue expenditure and Rs. 3,82,68,40,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for of the year 2002-2003 in respect of charges under Demand No. 8- Buildings and Roads.

The motion was carried.

Demand No.9

Mr.Deputy Speaker: Now, I put cut motion No.3 on demand No. 9 given by Cap.AjaySingh, and Shri Shadi Lal Batra to the vote of the House.

Question is –

That Demand No. 9 of Rs. 17,05,96,21,000/- on account of Education be reduced by Rs. 1000/-.

The motion was lost.

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That a sum not exceeding Rs. 17,05,96,21,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for of the year 2002-2003 in respect of charges under Demand No. 9- Education.

The motion was carried.

Demand No.10

Mr.Deputy Speaker: Now, I put cut motion No.4 on demand No. 10 given by Cap.AjaySingh, Shri Shadi Lal Batra and Shri Dan Singh to the vote of the House.

Question is –

That Demand No. 10 of Rs. 6,87,39,82,000/- for revenue expenditure and Rs. 1,60,61,00,000/- for capital expenditure on account of Medical and Public Health be reduced by Rs.1/-.

The motion was lost.

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That a sum not exceeding Rs. 6,87,39,82,000/- for revenue expenditure and Rs.1,60,61,00,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for of the year 2002-2003 in respect of charges under Demand No. 10 - Medical and Public Health.

The motion was carried.

Demand No.11

Mr.Deputy Speaker: Now, I put cut motion No.5 on demand No. 11 given by Cap.AjaySingh, and Shri Shadi Lal Batra to the vote of the House.

Question is –

That Demand No. 11 of Rs. 41,05,72,000/- on account of Urban Development be reduced by Rs. 2/-.

The motion was lost.

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That a sum not exceeding Rs. 41,05,72,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for of the year 2002-2003 in respect of charges under Demand No.11- Urban Development.

The motion was carried.

Demand No.12 to 14

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That a sum not exceeding Rs. 56,87,25,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for of the year 2002-2003 in respect of charges under Demand No.12 Labour and Employment.

That a sum not exceeding Rs. 5,02,84,99,000/- for revenue expenditure and Rs.45,00,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for of the year 2002-2003 in respect of charges under Demand No.13- Social and Rehabilitation.

That a sum not exceeding Rs. 24,09,35,000/- for revenue expenditure and Rs.14,61,47,93,000/- for capital

expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for of the year 2002-2003 in respect of charges under Demand No.14- Food and Supplies.

The motion was carried.

Demand No.15

Mr.Deputy Speaker: Now, I put cut motion No.6 on demand No. 15 given by Cap.AjaySingh, Shri Dharamvir, Shri Karan Singh Dalal and Narender Singh to the vote of the House.

Question is –

(i)That Demand No. 15 of Rs. 14,09,93,00,000/- for revenue expenditure and Rs. 3,25,00,00,000/- for capital expenditure on account of Irrigation be reduced by Rs. 2/-.

The motion was lost.

Mr.Deputy Speaker: Now, I put another cut motion No.7 on demand No. 15 given by Shri Karan Singh Dalal and Shri Jagjit Singh to the vote of the House.

Question is –

(ii) That Demand No. 15 of Rs.14,09,93,00,000/- for revenue expenditure and Rs. 3,25,00,00,000/- for capital expenditure on account of Irrigation be reduced by Rs.1/-.

The motion was lost.

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That a sum not exceeding Rs. 14,09,93,00,000/- for revenue expenditure and Rs.3,25,00,00,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for of the year 2002-2003 in respect of charges under Demand No.15 –Irrigation.

The motion was carried.

Demand No.16

Mr.Deputy Speaker: Now, I put cut motion No.8 on demand No. 16 given by Cap.AjaySingh and Shri Dharambir to the vote of the House.

Question is –

That Demand No. 16 of Rs.35,72,58,000/- for revenue expenditure and Rs. 1,68,10,000/- for capital expenditure on account of Industries be reduced by Rs.1/-.

The motion was lost.

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That a sum not exceeding Rs. 35,72,58,000/- for revenue expenditure and Rs.1,68,10,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for of the year 2002-2003 in respect of charges under Demand No.16 – Industries.

The motion was carried.

Demand No.17

Mr.Deputy Speaker: Now, I put cut motion No.9 on demand No. 17 given by Cap.AjaySingh, Shri Karan Singh Dalal , and Shri Dharambir to the vote of the House.

Question is –

That Demand No. 17 of Rs. 2,95,51,00,000/-for revenue expenditure and Rs. 1,40,00,000/- for capital expenditure on account of Agriculture be reduced by Rs.1/-.

The motion was lost.

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That a sum not exceeding Rs. 2,95,51,00,000/- for revenue expenditure and Rs.1,40,00,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for of the year 2002-2003 in respect of charges under Demand No.17—Agriculture.

The motion was carried.

Demand No.18 to 25

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That a sum not exceeding Rs. 1,35,65,79,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for of the year 2002-2003 in respect of charges under Demand No.18—Animal Husbandry.

That a sum not exceeding Rs. 12,34,60,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for of the year

2002-2003 in respect of charges under Demand No.19—Fisheries.

That a sum not exceeding Rs. 75,10,75,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for of the year 2002-2003 in respect of charges under Demand No.20—Forest.

That a sum not exceeding Rs. 1,26,64,53,000/- for revenue expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for of the year 2002-2003 in respect of charges under Demand No.21—Community Development.

That a sum not exceeding Rs. 21,81,00,000/- for revenue expenditure and Rs.15,76,29,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for of the year 2002-2003 in respect of charges under Demand No.22—Cooperation.

That a sum not exceeding Rs. 5,03,84,84,000/- for revenue expenditure and Rs.50,66,00,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for of the year 2002-2003 in respect of charges under Demand No.23—Tranport.

That a sum not exceeding Rs. 92,51,000/- for revenue expenditure and Rs.2,50,00,000/- for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for of the year 2002-2003 in respect of charges under Demand No.24—Tourism.

That a sum not exceeding Rs. 2,21,12,71,000/-for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for of the year 2002-2003 in respect of charges under Demand No.25—Loans and Advances by State Government.

The motion was carried.

विधान कार्य

1. दि.हरियाणा म्यूनिसिपल(अमैंडमैंट) बिल, 2002

Mr.Deputy Speaker: Now, the Minister of State for Urban Development will introduce the Haryana Municipal (Amendment) Bill, 2002 and also move the motion for its consideration.

भाहरी विकास राज्य मंत्री (श्री सुभाश गोयल) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा नगर पालिका सं ाोधन विधेयक 2002 प्रस्तुत करता हूॅ।

मैं यह भी प्रस्ताव करता हूॅ ——

कि विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए।

Mr.Deputy Speaker: motion moved—

That the Haryana Municipal (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

कैप्टन अजय सिंह(रिवाड़ी) : उपाध्यक्ष महोदय, ये जो अमैंडमैंट ले कर आ रहे है, मैं समझता हूॅकि सरकार ने ठीक काम

किया है कि स्वामियों द्वारा भवनों तथा भूमि पर भुगतान योग्य कर की प्रति ात्ता साढ़े सात प्रसैंट से ढ़ाई प्रसैट कर दी गई है परन्तु अपर लिमिट तो अभी भी 15 प्रसैंट है। इसलिए मेंरा सुझाव है कि इस पर विचार करें और दूसरा आपने इसमें चौथी क्लॉज में लिख दिया है कि–

No land and building with in the controlled area shall, except with the permission of the Director and on payment of such conversion charges.

उपाध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूॅगा कि ये जो क्लॉज डाली गई है यह क्लॉज कम्यूनिटी के लिए बड़ी घातक है। उपाध्यक्ष महोदय, आप भी इसी कम्यूनिटी से बिलौंग करते है। इस लिए किसानो की जमीनो पर या तो सरकार कम्पनसे ान दे या कोई रिलीफ दे वरना किसान उसको बेच नही सकेगा और न ही उस पर कुछ बना सकेगा। यह सरकार अपने आप को किसानों की सरकार कहती है इसलिए मैं कहना चाहूॅगा कि यह क्लॉज ठीक नहीं है। दूसरा जो हरियाणा अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवैल्पमैंट बोर्ड बनाया गया है इस तरीके से सरकार आपने हाथों में म्यूनिसिपल बोडिज की पार्वस सैन्ट्रालाइज कर रही है। इससे म्यूनिसिपल बोडिज को नुकसान होगा और इससे फण्डस डायवर्ट होगें इसलिए मेंरा सूझाव है कि ये फण्डस डायवर्ट नहीं होने चाहिए। लाइसैंस फीस म्यूनिसिपल बोडिज में ही रहनी चाहिए।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा(किलोई) : अध्यक्ष महोदय, जैसा कप्तान साहब ने कहा कि किसान उस जमीन को बेंच नही सकता और न लड़की की भाादी कर सकता है। इसलिए सरकार को वह जमीन मार्किट वैल्यू पर ले लेनी चाहिए। इतनी आप ॅान तो किसान पर छोड़ देनी चाहिए।

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That the Haryana Municipal (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr.Deputy Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That Clause-2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-3

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That Clause-3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-4

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That Clause-4 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-5

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That Clause-5 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-6

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That Clause-6 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-1

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That Clause-1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Speaker: Question is–

Title

Mr.Deputy Speaker: Question is—

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr.Deputy Speaker: Now, the Minister of State for Urban development will move that the Bill be passed.

भाहरी विकास राज्य मंत्री(श्री सुभाश गोयल) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूॅ कि –

विधेयक पारित किया जाए।

Mr.Deputy Speaker: Motion moved—

That the Bill be passed.

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That the Bill be passed.

The motion was carried.

2.दि पंजाब पेर्सेजर्ज एंड गुड्ज टैक्से ान(हरियाणा अमैंडमैंट)बिल,2002

Mr.Deputy Speaker: Now,Chief Minister will introduce the Punjab Passengers and Goods Taxation (Haryana Amendment) Bill,2002 and will also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, on behalf of Hon'ble Chief minister, I beg to introduce the Punjab Passengers and goods Taxation (Haryana Amendment) Bill,2002.

Sir,I also beg to move—

That the Punjab Passengers and goods Taxation (Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr.Deputy Speaker: Motion moved—

That the Punjab Passengers and goods Taxation (Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That the Punjab Passengers and goods Taxation (Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr.Deputy Speaker: Now, the House will consider the Bill Clause by Clause.

Clause-2

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That Clause-2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-3

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That Clause-3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-1

That Clause-1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Eacting Formula

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr.Deputy Speaker: Question is—

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

बैठक का समय बढ़ाना

श्री उपाध्यक्ष : यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय 15 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें : ठीक है जी।

श्री उपाध्यक्ष : हाउस का समय 15 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

विधान कार्य

2.दि पंजाब पेर्सेजर्ज एंड गुड्ज टैक्से ान(हरियाणा अमैंडमैंट)बिल 2002

Mr.Deputy Speaker (Prof. Sampat Singh) : Now, the Parliamentary Affairs Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move—

That the Bill be passed.

Mr.Deputy Speaker: Motion moved—

That the Bill be passed.

Mr.Deputy Speaker: Question is—

That the Bill be passed.

The motion was carried.

3. दि ईस्ट पंजाब वार अवार्डज(हरियाणा अमैंडमैंट)बिल 2002

Mr.Deputy Speaker: Now, the Revenue Minister will introduce the East Punjab War Awards (Haryana Amendment) Bill,2002.

Mr.Deputy Speaker: Motion moved—

That the East Punjab War Awards (Haryana Amendment) Bill,be taken into consideration at once.

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That the East Punjab War Awards (Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr.Deputy Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause-2

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That Clause-2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause-1

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That Clause-1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr.Deputy Speaker: Question is—

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr.Deputy Speaker: Now the revenue Minister will move that the Bill be passed.

Mr.Deputy Speaker: Motion moved—

That the Bill be passed.

Mr.Deputy Speaker: Question is –

That the Bill be passed.

The motion was carried.

Mr.Deputy Speaker : Now the House stands adjourned till 9.30 a.m. tomorrow.

***14.03 hrs.**

(The Sabha then adjourned till 9.30 a.m. on Wednesday, the 20th March,2002)